फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 184 प्रभात जयपुर, गुरूवार 5 फरवरी, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Coming Home To The Bulbul, the Crow Pheasant, and...

Chital sometimes tend to get too nervous and will sound their high-pitched bark even at shadows. But Sambar will not call until they can see the tiger or leopard

Celebrating Positivity, One Smile at a Time

लोकसभाध्यक्ष दुविधापूर्ण विडंबना में फंसे

उन्होंने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को तो पुस्तक के अंश उद्धृत करने दिए पर राहुल गांधी को पूर्व सेनाध्यक्ष नरवाणे की पुस्तक के अंश पढ़ने की इजाज़त नहीं दी

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 4 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब नहीं दे सके क्योंकि लोकसभा में विपक्ष ने भारी हंगामा किया। राहुल गांधी को लद्दाख में चीन के हमले पर पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे की किताब के बारे में बोलने की अनुमति नहीं दी गई, जिसके बाद यह हंगामा हुआ।

ऐसा लग रहा है कि प्रधानमंत्री कल लोकसभा में भी भाषण नहीं देंगे और संभव है कि वह राज्यसभा में जवाब दें, जहां राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा चल रही है।

- लोकसभाध्यक्ष की इस ''विवादपूर्ण'' व्यवस्था के कारण, कांग्रेस ने भारी हंगामा किया और प्र.मंत्री को धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई बहस का उत्तर नहीं देने दिया।
- राहुल गांधी ने भाजपा सदस्यों की आपत्ति, कि पूर्व सेनाध्यक्ष नरवाणे की किताब अभी प्रकाशित हुई नहीं हुई उस अप्रकाशित पुस्तक के अंश कैसे लोकसभा में पढ़े जा सकते हैं, के जवाब में कहा, वे प्रकाशित पुस्तक की प्रति साथ लाए हैं, तथा उसकी प्रति प्रधानमंत्री को भेंट करेंगे, जब प्र.मंत्री सदन में आएंगे।
- इस विवादित प्रकरण का अन्य पहलू यह भी है कि वरिष्ठ मंत्री राजनाथ सिंह व गृह मंत्री अमित शाह ने सदन में दावा किया था कि पूर्व सेनाध्यक्ष की पुस्तक प्रकाशित नहीं हुई है, पर, राहुल गांधी ने कहा कि वे पुस्तक की प्रतिलिपि सदन में लाए हैं।
- तो क्या कांग्रेस, वरिष्ठ मंत्रीगणों के खिलाफ मिथ्यावचन का आरोप लगाते हुए विशेषाधिकार हनन का मामला बनाएगी।

हालांकि सूत्रों का कहना है कि सरकार आखिरी कोशिश कर रही है कि गतिरोध खत्म हो और विपक्ष से बातचीत शुरू हो सके। इसके लिए भाजपा के लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ बोले गए सभी आपत्तिजनक शब्द हटाए जा सकते हैं। वह किताबों से उद्धरण दे रहे थे और स्पीकर ने उन्हें रोकने की कोई कोशिश नहीं की।

विपक्ष ने पूछा कि, क्या लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने सत्तारूढ़ दल और विपक्ष के साथ व्यवहार के अलग-अलग मानदंड अपना रखे हैं।

इसी के विरोध में कांग्रेस सांसद स्पीकर के कक्ष में पहुंच गए और उनसे कड़ा विरोध जताया। उन्होंने पूछा कि राहुल गांधी को पत्रिका के लेख से उद्धरण देने की अनुमति क्यों नहीं दी गई, जबकि निशिकांत दुबे को ऐसा करने दिया गया।

इस मुद्दे पर स्पीकर मुश्किल स्थिति में नज़र आ रहे हैं।

एक दिलचस्प घटनाक्रम में राहुल गांधी संसद में जनरल नरवणे की किताब की एक प्रति लेकर आए। उन्होंने मीडिया को वह किताब दिखाई और कहा कि जब प्रधानमंत्री सदन में आएंगे तो वह उन्हें इसकी एक प्रति देंगे। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें यकीन है कि नरेंद्र मोदी सदन में नहीं आएंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल और मंत्री बिट्टू के बीच झड़प

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 फरवरी। आज सुबह संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच तीखी बहस हो गई। दिन की कार्यवाही शुरू होने से पहले प्रदर्शन के दौरान गांधी ने पूर्व कांग्रेस नेता को ''गद्दार दोस्त'' कहा। इसके जवाब में बिट्टू ने गांधी को ''देश का दुश्मन'' बताया।

बिट्टू तीन बार सांसद रह चुके हैं और रेलवे राज्य मंत्री हैं। उन्होंने 2024

- राहुल गांधी जब कांग्रेस सांसदों के साथ संसद के मकर द्वार पर धरना दे रहे थे, तो वहां से गुज़र रहे मंत्री रवनीत बिट्टू, जो पहले कांग्रेस में थे, को उन्होंने ''गद्दार दोस्त'' कहा, बदले में बिट्टू ने उन्हें ''देश के दुश्मन'' करार दिया।

लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा जॉइन कर ली थी।

यह छोटी बहस उस समय हुई जब संसद के मकर द्वार के पास कांग्रेस सांसद प्रदर्शन कर रहे थे। जब बिट्टू पास से गुजरे तो गांधी ने कहा, '' देखो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट को अपना ''राजनीतिक मंच'' बनाया

न्यायालय ममता जी की इस रणनीति का ''बेबस'' मूकदर्शक बनकर रह गया और ममता जी को निर्बाध रूप से पन्द्रह मिनट तक मुख्य चुनाव आयुक्त को भला-बुरा कहने का पूरा मौका मिला

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 फरवरी। ममता बनर्जी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख, ने भारत के मुख्य न्यायाधीश और दो अन्य जजों के सामने चल रही कानूनी सुनवाई को भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त के कार्यालय के खिलाफ एक राजनीतिक भाषण में बदल दिया और इसमें बड़ी जीत हासिल की।

ममता बनर्जी ने बेहतरीन तरीके से राजनीतिक चाल चली और कोर्ट की कार्यवाही को बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन के खिलाफ अपनी राजनीतिक लड़ाई में बदल दिया। बनर्जी ने राज्य में अपने समर्थकों से वादा किया था कि वह बंगाल में मतदाता सूची का संशोधन बिल्कुल नहीं होने देंगी।

अब जब मतदाता सूची का संशोधन (रोल रिविज़न) लगभग पूरा

- इस दुःखद घटनाक्रम का दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह भी है कि पश्चिम बंगाल में फ़र्ज़ी मतदाता की रणनीति को तृणमूल कांग्रेस ने एक कला का रूप दे दिया है, निरंतर सुधार-संवार कर।
- 56 लाख से भी ज्यादा फ़र्ज़ी वोटर पाए गए थे, गत सूची पर गहराई से काम करने से। इसके अलावा गत सूची में बहुत से नाम उन व्यक्तियों के हैं, जो मृत हो चुके हैं तथा नियमित रूप से बांग्लादेश से, सीमा पार से, गैर कानूनी घुसपैठिए आकर चुनावों में मतदान करते रहे हैं।
- एसआईआर (वोटर सूची का शुद्धिकरण) 4 नवंबर 2025 को आरंभ हुआ था। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में परिवर्तन की अंतिम तारीख 19 जनवरी थी और फाइनल सूची 14 फरवरी को प्रकाशित होनी है।

हो चुका था और प्रक्रिया समाप्त होने वाली थी, तब ममता को लगा कि उन्हें बड़ा झटका लगा है। पिछली मतदाता सूचियों से बड़ी संख्या में फर्जी मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भूमिगत ''चिकन नैक'' रेल्वे ट्रैक बिछाने का काम शुरु

चिकन नैक एक संकड़ा भू भाग है, जो देश के नॉर्थ ईस्ट भाग को शेष भारत से जोड़ता है

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 4 फरवरी 'चिकन नेक' की सुरक्षा से जुड़े 'शीर्ष प्राथमिकता' वाले प्रोजेक्ट के तहत 40 किलोमीटर लंबे भूमिगत रेल कॉरिडोर के निर्माण का काम जल्द ही तेज़ी से शुरू किया जाएगा, यह दावा नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे (एनएफआर) के अधिकारियों ने किया है।

बांग्लादेश, नेपाल और भूटान से घिरे तथा सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर-जिसे 'चिकन नेक' भी कहा जाता है-के माध्यम से ही पूर्वोत्तर राज्यों का शेष भारत से ज़मीनी संपर्क संभव है। भारत की सबसे कमजोर कड़ी कहे जाने वाले इस संकरे भू-भाग की चौड़ाई लगभग 20-22 किलोमीटर है और यह चीन की चुम्बी घाटी से मात्र 130 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

हाल के महीनों में बांग्लादेश के चीन के करीब जाने के बाद 'चिकन नेक' को लेकर कूटनीतिक तनाव बढ़ा है। बांग्लादेश के कट्टरपंथी समूहों ने भारत के पूर्वोत्तर भाग को अलग-थलग करने के उद्देश्य से चिकन नेक को जाम करने की खुली अपील की है, साथ ही कुछ उग्रवादी संगठनों ने इस कॉरिडोर को ग्रेटर बांग्लादेश बनाने की अपनी परिकल्पना का हिस्सा बताया है।

- 20-22 किलोमीटर चौड़ा, यह सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे ही चिकन नैक कहते हैं, सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है और चीन की सीमा से मात्र 130 किलोमीटर दूर है।
- बांग्लादेश के चीन के करीब जाने व चीन की मदद से चिकन नैक हथियाने के दावों के मद्देनज़र भारतीय रेल्वे ने भूमिगत रेल्वे ट्रैक बिछाने का काम शुरु किया है, क्योंकि किसी भी संकट की स्थिति में भी अंडरग्राउण्ड ट्रैक बाधित नहीं होगा।

इस खंड में भूमिगत रेल लाइन बनाकर भारत संभावित सुरक्षा खतरों से निपटना और सीमावर्ती क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मज़बूत करना चाहता है। एनएफआर के महाप्रबंधक चेतन श्रीवास्तव ने कहा कि यह रेल खंड पश्चिम बंगाल में टिन माइल हाट से रंगापानी स्टेशन तक चलेगा।

2017 में चीन के साथ डोकलाम गतिरोध के दौरान सैन्य योजनाकारों ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बोत्सवाना से 8 चीते 28 को मध्यप्रदेश आयेंगे

भोपाल, 04 फरवरी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से भेंट कर असम से जंगली भैंसा मध्यप्रदेश लाने की प्रक्रिया सहित विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा की।

- असम से जंगली भैंसे भी मध्यप्रदेश लाने की तैयारी चल रही है।

उन्होंने बताया कि 28 फरवरी को बोत्सवाना से 8 चीते मध्यप्रदेश लाए जाएंगे। चीतों के पुनर्स्थापन को लेकर केंद्रीय मंत्री यादव से आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सहयोग पर भी विस्तार से चर्चा हुई है।

डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में पर्यटन विकास, रिजर्व फॉरेस्ट के विस्तार और वन्य जीव संरक्षण की असीम संभावनाएं हैं। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में चीतों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प.बंगाल चुनावों पर देर रात भाजपा की बैठक

मंगलवार देर रात केन्द्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार के घर हुई इस मीटिंग में पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन भी मौजूद थे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 फरवरी। आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले मंगलवार देर रात पश्चिम बंगाल की राजनीति को लेकर एक अहम बैठक दिल्ली में केन्द्रीय मंत्री और भाजपा सांसद सुकांत मजूमदार के आवास पर हुई।

बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी मौजूद रहे। पश्चिम बंगाल से भाजपा के लोकसभा और राज्यसभा सांसद और पार्टी के चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव और सह-प्रभारी बिप्लब देब भी चर्चा में शामिल हुए।

यह बैठक पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए आगे की रणनीति तय करने के उद्देश्य से बुलाई गई थी। इसमें संगठनात्मक मजबूती, बूथ-स्तरीय योजना और समग्र चुनावी रोडमैप पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक का प्रमुख फोकस पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा एसआईआर मुद्दे से निपटने की रणनीति पर था। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब ममता बनर्जी दिल्ली में मौजूद हैं और उन्होंने मतदाता सूची की एसआईआर प्रक्रिया को लेकर अपने हमले तेज कर दिए हैं, जिससे इसका महत्व और बढ़ गया।

- बैठक का फोकस मुख्य रूप से एसआईआर के संबंध में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की रणनीति का जवाब देने पर रहा, एसआईआर प्रक्रिया को लेकर ममता बनर्जी ने बेहद आक्रामक रूख अपना रखा है।
- मीटिंग में पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसद शामिल हुए तथा पार्टी अध्यक्ष नबीन ने हरेक सांसद के साथ अलग-अलग मुलाकात कर फीडबैक लिया।
- सांसदों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने क्षेत्रों में केन्द्रीय बजट को ''यंग इंडिया'' बजट के रूप में प्रचारित करें। इसके अलावा राज्य सरकार की विफलताओं पर आक्रामक रूख अपनाने और आंदोलन करने का निर्देश दिया गया, साथ ही कहा गया कि चुनाव होने तक आंदोलन जारी रहने चाहिए।

करीब तीन घंटे चली इस बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने की। सभी सांसदों को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर बजट 2026 के प्रमुख प्रावधानों को जनता के बीच स्पष्ट रूप से रखें। युवाओं तक पहुंच बनाने पर विशेष ज़ोर दिया गया और बजट 2026 को यंग इंडिया का बजट के रूप में प्रस्तुत करने की रणनीति बनाई गई है।

भाजपा सूत्रों के अनुसार, पार्टी ने पश्चिम बंगाल चुनावों के लिए एक बड़ा और दीर्घकालिक प्लान तैयार किया है। इसी योजना के तहत नितिन नबीन ने सांसदों के साथ एक-एक कर व्यक्तिगत बैठकें कीं और उनसे सीधे फीडबैक लिया।

सांसदों को जमीनी स्तर पर राज्य सरकार की विफलताओं को आक्रामक तरीके से उजागर करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही, स्थानीय मुद्दों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ ज़ोन-वार आंदोलन शुरू करने को कहा गया है। रणनीति यह है कि इन आंदोलनों को विधानसभा चुनाव तक लगातार सक्रिय रखा जाए।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल चुनावों तक सांसदों से नियमित फीडबैक लिया जाता रहेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने नीट-पीजी की कट-ऑफ पर नोटिस जारी किये

नयी दिल्ली, 4 फरवरी। सर्वोच्च न्यायालय ने नीट-पीजी 2025-26 की परीक्षा के लिए कट-ऑफ पर्सेन्टाइल कम करने के राष्ट्रीय चिकित्सा परीक्षा बोर्ड के निर्णय को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका

- राष्ट्रीय चिकित्सा परीक्षा बोर्ड ने 13 जनवरी को कट-ऑफ पर्सेन्टाइल असामान्य रूप से कम कर दिया था।

पर बुधवार को नोटिस जारी किया।

न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने इस चुनौती पर गौर किया और निर्देश दिया कि मामले को छह फरवरी को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए।

याचिका में परीक्षा बोर्ड की 13 जनवरी की उस अधिसूचना पर सवाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपना केस खुद लड़ा ममता बनर्जी ने

एक प्रशिक्षित एडवोकेट ममता बनर्जी पहली ऐसी मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अपने मुकदमे की पैरवी की है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 फरवरी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में अपने मामले की पैरवी स्वयं की। उन्होंने राज्य में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रीविज़न (एसआईआर) के खिलाफ दायर अपनी याचिका के समर्थन में दलीलें दीं।

ममता बनर्जी एक प्रशिक्षित अधिवक्ता है और वे पहली ऐसी मुख्यमंत्री बन गई हैं, जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अपने मामले पर खुद बहस की। इसके लिए उन्होंने अदालत में एक अंतरिम आवेदन दायर कर अनुमति मांगी थी।

ममता लंबे समय से राज्य में एसआईआर अभियान का विरोध करती रही हैं और चाहती हैं कि आगामी विधानसभा चुनाव 2025 की मतदाता सूची के आधार पर कराए जाएं।

- ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में एप्लीकेशन दायर कर इसकी अनुमति मांगी थी। ज्ञातव्य है कि ममता बनर्जी ने कहा था कि वे खुद एक वकील हैं और एसआईआर पर अपना केस खुद लड़ेंगी।
- ममता बनर्जी लम्बे समय से एसआईआर का विरोध कर रही हैं, उन्होंने कहा कि चुनाव, 2025 की मतदाता सूची पर ही होने चाहिए।
- ममता बनर्जी ने एसआईआर में भारी विसंगतियों का आरोप लगाया और कहा कि कई महिलाओं के नाम इसलिए हटा दिए क्योंकि उन्होंने विवाह के बाद भारतीय परम्परा के तहत पति का सरनेम लगाना शुरु कर दिया था।
- सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की बैंच ने चुनाव आयोग को आदेश दिया कि एसआईआर के संबंध में गणमान्य व्यक्तियों को नोटिस भेजते समय सावधानी बरते। ज्ञातव्य है कि चुनाव आयोग ने पूर्व नौसेना एडमिरल अरूण प्रकाश, नोबल विजेता अमर्त्य सेन व क्रिकेटर मोहम्मद शमी को भी नोटिस भेजे हैं।

उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि असम में, जो एक भाजपा-शासित राज्य है, एसआईआर प्रक्रिया क्यों नहीं कराई गई।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर 4 नवंबर 2025 को शुरू हुई थी और मसौदा मतदाता सूची 16 दिसंबर को प्रकाशित हुई। दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तिथि 19 जनवरी थी। अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी को प्रकाशित होने की उम्मीद है, हालांकि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई की प्रगति को देखते हुए समय सीमा बढ़ाई जा सकती है।

उनके वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने एसआईआर प्रक्रिया में बड़ी संख्या में अनमैप्ड मतदाताओं का हवाला दिया और कहा कि सुधारात्मक कदम उठाने के लिए बहुत कम समय बचा है।

बार एण्ड बैंच ने दीवान के हवाले से कहा, अनमैप्ड मतदाता 32 लाख हैं। तार्किक विसंगति सूची में 1.36 करोड़ नाम हैं और 63 लाख मामलों की सुनवाई लंबित है।''

सुप्रीम कोर्ट की बैंच ने दो याचिकाओं में नोटिस जारी करने का आदेश दिया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शरद पवार ने सुनेत्रा से मुलाकात की

बारामती (महाराष्ट्र), 04 फरवरी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को परिवार के मुखिया के रूप में नरम रुख दिखाया। एनसीपी के दोनों गुटों के विलय के सवाल पर उन्होंने कहा कि कोई भी फैसला लेने से पहले अभी एक-दूसरे का साथ देना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। कुछ दिन पहले उन्होंने रास्ता बंद (रोड ब्लॉक) वाला बयान दिया था।

- इससे पहले उन्होंने अजित पवार के बेटों के साथ बंद कमरे में मीटिंग की थी।

शरद पवार ने दिवंगत अजित पवार के बेटों से बंद कमरे में मुलाकात की। इसके बाद वह बारामती में सुनेत्रा पवार के घर गए तथा अजित पवार को श्रद्धांजलि दी।

वरिष्ठ नेता शरद पवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के उस बयान पर भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

विचार बिन्दु

अपनी नम्रता का गर्व करने से अधिक निंदनीय और कुछ नहीं है। –मारकस

जनमानस में रियासती उपाधियों की पुनर्स्थापना: अतिरंजित और अंतर्विरोधों से भरा विमर्श

जनमानस में रियासती उपाधियों की पुनर्स्थापना – यह शीर्षक अपने आप में ही विरोधाभासों से भरा हुआ है। आखिर इस कथित प्रयास के पीछे कौन है? निश्चय ही कोई लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार तो नहीं। और यह भी विचित्र है कि 'जनमानस' को इतना भोला और मूर्ख क्यों दिखाया जा रहा है? आज़ादी के सात दशक बाद क्या सचमुच यह मान लिया जाए कि जनता को इतनी आसानी से बहकाया या ब्रेनवॉश किया जा सकता है कि वह पुराने राजसी प्रतीकों को स्वीकार कर ले, जबकि लोकतांत्रिक मूल्य समाज के हर वर्ग में गहराई से जड़ें जमा चुके हैं? क्या जनता को इतना भी श्रेय नहीं दिया जाना चाहिए कि वह स्वयं समझदार है, बजाय इसके कि उसे बिना विवेक और स्वतंत्र चिंतन वाले बच्चों की तरह पेश किया जाए?

लेखक अपने लेख की शुरुआत संविधान का हवाला देकर करते हैं समानता, समान अधिकार और यह सिद्धांत कि कोई भी किसी से ऊपर नहीं है। ठीक है, यह बात स्वीकार्य और निर्विवाद है। लेकिन इसके बाद वे चतुराई से प्रजामंडल आंदोलन को सामने ले आते हैं और उसे जनसाधारण द्वारा लड़ा गया एक दीर्घ संघर्ष बताने लगते हैं। यहीं समस्या शुरू होती है। इतिहास की सामान्य समझ रखने वाला कोई भी व्यक्ति जानता है कि प्रजामंडल आंदोलन कुछ गिने-चुने अभिजात, संपन्न और उच्चवर्णीय सवर्णों द्वारा संचालित था, जो स्वयं मौजूदा सत्ता में भागिदार थे एवं अब उस सत्ता पर पूर्णतः काबिज होना चाह रहे थे। यह आंदोलन मुख्यतः कुछ शहरी केंद्रों तक सीमित रहा और इसमें व्यापक जनभागीदारी लगभग नहीं के बराबर थी।

इस तरह प्रजामंडल आंदोलन का उल्लेख करके लेखक राजस्थान की आबादी के एक विशेष वर्ग को निरंकुश और दमनकारी सिद्ध करने का प्रयास करते हैं। मेरे विचार में यह एक कमजोर तर्क है, जो प्राथमिक ऐतिहासिक जांच भी नहीं झेल सकता।

लेखक पूर्वशाही परिवारों के लिए हिज हाईनेस जैसी उपाधियों के प्रयोग पर आपत्ति जताते हैं और तर्क देते हैं कि ऐसी संबोधन शैली मूलतः अपमानजनक है और बोलने वाले को संबोधित व्यक्ति से हीन दर्शाती है। लेकिन यह दावा एक समस्याग्रस्त मान्यता पर आधारित है–कि इन उपाधियों का प्रयोग थोपा गया है। वास्तव में किसी को इन्हें इस्तेमाल करने के लिए बाध्य करने वाली कोई दमनकारी व्यवस्था मौजूद ही नहीं है; इनका प्रयोग अनिवार्यता नहीं, बल्कि एक स्वैच्छिक चयन है।

राजसी उपाधियों का निरंतर प्रयोग राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परिघटना के रूप में बेहतर समझा जा सकता है। अनेक लोगों के लिए ये उपाधियाँ वंश, स्मृति और ऐतिहासिक निरंतरता के प्रतीक हैं, जो स्थानीय इतिहास और सामूहिक पहचान में रची-बसी हैं। इन्हें दासता भाव से नहीं, बल्कि उस विरासत की पहचान के रूप में प्रयोग किया जाता है, जिसे आधुनिक सामाजिक-राजनीतिक अभिजात वर्ग की अस्थायी सत्ता की तुलना में अधिक स्थिर माना जाता है।

एयर इंडिया के लोगो में महाराजा जैसे सांस्कृतिक प्रतीक इस बात को और स्पष्ट करते हैं। यह छवि किसी दासवत् दण्डवत होने का प्रतीक नहीं, बल्कि राजत्व की उस परंपरागत धारणा से जुड़ी है जिसमें संरक्षण, संरक्षणदाता-भाव और शासक तथा प्रजा के बीच पारस्परिक दायित्व पर बल दिया जाता था। लोकप्रिय कल्पना में इसका टिके रहना सामाजिक-राजनीतिक ऊंच-नीच का समर्थन नहीं अपितु सांस्कृतिक स्मृति की निरंतरता को दर्शाता है।

इसलिए पारंपरिक उपाधियों के प्रयोग को झूठी चेतना या आंतरिक दासता का प्रमाण नहीं समझना चाहिए। इसके बजाय यह अतीत से निरंतरता बनाए रखने का स्वैच्छिक प्रयास है, जिसके माध्यम से लोग आधुनिक राजनीतिक सत्ता की नैतिक और सांस्कृतिक उथलापन से असंतोष भी व्यक्त करते हैं।

राष्ट्रदूत के 20 जनवरी 2026 के अंक में प्रकाशित राजेन्द्र बोडा, अतिथि संपादक के संपादकीय पर प्रतिक्रिया प्राप्त हुई, जो अतिथि संपादक के रूप में प्रकाशित की जा रही है।

यह दृष्टिकोण सामंतवाद का महिमामंडन करने या उसकी असमानताओं को अनदेखा करने का आग्रह नहीं करता, बल्कि यह कहता है कि सामंत संस्थाओं को उनके ऐतिहासिक संदर्भ में समझा जाए

यह भी समझना आवश्यक है कि सामंत प्रतीक केवल पूर्वशाही परिवारों की उपाधियों तक सीमित नहीं हैं। वे राजस्थान की ऐतिहासिक पहचान और वैश्विक प्रस्तुति को आकार देने वाली भौतिक, सांस्कृतिक और संस्थागत विरासतों के व्यापक दायरे में फैले हुए हैं। उदाहरण के लिए राजस्थान के छह पहाड़ी किले, जो यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल हैं, केवल स्थापत्य अवशेष नहीं, बल्कि पूर्व-आधुनिक राजनीतिक संगठन, सैन्य रणनीति और सांस्कृतिक संरक्षण के स्थायी प्रतीक हैं।

इसी प्रकार जयपुर शहर, जिसे यूनेस्को ने प्रारंभिक आधुनिक शहरी नियोजन का उत्कृष्ट उदाहरण माना है, प्रत्यक्ष रूप से राजकीय पहल और शासकीय स्थापत्य दृष्टि से उत्पन्न हुआ। इसकी योजनाबद्ध ग्रिड संरचना, नागरिक स्थल और खगोलीय-प्रशासनिक सिद्धांतों का समन्वय इस धारणा को चुनौती देता है कि रियासती राज्य स्वभावतः जड़ और पिछड़े थे।

भाषायी और साहित्यिक परंपराएँ भी सामंतवाद की आलोचना को जटिल बनाती हैं। राजस्थानी भाषा और उसकी बोलियाँ दरबारी और प्रशासनिक संदर्भों में विकसित और मानकीकृत हुईं। डिंगल और पिंगल साहित्य, जिसे आधुनिक इतिहासलेखन में अक्सर उपेक्षित किया जाता है, वह राजकीय संरक्षण से समृद्ध हुआ और उत्तर भारतीय साहित्यिक परंपरा में योगदान दिया। इसी प्रकार राजस्थानी चित्रकला की प्रसिद्ध परंपराएँ भी अभिजात और राजकीय संरक्षण की देन हैं, जिन्हें आज विश्वभर के संग्रहालयों और अकादमिक जगत में सराहा जाता है।

यहाँ एक वैचारिक विरोधाभास उभरता है। जब राज्य और राष्ट्र स्वयं इन सांस्कृतिक प्रतीकों को धरोहर पर्यटन, राष्ट्रीय ब्रांडिंग और सॉफ्ट पावर के लिए उपयोग करते हैं, तब उन्हीं प्रतीकों को संरक्षित करने वाले सामंत वर्ग को नैतिक रूप से खारिज करना विश्लेषणात्मक रूप से असंगत प्रतीत होता है। यह दृष्टिकोण सामंतवाद का महिमामंडन करने या उसकी असमानताओं को अनदेखा करने का आग्रह नहीं करता, बल्कि यह कहता है कि सामंत संस्थाओं को उनके ऐतिहासिक संदर्भ में समझा जाए और उनकी सांस्कृतिक उपलब्धियों का मूल्यांकन उनकी सीमाओं के साथ किया जाए, न कि आधुनिक मापदंड से उन्हें एकरेखीय रूप से खारिज किया जाए।

लेखक लोकप्रिय संस्कृति में राजसी ठाठ-बाट के चित्रण से असहज महसूस करते हैं, लेकिन यह स्वीकार नहीं करते कि ऐसी प्रस्तुतियाँ आधुनिक पूंजीवादी बाजार की उपज हैं, न कि सामंती स्मृति की। क्या बिकता है, यह बाजार तय करता है, न कि भूतपूर्व राजपरिवार । यह प्रवृत्ति केवल भारत तक सीमित नहीं है। विश्वभर में ऐतिहासिक और राजसी ड्रामा लोकप्रिय हैं– डाउनटन एबे से द क्राउन तक और गेम ऑफ थ्रोन्स से द ट्ययूडर्स तक। उनका आकर्षण सत्ता समर्थन नहीं, बल्कि दृश्यात्मक भव्यता और कथा-निर्माण में है। विश्व भर में जापान, यूनाइटेड किंगडम, स्पेन, नॉर्वे, स्वीडन जैसे प्रगतिशील देशों में संवैधानिक राजतंत्र हैं। जबकि भारत में राजकीय उपाधियाँ केवल सांस्कृतिक हैं, क्योंकि राजाओं ने स्वेच्छा बदलते राजनैतिक परिवेश को देख भारत में राजनैतिक विलय करके अपनी राजनैतिक व्यवस्था को लोकतांत्रिक व्यवस्था में परिवर्तित करने में सहयोग किया। किन्तु क्या आधुनिक जोधपुर में गजसिंघजी या आधुनिक जयपुर में ब्रिगेडियर भवानी सिंघजी के योगदान को नकारा जा सकता है ? यह चिंता कि दर्शक राजसी सौंदर्यशास्त्र से मोहित हो जाएंगे, दर्शकों को कमतर बुद्धिमान मानने की पितृसत्तात्मक धारणा पर आधारित है, मानो वे इतिहास, कल्पना और राजनीतिक समर्थन में फर्क नहीं कर सकते।

लेख का मूल स्वर एक विशिष्ट वर्ग के प्रति वैचारिक शत्रुता से प्रेरित लगता है। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल द्वारा किसी व्यक्ति को पूर्वशासक कहने जैसी सामान्य सांस्कृतिक औपचारिकता को लेखक ने लगभग संवैधानिक संकट जैसा बना दिया जो वास्तव में पिज़्ज़ा पर विवादित टॉपिंग जितना ही गंभीर मुद्दा था। अंततः यह लेख गंभीर वैचारिक व सांस्कृतिक आलोचना से अधिक वैचारिक अतिरेक का अभ्यास प्रतीत होता है, जहाँ ऐतिहासिक संदर्भों के सामान्य उल्लेख को सभ्यतागत पतन के संकेत के रूप में प्रस्तुत किया गया है। कथित खतरे और वास्तविक घटना के बीच असंगति इतनी स्पष्ट है कि यदि लेख से गंभीरता का आवरण हटा दिया जाए, तो यह ज़ेनोफोबिया से उपजी एक हास्यास्पद अतिशयोक्ति भर है ।

– अतिथि संपादक
एल के सिंह,
(डॉक्टर और सामाजिक टिप्पणीकार)

परीक्षा की शुचिता बनाम कक्षा की गुणवत्ता: डिजिटल निगरानी का असंतुलन और प्रस्तावित समाधान

प्रो.अशोक कुमार

भारतीय उच्च शिक्षा व्यवस्था आज एक अजीबोगरीब दौर से गुजर रही है। एक ओर हम डिजिटल इंडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बातें करते हैं, वहीं दूसरी ओर हमारी पूरी प्रशासनिक मशीनरी आज भी इस बात पर केंद्रित है कि छात्र परीक्षा के तीन घंटों में नकल न कर पाए। विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में सीसीटीवी कैमरों का जाल बिछाया गया है, फ्लाइंग स्क्वायड तैनात किए जाते हैं और आधुनिक तकनीकों का प्रयोग केवल दंडात्मक उद्देश्यों के लिए किया जाता है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या केवल परीक्षा की निगरानी कर लेने से शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित हो जाएगी?

सच तो यह है कि परीक्षा की शुचिता की चिंता तब की जाती है जब कक्षा की गुणवत्ता दम तोड़ चुकी होती है। यदि छात्र को साल भर गुणवत्तापूर्ण शिक्षण नहीं मिला, तो वह परीक्षा में अनैतिक रास्तों की ओर मुड़ता ही है। यह लेख इस बात की वकालत करता है कि तकनीक का उपयोग केवल परीक्षा केंद्रों पर नहीं, बल्कि साल भर चलने वाली कक्षाओं में विकासात्मक रूप से किया जाना चाहिए।

दंडात्मक तकनीक बनाम विकासात्मक तकनीक

वर्तमान में हमारी शिक्षा व्यवस्था में तकनीक का उपयोग 'पुलिसिंग' जैसा है। हम छात्र को पकड़ने के लिए तकनीक पर भारी निवेश करते हैं, लेकिन उसे सिखाने के लिए नहीं। हम परीक्षा हॉल में उच्च क्षमता वाले कैमरे लगाते हैं, लेकिन उन्हीं कैमरों को कक्षा में लगाने से कतराते हैं जहाँ वास्तव में भविष्य गढ़ा जाता है।

यह उपचार पर ध्यान देने जैसी स्थिति है, जबकि आवश्यकता निवारण की है। यदि साल भर चलने वाली 1000 घंटों की कक्षाओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित हो जाए, तो परीक्षा के उन 3 घंटों में किसी सीसीटीवी की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी। तकनीक का असली लाभ तब है जब वह शिक्षण पद्धति को पारदर्शी और जवाबदेह बनाए।

स्मार्ट क्लासरूम ऑडिट सिस्टम: एक क्रांतिकारी समाधान

शिक्षा में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने के लिए "स्मार्ट क्लासरूम ऑडिट सिस्टम" एक प्रभावी समाधान हो सकता है। इसके मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं:–

1. लाइव लर्निंग डैशबोर्ड

केवल रिकॉर्डिंग के बजाय, कक्षाओं को एक लाइव डैशबोर्ड से जोड़ा जाना चाहिए। इससे विश्वविद्यालय प्रशासन या उच्च शिक्षा निदेशालय वास्तविक समय में यह देख सकेगा कि किस कॉलेज में कौन सी कक्षा संचालित हो रही है। यह केवल निगरानी नहीं, बल्कि एक शैक्षिणक इन्वेंट्री होगी जो बताएगी कि संसाधनों का कितना उपयोग हो रहा है।

2. संसाधनों का इष्टतम उपयोग और प्रशासनिक जिम्मेदारी

सरकारें करोड़ों रुपये खर्च करके कॉलेजों में स्मार्ट बोर्ड, प्रोजेक्टर और लैब स्थापित करती हैं। अक्सर देखा गया है कि ये संसाधन धूल फांकते रहते हैं या केवल निरीक्षण के दिन ही बाहर निकलते हैं। डिजिटल ऑडिट के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सरकारी धन का उपयोग वास्तव में छात्रों के हित में हो रहा है।

3. शैक्षणिक जवाबदेही और उपस्थिति

अक्सर दूर-दराज के क्षेत्रों में शिक्षकों की अनुपस्थिति एक बड़ी समस्या है। डिजिटल निगरानी शिक्षकों को उनकी उपस्थिति और शिक्षण के प्रति जवाबदेह बनाएगी। जब शिक्षक को पता होगा कि उसकी कक्षा का ऑडिट किया जा सकता है, तो शिक्षण की गुणवत्ता और गंभीरता में स्वतः ही सुधार होगा।

डिग्री वितरण बनाम ज्ञानार्जन

वर्तमान में बिना पढ़ाई के डिग्री बांटने की जो प्रथा चल पड़ी है, उसने भारतीय युवाओं की वैश्विक साख को खतरे में डाल दिया है। जब कक्षाएं नियमित नहीं होतीं, तो छात्र केवल पास होने के लिए रट्टा मारते हैं या नकल का सहारा लेते हैं। इस प्रक्रिया में डिग्री तो मिल जाती है, लेकिन योग्यतानगण्य रह जाती है। कक्षा की डिजिटल निगरानी इस डिग्री मिल संस्कृति पर प्रभावी लगाम लगाएगी।

कार्यान्वयन के व्यावहारिक चरण

इस व्यवस्था को धरातल पर उतारने के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण की आवश्यकता है:–

क. सेंट्रल मॉनिटरिंग सेल की स्थापना: प्रत्येक विश्वविद्यालय में एक समर्पित मॉनिटरिंग सेल होना चाहिए। यह सेल रैंडम आधार पर विभिन्न कक्षाओं का लाइव ऑडिट करे। इसका उद्देश्य शिक्षकों को प्रताड़ित करना नहीं, बल्कि शैक्षणिक बाधाओं की पहचान करना होना चाहिए।

ख. फीडबैक लूप और श्रेष्ठता का सम्मान: कैमरों का उपयोग दंडात्मक न होकर एप्रिसिएशन के लिए भी होना चाहिए। बेहतरीन शिक्षण करने वाले शिक्षकों के लेक्चर को रिकॉर्ड करके अन्य कॉलेजों के साथ साझा किया जाना चाहिए। इससे एक नॉलेज बैंक तैयार होगा जिसका लाभ उन छात्रों को भी मिलेगा जिनके पास अच्छे शिक्षकों का अभाव है।

ग. डेटा गोपनीयता और सुरक्षा: यह सुनिश्चित करना अनिवार्य है कि फुटेज का उपयोग केवल और केवल शैक्षणिक सुधार के लिए हो। डेटा का किसी भी प्रकार का दुरुपयोग रोकने के लिए कड़े कानूनी और तकनीकी सुरक्षा कवच होने चाहिए।

सुरक्षा और अनुशासन का अतिरिक्त लाभ

कक्षाओं में डिजिटल निगरानी का एक और बड़ा पहलू सुरक्षा है। यह परिसर में अनुशासन बनाए रखने और रैगिंग जैसी घटनाओं को रोकने में रामबाण सिद्ध हो सकता है। छात्र और छात्राएं परिसर में सुरक्षित महसूस करेंगे, जिससे शैक्षणिक वातावरण और अधिक सकारात्मक होगा।

चुनौतियां और विरोध के स्वर

निश्चित रूप से, इस तरह के प्रस्ताव का विरोध निजता और अकादमिक स्वतंत्रता के नाम पर होगा। लेकिन यहाँ यह तर्क महत्वपूर्ण है कि एक सार्वजनिक शिक्षक का कक्षा में शिक्षण निजी कृत्य नहीं, बल्कि लोक कर्तव्य है। जब हम मेट्रो, रेलवे स्टेशन और सड़कों पर सुरक्षा के लिए कैमरों को स्वीकार करते हैं, तो राष्ट्र निर्माण के सबसे महत्वपूर्ण स्थल कक्षा में पारदर्शिता से क्यों डरते हैं?

निष्कर्ष: एक नई दिशा की ओर

"परीक्षा की पवित्रता तब तक अधूरी है, जब तक कक्षा की निरंतरता और गुणवत्ता सुनिश्चित न हो।" यदि हम परीक्षा के 3 घंटों को कैमरे की जद में रख सकते हैं, तो साल भर चलने वाली 1000 घंटों की कक्षाओं को क्यों नहीं?

डिजिटल निगरानी का असंतुलन दूर करना आज के समय की सबसे बड़ी मांग है। हमें तकनीक को केवल चेक पोस्ट की तरह नहीं, बल्कि प्रकाश स्तंभ की तरह उपयोग करना होगा। जब हमारी कक्षाएं पारदर्शी, जवाबदेह और गुणवत्तापूर्ण होंगी, तभी हम सही मायने में एक ज्ञान आधारित समाज का निर्माण कर पाएंगे। स्मार्ट क्लासरूम ऑडिट केवल एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था के कायाकल्प की एक अनिवार्य आवश्यकता है।

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

डिजिटल राजस्थान में बढ़ता अकेलापन

भूपेश दीक्षित

राजस्थान आज डिजिटल क्रांति के दौर में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 5 करोड़ से अधिक लोग इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। 'पॉपुलेशन प्रोजेक्शन फॉर इंडिया एंड स्टेट्स' रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2026 तक राजस्थान में 10 से 29 वर्ष आयु वर्ग की आबादी लगभग 3 करोड़ होगी। यह वह पीढ़ी है जिसके हाथों में प्रदेश का आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी भविष्य होगा। लेकिन डिजिटल प्रगति के इस उजले पहलू के साथ एक गंभीर चुनौती भी तेजी से उभर रही है। आज के युवा अपना अधिकांश समय स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग और स्क्रॉलिंग में बिता रहे हैं। इसका सीधा असर उनकी नींद, एकाग्रता, पढ़ाई, कार्यक्षमता और शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। डिजिटल कंटेंट कंपनियाँ ऐसे अल्गोरिथम बना रही हैं जो बच्चों और युवाओं को घंटों स्क्रीन से बांधे रखते हैं। समस्या तकनीक के उपयोग की नहीं बल्कि उसके अनियंत्रित और व्यसनी स्वरूप की है। ऑनलाइन शॉपिंग, रील्स, लाइक्स, कमेंट्स और स्टेटस अपडेट जैसी गतिविधियों ने युवाओं को आभासी दुनिया में तो जोड़ दिया है लेकिन वास्तविक समाज से दूर कर दिया है। परिणामस्वरूप अकेलापन, तनाव, अवसाद, भावनात्मक अस्थिरता और आत्महत्या के विचार तेजी से बढ़ रहे है। मानसिक स्वास्थ्य संकट अब केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं रह गया बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। राजस्थान राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2024 में प्रदेश में 5530 लोगों की मृत्यु आत्महत्या के कारण हुई यानी औसतन हर दिन लगभग 15 परिवार इस दर्द से गुजर रहे है। ये आंकड़े केवल संख्याएँ नहीं बल्कि टूटते सामाजिक ताने-बाने की चेतावनी हैं।

इसी पृष्ठभूमि में आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 एक बेहद महत्वपूर्ण संदेश देता है। सर्वेक्षण बताता है कि जिन राज्यों और उनके जिलों में जहाँ सामाजिक जुड़ाव मजबूत है जैसे– बिहार और उत्तरप्रदेश, वहाँ आत्महत्या की दर कम है। वहीं जिन राज्यों में लोग परिवार और समुदाय से भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं जैसे– केरल और तमिलनाडु, वहाँ आत्महत्या दर अधिक है। इसका स्पष्ट अर्थ है कि डिजिटल कनेक्टिविटी मानवीय रिश्तों का विकल्प नहीं बन सकती।

राजस्थान के कोटा, सीकर और जयपुर जैसे शैक्षणिक केंद्रों में लाखों विद्यार्थी घर से दूर रहकर पढ़ते हैं। उनके पास ऑनलाइन संपर्क तो है लेकिन भावनात्मक सहारे का अभाव है जो अक्सर गहरे मानसिक तनाव को जन्म देता है और जिसके दुष्परिणाम हमें आत्महत्या के रूप में हमें देखने को मिल रहे है। स्क्रीन पर मिलने वाली क्षणिक सराहना वास्तविक अपनत्व का स्थान नहीं ले सकती। इस चुनौती से निपटने के लिए केवल काउंसलिंग अथवा हेल्पलाइन पर्याप्त नहीं हैं। जरूरत है व्यापक सामाजिक और शैक्षणिक हस्तक्षेप की जैसे स्कूलों में मेंटल एंड डिजिटल वेलनेस कार्यक्रम, मेंटरशिप प्रणाली, बड्डी सिस्टम, सहपाठी सहयोग समूह, खेल-कला गतिविधियाँ और परिवारों में खुला संवाद।

समस्या के समाधान हेतु आगामी राज्य बजट में तीन ठोस प्रमाण आधारित कदम उठाए जा सकते हैं। पहला, जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का विस्तार, स्कूल-कॉलेज आधारित काउंसलिंग सेवाओं और सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों के लिए वित्तीय प्रावधान। दूसरा, मेंटल हेल्थ एंड डिजिटल वेलनेस मिशन के तहत शिक्षक प्रशिक्षण और अभिभावक जागरूकता अभियान और तीसरा, युवा साथी केंद्रों और नेहरू युवा केंद्रों को मजबूत कर सामुदायिक संवाद और परामर्श की सुविधाओं में विस्तार।

राजस्थान के पास टेली-मानस, जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, स्कूल हेल्थ प्रोग्राम और युवा साथ केंद्र जैसी व्यवस्थाएँ पहले से मौजूद हैं। आवश्यकता बस इतनी है कि नीति और बजट दोनों के केंद्र में सामाजिक जुड़ाव को प्राथमिकता दी जाए। क्योंकि जीवन बचाने का सबसे बड़ा सहारा दवाइयाँ, मोबाइल, इन्टरनेट या डिजिटल कनेक्टिविटी नहीं बल्कि मजबूत रिश्ते, सच्ची बातचीत और संवेदनशील समाज हैं। सरकार द्वारा जनहित में उठाये जाने वाले इन्ही ठोस क़दमों से आयुष्मान स्वस्थ राजस्थान और विकसित राजस्थान 2047 का सपना साकार होगा।

–भूपेश दीक्षित,
जनस्वास्थ्य विशेषज्ञ एवं संयोजक, द राजस्थान मेंटल हेल्थ एंड सुसाइड प्रिवेंशन नेटवर्क, जयपुर (राजस्थान)

खेजड़ी बचाओ आंदोलन – अनशन पर बैठे संत की तबीयत बिगड़ी

- **लोगों ने खुद को रेलिंग से बांधा; संत बोले-कानून नहीं बना तो हालत खराब कर देंगे**
- **अनिश्चितकालीन अनशन तीसरे दिन बुधवार को भी जारी रहा**

बीकानेर। खेजड़ी बचाने के लिए चल रहे आंदोलन में अनिश्चितकालीन अनशन तीसरे दिन बुधवार को भी जारी रहा। बिश्नोई धर्मशाला के सामने पब्लिक पार्क में 450 से ज्यादा पर्यावरण प्रेमी, संत और 50 महिलाएं आंदोलन में डटी हुई हैं। कुछ आंदोलनकारी खुद को लोहे की रेलिंग से बांधकर प्रदर्शन कर रहे हैं। अनशन पर बैठे धवा डोली मठ के महंत संत लाल दास की तबीयत ज्यादा खराब हो गई है। उन्हें पीबीएम हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है।

सच्चिदानंद महाराज के नेतृत्व में बड़ी संख्या संत अनशन पर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि खुद को सनातनी कहने वाली सरकार निष्ठुर बनी हुई है। अन्न-जल त्यागकर बैठे लोगों की तबीयत बिगड़ रही है। कानून नहीं बना तो हालत खराब कर देंगे। बस तारीख बता दो, आमरण अनशन खत्म कर चले जाएंगे।

अनशन के दौरान पर्यावरण प्रेमी महेंद्रकुमार आंखों पर पट्टी बांधकर बैठे हैं। उन्होंने निर्णय होने तक पट्टी न खोलने की बात कही है। आंदोलन के नेतृत्वकर्ताओं ने स्पष्ट किया है कि मांगों पर ठोस फैसला होने तक अनशन शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहेगा। कलेक्ट्रेट और बिश्नोई धर्मशाला के बाहर पुलिस के करीब डेढ़ हजार जवान कड़ी निगरानी कर रहे हैं। वहीं, बिश्नोई धर्मशाला में 100 बेड का अस्थायी अस्पताल बनाया गया है।

तबीयत बिगड़ने पर अनशनकारी मांगीलाल नोखड़ा को एम्बुलेंस से पीबीएम हॉस्पिटल ले जाते लोग। बीकानेर में कलेक्ट्रेट ऑफिस के बाहर भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात है। अन्न-जल छोड़ने से अनशनकारियों की लगातार तबीयत बिगड़ रही है। मेडिकल टीम मौके पर ही हेल्थ चेकअप कर रही है। बीकानेर में कलेक्ट्रेट ऑफिस के बाहर भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात किया गया है। संतों की तबीयत बिगड़ने के बाद प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता कर दिया है। एडिशनल एसपी (सिटी) चक्रवर्ती सिंह और एडिशनल एसपी(ग्रामीण) बनवारी लाल दोनों ही अनशन स्थल के आसपास ही तैनात हैं। एसपी कावेंद्र सिंह सागर का कहना है कि स्थिति को देखते हुए कलेक्ट्रेट और धरना स्थल पर करीब डेढ़ हजार जवानों की तैनाती की गई है।

आंदोलन से जुड़े विक्रम बिश्नोई ने बताया कि धरना स्थल पर 24 घंटे से अधिक समय से अनशनकारियों ने पानी तक नहीं पीया है। कई अनशनकारियों की उम्र 70 साल से अधिक है, ऐसे में उनकी तबीयत भी नाजुक हो गई है। संत लाल दास महाराज भी डि-हाइड्रेट होकर बेहोश हो गए थे। उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। उनका सीटी स्कैन किया जाएगा। हमें विश्वास है कि किसी के साथ कुछ गंभीर नहीं हो। धरना स्थल पर अनशनकारी मांगीलाल नोखड़ा की भी तबीयत बिगड़ गई है। उनका बीपी 300 तक पहुंच गया है। उन्हें भी एम्बुलेंस से पीबीएम हॉस्पिटल शिफ्ट किया जा रहा है। अनशनकारियों की संख्या को देखते हुए बिश्नोई धर्मशाला में ही एक अस्थायी अस्पताल बनाया गया है। चिकित्सा विभाग के संयुक्त निदेशक देवेंद्र चौधरी ने बताया- 100 बेड का हॉस्पिटल यहां तैयार किया जा रहा है। अब तक 50 से ज्यादा बेड लग चुके हैं। सीएमएचओ डॉ. पुखराज साध का कहना है कि सभी मरीजों को चेक किया जा रहा है। जिनकी जरा भी तबीयत कमजोर लग रही है, उन्हें भर्ती किया जा रहा हैं।

फलोदी जिले से आए श्यामलाल का कहना है कि मैंने जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति को पत्र भेजा है। पत्र में लिखा है कि मेरे समाज के संत आमरण अनशन पर बैठे हैं। यह मुझसे देखा नहीं जाता है। मैं राष्ट्रपति से कहना चाहता हूं कि या तो वे संत-महात्माओं का आमरण अनशन खत्म करवाएं या फिर मुझे इच्छा मृत्यु की अनुमति दें। सरकार हमारे धैर्य की परीक्षा न ले। श्रीगंगानगर किसान संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष अमर सिंह बिश्नोई ने कहा कि गूंगी-बहरी सरकार को जगाने के लिए उन्हें यह प्रदर्शन करना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री दुनिया भर में घूमकर ग्लोबल वार्मिंग का संदेश दे रहे हैं। जब दुनिया को पर्यावरण के महत्व की जानकारी भी नहीं थी, तब यहां के लोगों ने पेड़ों की रक्षा के लिए अपने बलिदान दिए थे।

प्रशासन किसी स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट मोड है। अनशन पर बैठे लोगों की तबीयत लगातार बिगड़ रही है। मेडिकल टीम मौके पर ही स्वास्थ्य जांच कर रही है।

राशिफल

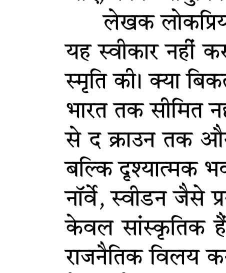

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 5 फरवरी, 2026

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 10:57 तक, सुकर्मा योग रात्रि 12:04 तक, बव करण दिन 12:16 तक, चन्द्रमा कन्या राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मकर, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज शुक्र कुम्भ राशि में रात्रि 1:11 पर प्रवेश करेगा। आज चतुरथी व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 9:41 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:36 तक, चर 11:19 से 12:41 तक, लाभ-अमृत 12:41 से 3:24 तक, शुभ 4:46 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:14, सूर्यास्त 6:07

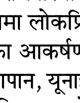

मेष
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा।

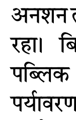

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

मिथुन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

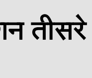

कर्क
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

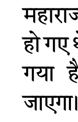

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होंगे।

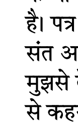

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में आज उचित सफलता मिलेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

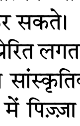

तुला
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में वृद्धि हो सकती है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

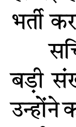

वृश्चिक
आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

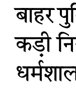

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

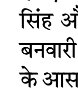

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

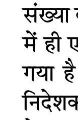

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक/पारिवारिक खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

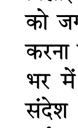

मीन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

पूर्व मंत्री शांति धारीवाल ने अभिभाषण पर चर्चा के दौरान सदन में ''गाली'' निकाली

मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने इस पर आपत्ति जताई तो सभापति ने अपशब्दों को सदन की कार्यवाही से हटवाया

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । पूर्व यूडीएच मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल ने बुधवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान सदन में ''गाली'' निकाल दी। जिस पर मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने आपत्ति जताई, इसके बाद सभापति ने उनके द्वारा बोले गए अपशब्दों को सदन की कार्यवाही से बाहर निकलवाया।

दरअसल धारीवाल ने राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान कहा था कि ''अगर लाखों युवाओं को स्किल ट्रेनिंग देकर रोजगार योग्य नहीं बनाया तो यह युवा आबादी चुनौती बन जाएगी।'' उनके इस बयान के बीच सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना तंज कसते हुए कहा '' इस देश में एक युवक को छोड़कर सबको रोजगार मिल गया।'' इस दौरान गर्ग को जवाब देते हुए धारीवाल ने कहा, आपकी बात आधी समझ आती है....लेकिन आधी नहीं। इसी दौरान धारीवाल ने गर्ग को संबोधित करते हुए गाली निकाल दी।

धारीवाल की बात खत्म करने के बाद सरकारी मुख्य सचेतक ने खड़े होकर आपत्ति जतायी। उन्होंने कहा कि आदत के मुताबिक धारीवाल ने आज सदन में फिर गाली दी है, उसे सदन की कार्यवाही से हटाया जाए। जिस पर सभापति ने गाली को कार्यवाही से हटाने के आदेश दिए। ज्ञात रहे कि शांति धारीवाल पहले भी सदन मं गाली दे चुके हैं, उस वक्त भारी हंगामा हुआ था और उन्हें सदन से माफी मांगनी पड़ी थी।

- इससे पूर्व धारीवाल ने प्रधानमंत्री कौशल योजना में 10 हजार करोड़ के घोटाले का आरोप लगाया।
- उन्होंने सड़कों के मामले में पीडब्ल्यूडी मंत्री दीया कुमारी द्वारा सदन में दिए गए जवाब में भी झूठ बोलने के आरोप लगाए

इससे पहले शांति धारीवाल ने जहां प्रधानमंत्री कौशल योजना में 10 हजार करोड़ के घोटाले का आरोप लगाया। वहीं सड़कों के मामले को लेकर पीडब्ल्यूडी मंत्री दीया कुमारी पर भी सदन में झूठ बोलने के आरोप लगाए।

धारीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री कौशल योजना को लेकर सीएजी ने संसद में अपनी रिपोर्ट पेश की है जिसमें 10 हजार करोड़ के घोटाले की बात कही है।

रिपोर्ट में एक करोड़ 32 लाख में से 95 प्रतिशत लाभार्थी फर्जी पाए गए है। धारीवाल ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने अपने कार्यकर्ताओं से फर्जी स्किल सेंटर खुलवा दिए हैं, इसलिए घोटाला किया गया है। बैंक खातों का कोई विवरण नहीं है, फर्जी फोटो और फर्जी फिंगरप्रिंट और एक मोबाइल नंबर से लाखों लोगों को भुगतान किया गया है। धारीवाल ने कहा कि जिन युवाओं ने आपको सत्ता में बैठाया है, कल वही आपके लिए चुनौती बन सकते है।

हमारे कार्यकाल में 70 हजार किमी सड़कें बनीं

शांति धारीवाल ने कहा कि पीडब्ल्यूडी मंत्री दीया कुमारी ने सदन में कहा है कि कांग्रेस के 5 साल के शासन में 13,160 किलोमीटर सड़कें बनी है, जबकि पीडब्ल्यूडी की एनुअल प्रोग्रेस रिपोर्ट जो 2024-25 में आई थी, उसमें पेज नंबर 12 पर लिखा है कि कांग्रेस के शासन में 70 हजार किलोमीटर से भी ज्यादा सड़कें बनाई गई है। धारीवाल ने कहा कि पीडब्ल्यूडी मंत्री ने सदन में झूठ बोला है।

धारीवाल ने कहा कि भाजपा के 2 साल के शासन में 14,800 किलोमीटर की सड़क बनाने की बात कही गई है, जबकि हमारी सरकार के दो साल के शासन में ही 23 हजार 585 किलोमीटर सड़क बन चुकी है। यह भी पीडब्ल्यूडी की एनुअल प्रोग्रेस रिपोर्ट में लिखा हुआ है। इस तरह से झूठे भाषण सदन में नहीं देना चाहिए था।

नाम हटाने से विचारधारा खत्म नहीं होगी

धारीवाल ने कहा कि भाजपा की सरकार ने एक-एक करके हमारी सारी योजनाओं के नाम बदल दिए हैं और अपनी उपलब्धि बता रहे है। हमने जो योजनाएं शुरू की थीं, उन्हें आगे बढ़ाने की जरूरत थी, क्योंकि वो गरीबों, छात्रों और मजदूर किसानों के हित की योजनाएं थी। मनरेगा में ग्राम सभा का अधिकार केंद्र सरकार ने छीन लिया है।

शांति धारीवाल ने कहा कि नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी को दुनिया से हटाया, लेकिन केंद्र सरकार ने अहिंसा के आविष्कार करने वाले महात्मा गांधी का नाम ही योजनाओं से हटाना शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा कि ''महात्मा गांधी का नाम दुनिया की जबान, दुनिया के दिल और दुनिया के दिमाग से नहीं निकाल पाओगे। महात्मा गांधी की मूर्तियां 80 देशों में लगी हुई हैं, लाखों की तादाद में लोग उनके दर्शन करने आते है।''

ग्राम उत्थान शिविरों में अब तक 77 लाख प्रकरण निस्तारित

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयास धरातल पर हो रहे साकार

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में ग्रामीणों तक सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित ग्राम उत्थान शिविरों में अब तक आमजन की 77 लाख से अधिक समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया है। अब 5 से 9 फरवरी तक ग्राम उत्थान शिविर का द्वितीय चरण शुरू किया जाएगा।

गत 23 जनवरी (बंसत पंचमी) से प्रदेश के प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर इन शिविरों क शुरुआत की गई थी और इनसे किसान, पशुपालक, महिला एवं श्रमिक सहित विभिन्न वर्गों को एक ही छत के नीचे योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इससे प्रशासन और आमजन के बीच की दूरी कम हुई है और आत्मनिर्भर एवं सशक्त ग्रामीण राजस्थान को गति मिली है।

इन शिविरों के तहत अब तक पूरे प्रदेश में एक हजार 512 शिविर लगाकर ग्रामीणों को राहत दी गई है। अब तक इन शिविरों में 13 लाख 91 हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। जिसमें 9 लाख 17 हजार पुरूष एवं 4 लाख 12 हजार महिलाएं शामिल हैं। प्रत्येक

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

गिरदावर सर्किल पर आयोजित इन शिविरों में करीब 13 विभागों की विभिन्न सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही है, जिससे ग्रामीणों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े।

शिविरों में किसानों, पशुपालकों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। किसानों को 98 हजार 299 से अधिक सॉइल हेल्थ कार्ड और 55 हजार 886 स्वामित्व कार्ड का वितरण किया गया है। पशुपालकों के लिए भी इन शिविरों में अनेक कार्य करवाए जा रहे हैं। इन शिविरों में

- 5 से 9 फरवरी तक ग्राम उत्थान शिविर का द्वितीय चरण होगा

मंगला पशु योजना के तहत 92 हजार पशुपालकों का पंजीकरण किया गया तथा 5 लाख 11 हजार पशुओं की प्राथमिक चिकित्सा और 77 हजार पशुओं का टीकाकरण किया गया है। शिविरों में पीएम सूर्य घर योजना के तहत 28 हजार 908 पंजीकरण तथा फार्मर रजिस्ट्री के 14 हजार 430 पंजीकरण किए गए हैं। शिविरों में फार्म पौंड, तारबंदी, पाईपलाइन के आवेदन, प्राथमिक डेयरी सहकारी समिति और डेयरी सहकारी समितियों का पंजीकरण, नहरों एवं खालों की मरम्मत, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जल संरक्षण का प्रचार-प्रसार, कृषि योजनाओं की जानकारी, मिनी किट वितरण का सत्यापन, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, युवा स्वरोजगार योजना, ड्रिप, फव्वारा संयत्र, प्लास्टिक मल्च के आवेदन सहित डेयरी, ग्रामीण विकास, जल संसाधन, उद्योग, ऊर्जा, राजस्व सहित विभिन्न विभागों की सेवाएं एवं योजनाओं के कार्य कराए जा रहे हैं।

''खेजड़ी बचाओ'' आंदोलन का मुद्दा विधानसभा में गूंजा

कांग्रेस विधायक डूंगरराम ने कहा कि ''लाखों लोग महापड़ाव में बैठे है, 29 संत और 339 पुरूष आमरण अनशन पर हैं, इसके बावजूद राज्य सरकार ने किसी से वार्ता नहीं की।''

जयपुर (विसं)। विधानसभा में शून्यकाल में पर्ची के जरिए मामला उठाते हुए कांग्रेस विधायक डूंगर राम गेदर ने कहा कि प्रदेश में पर्यावरण बचाओ, खेजड़ी बचाओ समिति बिश्नोई समाज की अगुवाई में पिछले दो साल से बीकानेर में आंदोलनरत है, लेकिन खेजड़ी की अंधाधुंध कटाई उसके बावजूद भी हो रही है। खेजड़ी राज्य वृक्ष है, इसे बचाने के लिए सख्त कानून बनाए जाने की जरूरत है। गेदर ने कहा कि सरकार को पता था इसके बावजूद आंदोलनकारियों से कोई बातचीत नहीं की।

लाखों लोग महापड़ाव में आए। आज तीसरे दिन भी 29 संत अन्न, जल त्याग कर आमरण अनशन पर बैठे हैं। करीब 339 पुरुष अन्न,जल त्याग कर बीकानेर में आमरण अनशन पर बैठे हैं। तीन धरनार्थियों की तबीयत खराब हो चुकी है, कोई सरकार का प्रतिनिधि वहां पर नहीं गया। इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि साधु संत धरने पर बैठे हैं। सरकार की इतनी नैतिकता तो होनी चाहिए कि उनसे बातचीत करें। खेजड़ी राज्य वृक्ष नहीं देव वृक्ष भी है, लोग पूजते हैं। आप लोगों ने आंखें बंद कर रखी है। कांग्रेस विधायक डूंगरराम गेदर ने कहा कि 10 नवंबर 2024 को जब बिश्नोई समाज ने राष्ट्रीय स्तर पर खेजड़ी बचाने के लिए महापड़ाव डाला था। उस समय खींवसर का उपचुनाव था। सरकार को लगा कि खींवसर का चुनाव हार रहे हैं, इसलिए 9 नवंबर 2024 को कुचेरा में बिश्नोई समाज के साधु संतों के साथ मुख्यमंत्री की मीटिंग हुई। खेजड़ी पर सख्त कानून बनाने का आश्वासन दिया गया। चुनाव निकल गया, चुनाव जीत लिया, मुद्दे को जुमले की टोकरी में डाल दिया गया, कानून क्या बनाना था।विधायक डूंगरराम ने कहा कि, एक साल बाद संसदीय कार्य मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पेड़ काटने पर 100 रुपए के जुर्माने को बढ़ाकर 1000 रुपए कर दिया जाएगा। इसके अलावा वन विभाग की लकड़ी काटने पर जो 6 महीने की सजा थी, उसकी जगह मात्र 5000 रुपए जुर्माना कर दिया जाएगा, जिससे उद्योगपतियों को खेजड़ी काटने की और आसानी से परमिशन मिल गई। आप उद्योगपतियों के आगे इतना झुकते क्यों हैं?

- नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी कहा कि ''साधु संत धरने पर बैठे हैं, सरकार की इतनी नैतिकता तो होनी चाहिए कि उनसे बातचीत करें''

डॉ. लीलाधर दोचानिया के कविता संग्रह का विमोचन कल

जयपुर। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सेवानिवृत उप निदेशक डॉ. लीलाधर दोचानिया के नव प्रकाशित कविता संग्रह ''जिन्दगी मुस्कुराते रहे'' का विमोचन शुक्रवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में होगा। विमोचन वरिष्ठ साहित्यकार और लेखक त्रिलोक चंद कौशिक करेंगे। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित साहित्य संगीत और चित्रकला के त्रिआयामी उत्सव पिंकफेस्ट के दौरान महाराष्ट्र के वरिष्ठ साहित्यकार मनीषा खटाते सहित विभिन्न स्थानों के अनेक लेखक भाग लेंगे। संयोजन सीमा वालिया करेंगी।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के प्रति भारी उत्साह

- 10 दिनों में ही 5 हजार से अधिक लोगों ने किया आवेदन
- योजना में 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण
- 50 हजार रुपये तक मार्जिन मनी का प्रावधान

जयपुर (कासं)। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के प्रति लोगों में भारी उत्साह है। करीब 10 दिनों में ही 5 हजार से अधिक प्राप्त हुए हैं। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के एक लाख युवाओं को स्वयं का उद्योग स्थापित करने में आर्थिक सहायता प्रदान करना है। इसके तहत विनिर्माण, सेवा एवं व्यापार सेक्टर में सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के लिए 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा शत-प्रतिशत ब्याज का पुनर्भरण किया जाएगा। साथ ही, 50 हजार रुपये तक की मार्जिन मनी और सीजीटीएमएसई (सूक्ष्म और लघु उद्यम क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट) शुल्क के पुनर्भरण का भी प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 12 जनवरी को इस योजना का शुभारंभ किया था और 15 जनवरी को विभाग द्वारा गाइडलाइन जारी की गई थी।

उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त सुरेश कुमार ओला ने बताया राज्य के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना के प्रति युवाओं की बेहतर प्रतिक्रिया रही है। अब तक 5,089 लोगों ने आवेदन किया है, 22 जनवरी को आवेदन शुरू किए गए थे। जिला महाप्रबंधकों द्वारा इन आवेदनों की जांच कर ऋण स्वीकृति और वितरण के लिए शीघ्र ही बैंकों को अग्रेषित किए जाएंगे।

जयपुर जिले में सर्वाधिक 385 आवेदन

जयपुर जिले में सर्वाधिक 385 आवेदन प्राप्त हुए हैं। साथ ही, चूरू, बीकानेर, टोंक, और हनुमानगढ़ जिलों में 200 से अधिक आवेदन आए हैं। बूंदी, सीकर, श्रीगंगानगर, जोधपुर, दौसा, डीडवाना कुचामन, बारां, झुंझुनूं, नागौर, भीलवाड़ा, अजमेर, झालावाड़, भरतपुर, बाड़मेर, सवाई माधोपुर, कोटा, करौली, पाली और अलवर जिले ऐसे हैं, जहां 100 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं।ज्ञात रहे कि इस योजना में 8वीं से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को सेवा एवं व्यापार क्षेत्र के लिए 3.5 लाख रुपये एवं मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए 7.5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, अधिकतम 35 हजार रुपये की मार्जिन मनी भी दी जाएगी। स्नातक, आईटीआई और अधिक शैक्षिणक योग्यता वाले आवेदकों को सेवा एवं व्यापार क्षेत्र के लिए 5 लाख रुपये तथा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, 50 हजार रुपये तक की मार्जिन मनी भी दी जाएगी।

भजनलाल सरकार ने मजबूत की प्रदेश में महिला सुरक्षा : बेढ़म

जयपुर । राजस्थान 16वीं विधानसभा के पंचम सत्र के दौरान बुधवार को विधानसभा परिसर में मीडिया से रूबरू होते हुए गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने प्रदेश में महिला अपराधों की स्थिति, कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा को लेकर सरकार की कार्यप्रणाली पर विस्तृत जानकारी दी। मंत्री बेढ़म ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में कानून-व्यवस्था में सुधार हुआ है और अपराधों में कमी देखने को मिली है।

गृह राज्य मंत्री ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 2019 में महिला अत्याचार के 41 हजार 155 प्रकरण दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष 2023 में यह संख्या 42 हजार 174 रही।

इसके बाद वर्तमान सरकार के कार्यकाल में प्रभावी पुलिस कार्रवाई और संवेदनशील प्रशासनिक व्यवस्था के कारण वर्ष 2024 में प्रकरण घटकर 37 हजार 700 रह गए तथा वर्ष 2025 में 37 हजार 981 प्रकरण दर्ज हुए।

उन्होंने कहा कि यह कमी पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, त्वरित अनुसंधान और सरकार की प्राथमिकताओं का परिणाम है।

उन्होंने बताया कि अनुसंधान अधिकारियों को 60 दिवस की निर्धारित अवधि में जांच पूरी कर न्यायालय में पेश करने के निर्देश हैं।

थाईलैंड की राजकुमारी 6 से 10 फरवरी तक रहेंगी राजस्थान प्रवास पर

मुख्य सचिव ने की रॉयल थाई एम्बेसी की एम्बेसडर चवनार्ट थांगसुमफैंट के साथ तैयारियों की समीक्षा

जयपुर (कासं)। थाईलैंड की राजकुमारी प्रिंसेस सिरिवन्नावरी नारिरताना राजकन्या 6 से 10 फरवरी तक राजस्थान प्रवास पर रहेंगी। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने उनकी यात्रा प्रवास को लेकर बुधवार को शासन सचिवालय में रॉयल थाई एम्बेसी की एम्बेसडर चवनार्ट थांगसुमफैंट सहित थाई एम्बेसी और विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की।

मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान की पूरे विश्व में अतिथि देवो भवः की परंपरा की अपनी अनूठी पहचान है। ऐसे में प्रिंसेस सिरिवन्नावरी नारिरताना राजकन्या की मेहमान नवाजी का अवसर मिलना राज्य के लिए हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि थाई राजकुमारी का यह दौरा भारत-थाईलैंड संबंधों में और अधिक गहरे सामरिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को प्रोत्साहित करेगा।

मुख्य सचिव ने प्रिंसेस की यात्रा के दौरान पुलिस तैयारियों, सुरक्षा इंतजामों, यातायात व्यवस्था, प्रोटोकॉल, संबंधी समस्त पहलूओं की विस्तृत समीक्षा की। प्रिंसेस सिरिवन्नावरी नारिरताना राजकन्या अपने प्रवास के दौरान जयपुर एवं जोधपुर का भ्रमण करेंगी। जयपुर में वे आमेर किला, हवामहल, सिटी पैलेस, त्रिपोलिया बाजार सहित अन्य प्रमुख ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का अवलोकन करेंगी। इसके पश्चात जोधपुर में मेहरानगढ़ किला, उम्मेद भवन पैलेस, जसवंत थड़ा सहित अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण प्रस्तावित है। इस दौरान उन्हें राजस्थान की समृद्ध हस्तशिल्प कला, शिल्पकला, संस्कृति, विरासत एवं पारंपरिक आतिथ्य से भी अवगत कराया जाएगा। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, पर्यटन, कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग नवीन जैन, महानिदेशक पुलिस, (कानून एवं व्यवस्था) संजय कुमार अग्रवाल, जयपुर संभागीय आयुक्त पूनम, आयुक्त पर्यटन विभाग रूक्मणि रियार, जयपुर कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के साथ थाई एम्बेसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इनके साथ ही पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, जोधपुर संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, जोधपुर कलेक्टर गौरव गोयल, जोधपुर पुलिस आयुक्त ओम प्रकाश वीसी के माध्यम से बैठक से जुड़े।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने थाईलैंड की राजकुमार के राजस्थान यात्रा प्रवास को लेकर बुधवार को सचिवालय में बैठक ली। उन्होंने रॉयल थाई एम्बेसी की एम्बेसडर चवनार्ट थांगसुमफैंट सहित थाई एम्बेसी और विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ तैयारियों पर चर्चा की।

103 किलो मूंगफली तेल सीज, एक क्विंटल अवधिपार खाद्य सामग्री को मौके पर नष्ट कराया

कार्यवाही के दौरान 1 क्विंटल के लगभग अवधिपार मिली खाद्य सामग्री जिसमें सॉस, मसाले, चाय पत्ती शामिल है नष्ट करवाये गये

भीम में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए खाद्य सुरक्षा दल।

- **15 लीटर अवधिपार कॉल्ड ड्रिंक को भी करवाया नष्ट**
- **भीम में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत बडी कार्यवाही**

राजसमंद, (कासं)। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के अन्तर्गत खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला के आदेशों पर सीएमएचओ डॉ. हेमन्त कुमार बिन्दल के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा दल द्वारा भीम में बडी कार्यवाही कर 103 किलो मुंगफ ली का तेल को मौके पर सीज किया गया तथा कार्यवाही के दौरान 1 क्विंटल के लगभग अवधिपार मिली खाद्य सामग्री जिसमें सॉस, मसाले, चाय पत्ती शामिल है नष्ट करवाये गये।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रेमचन्द शर्मा ने बताया कि भीम क्षेत्र में कमलेश किराणा एंड जनरल स्टोर से मूंगफ ली के तेल का एक नमुना लिया गया तथा लगभग 103 किलोग्राम मूंगफ ली के तेल को मौके पर सीज किया गया। उक्त फ र्म पर अवधि पार 30 किलोग्राम के लगभग सॉस तथा मसालो को भी मौके पर ही नष्ट करवाया गया।

टीम ने भीम रोडवेज बस स्टेंड रोड स्थित नाकोडा स्वीट्स एण्ड किराणा स्टोर से मुंग दाल तथा मसूर की दाल का एक नमुना लिया तथा लगभग 15 लीटर अवधिपार कोल्ड ड्रिंक को नष्ट करवाया। टीम ने भीम हॉस्पीटल रोड स्थित गोपालदास लीलाराम किराणा स्टोर का निरीक्षण किया जहां खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत सरसों तेल का नमुना लिया गया तथा निरीक्षण के दौरान अवधि पार तेल, चाय पत्ती, नमक, मसाले तथा अन्य खाद्य सामग्री लगभग 70 किलोग्राम को मौके पर ही नष्ट करवाया गया।

उन्होंने बताया कि लिए गये खाद्य पदार्थो के नमुनो को जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला उदयपुर में भिजवाया जायेगा तथा जांच रिपोर्ट आने पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रेमचन्द शर्मा, प्रशिक्षु खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेन्द्र डांगी तथा सहायक महेन्द्र सिंह शामिल थे। सीएमएचओ डॉ. हेमन्त कुमार बिन्दल ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशो पर शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रो में नियमित कार्यवाही की जायेगी।

पुलिस के सर्जिकल स्ट्राइक में मध्यप्रदेश की ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड

- **तलाशी के दौरान पिकअप में घरेलू सामान के नीचे छिपाए गए 6 ड्रम बरामद हुए। इनमें 2-ब्रोमो 4-मिथाइल प्रोपियोफेनोन नामक केमिकल भरा था, जिसका उपयोग एमडी जैसी खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स बनाने में किया जाता है**

जयपुर। झालावाड़ पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मध्य प्रदेश में चल रही ड्रग्स फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। डीआरआई जयपुर के इनपुट पर की गई इस संयुक्त कार्यवाही में पुलिस ने 320.72 किलोग्राम संदिग्ध केमिकल और पिकअप व महिंद्रा टीयूवी जब्त कर 5 तस्करों को डिटेन किया है।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि मंगलवार 3 फरवरी की रात को झालरापाटन थानाधिकारी अल्का और डीएसटी प्रभारी मोहन लाल के नेतृत्व में टीमों ने ग्रोथ सेंटर चौराहे पर खड़ी संदिग्ध पिकअप और महिंद्रा टीयूवी को चैक किया।

तलाशी के दौरान पिकअप में घरेलू सामान के नीचे छिपाए गए 6 ड्रम बरामद हुए। इनमें 2-ब्रोमो 4-मिथाइल प्रोपियोफेनोन नामक केमिकल भरा था, जिसका उपयोग एमडी जैसी खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स बनाने में किया जाता है।

प्रारंभिक पूछताछ में पकड़े गए तस्करों दीपक (30), जितेंद्र सिंह (41) और शैलेंद्र विलाला (26) निवासी आगर मालवा मध्य प्रदेश ने खुलासा किया कि वे यह केमिकल ट्रांसपोर्ट के जरिए महाराष्ट्र से कोटा मंगवाया था। वहां से इसे किराये की पिकअप में भरकर मध्य प्रदेश के आगर में जयनारायण उर्फ मामू को डिलीवरी देने जा रहे थे। इस सूचना पर पुलिस ने तत्काल मध्य प्रदेश के सुसनेर में दबिश देकर मुख्य रिसीवर जयनारायण मामू और उसके साथी रामलाल को भी दबोच लिया।

मामू से कड़ी पूछताछ के बाद पुलिस राजगढ़ जिले के माचलपुर पहुंची। हालांकि मुख्य सरगना रघुनंदन पाटीदार अपनी कार लेकर फरार हो गया, लेकिन जब पुलिस ने उसके घर पर दबिश दी तो वहां पूरी ड्रग्स फैक्ट्री संचालित होती मिली। मौके से भारी मात्रा में ड्रग्स बनाने के उपकरण और अन्य केमिकल बरामद किए गए। इस कार्यवाही में मध्य प्रदेश की आगर और राजगढ़ पुलिस का विशेष सहयोग रहा।

इस पूरे ऑपरेशन में डीआरआई जयपुर के इनपुट ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एसपी अमित कुमार के अनुसार आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 30 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अब पुलिस इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि यह केमिकल कहां से सप्लाई हो रहा था और इसका नेटवर्क राजस्थान व मध्य प्रदेश के किन-किन हिस्सों में फैला है।

नींव खुदाई के दौरान मिली इंसानी हड्डियां

- **पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा**

टोंक, (कासं)। निवाई के बापू नगर कॉलोनी में एक निर्माणाधीन प्लॉट की नींव खुदाई के दौरान इंसानी हड्डियां मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हड्डियों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया तथा पुलिस ने मामले में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला बुधवार को निवाई कस्बे के 80 फीट रोड स्थित बापू नगर कॉलोनी का है, जहां मजदूरों ने नींव की खुदाई के दौरान हड्डियां देखीं, जिसके बाद उन्होंने तत्काल काम रोक दिया और स्थानीय लोगों को इसकी जानकारी दी।

बाद में सूचना मिलते ही निवाई थाना पुलिस के एएसआई राजेंद्र सिंह जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने निर्माणाधीन प्लॉट को सुरक्षित कर हड्डियों को उप जिला अस्पताल निवाई भिजवाया। पुलिस उपाधीक्षक रविप्रकाश शर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हड्डियां काफी पुरानी प्रतीत हो रही हैं, उनकी वास्तविक स्थिति और समय का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा। जानकारी के अनुसार, जिस स्थान पर वर्तमान में निर्माण कार्य चल रहा है, वह पहले चरागाह भूमि थी। बाद में निवाई नगरपालिका द्वारा इसे कॉलोनी के रूप में विकसित किया गया। पुलिस सभी पहलुओं पर गौर करते हुए जांच कर रही है।

अवैध अफीम व गांजे के पौधे जब्त

उदयपुर, (कासं)। भीण्डर थाना पुलिस ने खेत मे लगे अवेध अफीम व गांजे के पौधों को जब्त कर प्रकरण दर्ज किया। भीण्डर थानाधिकारी पूनाराम गुर्जर मय टीम ने सूचना के आधार पर भीखावनिया गांव में रामदेव तिराये से महेन्द्रसिंह पुत्र भेरूसिंह के चार टुकडी खेत से अवैध मादक पदार्थ गांजा की फसल के 10 बोरो हरे पौधे कुल 369.500 किलोग्राम एवं हरे पौधे 597.880 किलोग्राम अफीम की फसल के पौधे जब्त कर प्रकरण दर्ज किया।

चाकू मारकर छोटे भाई की हत्या

- **बडा भाई, भाभी और भतीजी गिरफ्तार एक नाबालिग को किया डिटेन**

डूंगरपुर, (निसं)। दोवडा थाना पुलिस ने छोटे भाई की हत्या के आरोप में बडे भाई, भाभी और भतीजी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने आपसी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया था। यह घटना 30 जनवरी को पाल कोलखंडा में हुई थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पाल कोलखंडा निवासी हितेश परमार ने पुलिस में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि हरीश परमार और उसके परिवार के सदस्यों ने मिलकर अपने छोटे भाई देवीलाल के पेट में चाकू घोंप दिया था। हमले में देवीलाल गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही बेहोश हो गया था। आरोपियों ने हितेश परमार पर भी चाकू से हमला किया था। घायल देवीलाल को डूंगरपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। दोवडा थाने के थानाधिकारी ने बताया कि जांच के बाद पुलिस ने बडे भाई हरीश परमार भाभी चंदू देवी परमार और भतीजी अंजना परमार को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपी पाल कोलखंडा के निवासी हैं। इसके अतिरिक्त एक नाबालिग को भी इस मामले में डिटेन किया गया है।

खस्ताहाल महिला स्नानघर का भीण्डर क्लब ने बदला स्वरूप

भीण्डर क्लब की पहल के बाद बदला स्वरूप।

- **मरम्मत, रंगरोगन व जलापूर्ति दुरुस्त, नगर पालिका का भी रहा सहयोग**

भीण्डर, (निसं)। महिलाओं की गरिमा और सुविधा से जुड़ा एक सराहनीय उदाहरण भीण्डर नगर में देखने को मिला। एक माह पहले तक जिस सार्वजनिक महिला स्नानघर में जाने से महिलाएं असहज महसूस करती थीं, आज वही स्नानघर अपने बदले हुए स्वरूप के कारण प्रशंसा का केंद्र बन गया है। भीण्डर नगर के एकमात्र सार्वजनिक महिला स्नानघर की बदहाल स्थिति को भीण्डर क्लब ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझते हुए उसका स्वरूप बदल दिया है। भीण्डर क्लब की पहल और नगर पालिका के सहयोग से महिला स्नानघर में मरम्मत कार्य, व्यापक सफाई, रंगरोगन एवं जलापूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त किया गया।

महिला स्नानघर में लंबे समय से गंदगी का अंबार और छज्जों पर मधुमक्खियों के छत्ते होने से उडती मक्खियों से महिलाओं को परेशानी का सामना करना पडता था। नलकूप से आने वाले पानी की अनियमित सप्लाई और जर्जर दीवारों के कारण स्नान करना कठिन हो गया था। कई बार शिकायतों के बावजूद भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा था।

समस्या को गंभीरता से लेते हुए भीण्डर क्लब संरक्षक कैलाश जांगिड़ ने पहल करते हुए सबसे पहले पूरे स्नानघर की गहन सफाई करवाई गई और मधुमक्खियों के छत्तों को सुरक्षित तरीके से हटाया गया। इसके बाद भवन की मरम्मत कर पूरे परिसर में रंगरोगन कराया गया, जिससे स्नानघर का स्वरूप पूरी तरह बदल गया। इसके साथ जलापूर्ति व्यवस्था के लिए भीण्डर क्लब द्वारा नगर पालिका पार्षद जितेन्द्र साहु को अवगत कराया।

इस पर पालिका के सहयोग से नई पानी की टंकी एवं आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए गए। भीण्डर क्लब द्वारा इन्हें स्थापित कर पूरे परिसर में नियमित और सुचारु जलापूर्ति शुरू की गई। इस अवसर पर भीण्डर क्लब संरक्षक चमन सोनी, पंकज वया, अध्यक्ष रत्नेश कोठारी, कोषाध्यक्ष शरद अठावाल, सचिव विकास चव्हाण, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र सिंह राठौड़, पवन मंदावत, जितेन्द्र साहु, संदीप सामरिया आदि उपस्थित रहे।

धमका कर अवैध वसूली के मामले में हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। जिले की सुखेर थाना पुलिस ने डरा-धमका कर अवैध वसूली के मामले में कार्रवाई करते हुए हिस्ट्रीशीटर नारायण दास वैष्णव को गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी रविन्द्र चारण के अनुसार यह हार्डकोर अपराधी दिलीप नाथ गिरोह का सदस्य है। उसके साथ मिलकर पूर्व में गंभीर घटना को अंजाम दे चुका है। आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में डराने-धमकाने, मारपीट, आर्म्स एक्ट सहित कई मामले दर्ज है। सुखेर निवासी अभय डांगी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिसमें बताया था कि इंस्टाग्राम के जरिए उससे कई बार रूपयों की मांग की गई। रूपये नहीं देने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई।

उल्लेखनीय है कि 5 माह पूर्व आरोपी नारायण दास को महिला वेश में घूमते हुए पकड़ा था। आरोपी पर 10 हजार रूपये का इनाम घोषित था। उस वक्त इसे जमीन मालिक को धमका कर 35 लाख रूपये की अवेध वसूली मामले मं गिरफ्तार किया गया था। हार्डकोर अपराधी दिलीपनाथ के साथ मिल कर इस घटना को अंजाम दिया था।

कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा की मौत पुलिस के लिए अनसुलझी पहेली बनी

- **गुत्थी को सुलझाने के लिए उनके बर्तन-चद्दर, कपड़ों की भी जांच होगी, जिस कमरे में उनकी मौत हुई, वहां की मिट्टी से लेकर कंघा और बालों जैसे 33 अलग- नूमूने तक जुटाए गए हैं। साध्वी को जहर दिया गया था या नहीं? इसकी जांच के लिए विसरा का नमूना भी एस एफ एल की लैब में पहुंच गया है**
- **पुलिस की साइबर सैल इन मोबाइल का डिलीट रिकॉर्ड रिकवर कर रही है। इसके बाद इन्हें एफएसएल टीम को सौंपा जाएगा**

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा की मौत पुलिस के लिए अभी रहस्य बनी हुई है। इस गुत्थी को सुलझाने के लिए उनके बर्तन-चद्दर, कपड़ों की भी जांच होगी। जिस कमरे में उनकी मौत हुई, वहां की मिट्टी से लेकर कंघा और बालों जैसे 33 अलग- नूमूने तक जुटाए गए हैं। साध्वी को जहर दिया गया था या नहीं? इसकी जांच के लिए विसरा का नमूना भी एस एफ एल की लैब में पहुंच गया है।

एफएसएल के सीनियर अधिकारी इन सैंपल की जांच में जुट गए हैं। करीब 7 दिन में एफएसएल अपनी रिपोर्ट को एसआईटी को देगी। इसके अलावा साध्वी प्रेम बाईसा, उनके पिता और सेवादार के मोबाइल का रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है। 28 जनवरी को हुई कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा की मौत मामले में जिस तरीके से हर दिन नए मोड़ सामने आ रहे हैं, उस स्थिति में एफएसएल की जांच महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जोधपुर के बोरानाड़ा स्थित आरती नगर आश्रण से एफएसएल टीमों ने रविवार को एफएसएल सबूत जुटाने शुरू किए थे। इस केस के खुलासे के लिए दो तरीके से पर जांच हो रही है।

साध्वी प्रेम बाईसा, उनके पिता वीरमनाथ और सेवादार सुरेश का मोबाइल पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया था। पुलिस की साइबर सैल इन मोबाइल का डिलीट रिकॉर्ड रिकवर कर रही है। इसके बाद इन्हें एफएसएल टीम को सौंपा जाएगा।

साध्वी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के कुछ घंटों बाद ही सुसाइड नोट सोशल मीडिया पर आया था। जिसमें कई तरह के आरोप लगाए गए थे। जांच के दौरान मोबाइल में मौजूद टेक्स्ट मैसेज और कथित सुसाइड नोट की भाषा और शब्दों की तुलना पहले पोस्ट किए गए मैसेज से होगी। ताकि यह स्पष्ट हो सके कि सुसाइड नोट साध्वी प्रेम बाईसा ने ही लिखा था या किसी ओर से लिख कर पोस्ट किया है।

साध्वी के शरीर के अंदरूनी अंगों का विसरा जुटाया गया है। विसरा जांच के बाद यह साफ हो सकेगा कि साध्वी प्रेम बाईसा के शरीर में किस प्रकार का पदार्थ (विषाक्त) गया, जिससे उनकी तबीयत इतनी खराब हुई कि मौत हो गई। अगर विसरा रिपोर्ट में जहर की पुष्टि होती है, तो पुलिस पूरे मामले की जांच आत्महत्या और हत्या के एंगल से करेगी। तब तक एफएसएल उन 33 नूमनों की भी जांच कर लेगी जो घटनास्थल से जुटाए गए हैं। उस रिपोर्ट के आधार पर पुलिस पता लगाएगी कि साध्वी को जहर दिया गया या फिर खुद लिया था। अगर विसरा रिपोर्ट में किसी भी प्रकार के जहर की पुष्टि नहीं होती है तो ऐसी स्थिति में साध्वी के पिता वीरमनाथ और सेवादार सुरेश के पॉलीग्राफी टेस्ट कराए जा सकते हैं।

राजस्थान एफएसएल के डायरेक्टर डॉ. अजय शर्मा ने बताया कि पहली बार है, जब किसी संदिग्ध मौत की जांच के लिए इतने सैंपल लिए गए हैं। घटना के 5 दिन बाद एस आई टी दोबारा से साध्वी प्रेम बाईसा के कमरे में एफएसएल की टीम को लेकर गई। करीब 33 अलग-अलग चीजों के साक्ष्य लिए गए हैं। जिसमें साध्वी प्रेम बाईसा के वह बर्तन जिसमें उन्होंने खाना खाया। चादर जो उस दौरान बैड पर बिछी हुई थी।

College of Veterinary and Animal Science
Navania, Vallabhnagar, Udaipur (Rajasthan)
WALK - IN INTERVIEW
Eligible candidates are invited for Walk-in Interview for contractual engagement as Teaching Associates purely on temporary basis for a limited period at CVAS, Navania, Vallabhnagar, Udaipur. For interview schedule and other details, please visit University website www.rajuvas.org.
Raj.Samwad/C/25/19099 DEAN

Office of the Superintendent Engineering Watershed Development and Soil Conservation, Karauli
NOTICE INVITING BID
NIB No 36/2025-26 YEAR 2026
Bids for Anicut, Talab, Talai, ECD, Mpt, LSCD, ECD, Pakka check dam, PB, Recharge shaft, RTWHS, SSB, Talab Renovation e.t.c of PMKSY 2.0 Block - TODABHIM & KARAULI estimated value INR 170.30 Lacs (89.97+80.33) are invited from interested bidders up to 06:00 PM, 08-02-2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state and department website (https://water.rajasthan.gov.in/wdsc).
NIB Code- WSC2526A1466,
UBN NO.- WSC2526WSRC02530, WSC2526WSRC02531
Superitending Engineer watershed development and soil conservation Department, Karauli
DIPR/C/2009/2026

राजस्थान सरकार
कार्यालय जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग धौलपुर
क्रमांक : सान्याअवि/2025/3232 दिनांक 28.01.2026
Notice Inviting Bid 02/2025-26
E- Bid for foam based orthopaedic mattresses for various government hostels operating under social justice and empowerment department dholpur are inviting from interested bidder upto 29/01/2026 10:00AM to 08/02/2026 05:00PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproce.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.gov.in) of the state; and social justice and empowerment department website. The approximate value of the procurement is RS. 13.70 Lakhs.
UBN no. SOC2526GLRC00365
NIB no. SOC2526A0335
जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, धौलपुर
DIPR/C/2008/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड धौलपुर
मचकुण्ड चौराहा जी०टी०रोड धौलपुर
फोन नं.: 05642-220728, ई-मेल ee.dho.phed@rajasthan.gov.in
क्रमांक :- 3377-84 दिनांक: 23.01.2026
ई-निविदा सूचना संख्या 98 / 2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड के अधीन विभिन्न कार्यो की उपरोक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण निम्न यू.वी.एन. के अनुसार www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.rajwater.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउन लोड भी किये जा सकते है।

एन.आई.वी.नं.	PHE2526A 5568
यू.वी.एन.	PHE2526WSOB 11450

(जीतेन्द्र लवानियां)
अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड धौलपुर
DIPR/C/1698/2026

कार्यालय भू-सम्पत्ति अधिकारी
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर
निविदा सूचना संख्या 13 (2025-2026)

मुख्यालय का नाम	कार्यालय भू-सम्पत्ति अधिकारी, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर
निविदा का कार्य	निर्माण कार्य
निविदाओं की कुल लागत	रु. 28.45 लाख
निविदा बेचने की अंतिम तारीख	06.02.2026 को सायं 1:00 बजे तक
निविदा प्राप्त करने की अंतिम तारीख	07.02.2026 को दोपहर 1.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	07.02.2026 को दोपहर 2.30 बजे।

UBN : SKA2526WSOB00137 To SKA2526WSOB00143
आर.पी.डब्ल्यू.ए. 100 एवं Rajasthan Transparency in Public Procurement act 2012 की शर्ते लागू होंगी।
नोट :- निविदा से सम्बन्धित पूर्ण विवरण वेबसाईट www.raubikaner.org, www.sppp.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp देखा जा सकता है।
राज.संवाद/सी/25/19100 भू-सम्पति अधिकारी

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग वृत अजमेर
2025 International Year of Cooperatives
लोहाखान टेम्पो स्टेण्ड के पास, अजमेर
दूरभाष नम्बर 0145-2970165, E-Mail Address: seajmer@gmail.com
क्रमांक: अधी/नगर वृत/अजमेर/अंके-नलकूप/2025-26/11853-56 दिनांक : 30/1/2026
निविदा सूचना (NIB No. 12 & 13/2025-26)
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निविदा संख्या 12 व 13/2025-26 पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से ऑनलाईन सिस्टम ई-प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट पर आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदाओं की अनुमानित लागत राशि रूपये 260.00 लाख है। विस्तृत निविदा सूचना जन सम्पर्क निदेशालय की वेबसाईट पर तथा निविदा प्रपत्र वेबसाईट एस०पी०पी०पी०, राजस्थान तथा ई-प्रोक्यरमेंट वेबसाईट से दिनांक 30.01.2026 से दिनांक 09.02.2026 को सायं 06:00 बजे तक डाउनलोड एवं इसी समय तक बिड प्रस्तुत की जा सकती है। निविदाओं की तकनीकी बिड दिनांक 10.02.2026 को अपरान्ह 03:00 बजे खोली जायेगी। उक्त निविदा सूचना का प्रकाशन वेबसाईट एस.पी.पी.पी पर निविदा संख्या 12 हेतु आई.डी कमांक PHE2526A5860 और यू.बी.एन PHE2526WSOB12348 तथा निविदा संख्या 13 हेतु आई.डी कमांक PHE2526A5849 और यू.बी.एन नम्बर PHE2526WSOB12322 से निविदा प्रपत्रों का प्रकाशन किया गया है।
(रामचन्द्र राड़)
अधीक्षण अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग नगर वृत अजमेर
DIPR/C/1766/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग, नगर खण्ड प्रथम कोटा
-: निविदा सूचना संख्या 16/2025-26:-
UBN Code: PHE2526WSOB11492
समुचित वर्ग के सूचीबद्ध सक्षम ठेकेदारों से विभाग के निम्न कार्य करने हेतु राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम, 2012 एवं नियम 2013 के अन्तर्गत पेयजल कार्यो से सम्बन्धित सेवाओं के उपापनों के सम्बन्ध में दिशा-निर्देशानुसार ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा हेतु नियमानुसार विहित अग्रिम धनराशि देने के पश्चात् निविदा हेतु पात्र होंगे, निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं दो लिफाफा पद्धति में आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in से दिनांक 02.02.2026 प्रातः 10:00 बजे से डाउनलोड किये जा सकते है। ऑनलाईन निविदाएँ इसी वेबसाईट पर इच्छुक संवेदकों द्वारा दिनांक 02.02.2026 से दिनांक 12.02.2026 तक सांय 6:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। वेबसाईट पर उनके सम्मुख दिनांक 13.02.2026 को इस कार्यालय में दोपहर 2:00 बजे खोली जावेगी। यदि किसी कारणवश उस दिन अवकाश रहता है तो उसके अगले दिन कार्य दिवस को उसी समय पर निविदा खोली जावेगी। निविदा शुल्क / प्रक्रिया शुल्क निविदादाता द्वारा ऑन लाईन चालान द्वारा निविदा प्रपत्रो में वर्णन अनुसार इस कार्यालय में सभी निविदा प्राप्ति की दिनांक 13.02.2026 तक को दोपहर 01:00 बजे तक जमा करवाना आवश्यक है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण निम्नलिखित वेबसाईट पर देखे जा सकते है :-
1. www.dipronline.org
2. http://www.eproc.rajasthan.gov.in
3. http://sppp.rajasthan.gov.in
(अभिषेक मिश्रा)
अधिशाषी अभियंता जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग नगर खण्ड प्रथम कोटा
DIPR/C/1749/2026 "जल ही जीवन है"

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांक निदे/अ.ख.अ. नीलामी / निलामी (ML01)/2026/ई - 14179
ई-नीलामी विज्ञप्ति
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय-III के तहत निम्नांकित प्लॉटो के आंवटन ई-नीलामी के माध्यम से किये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:-

जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	खनिज का नाम	कुल प्लॉट
चितोडगढ	निम्बाहेडा	गढवाडा	मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	2
डीग	सीकरी	बासबुर्जा	मेसेनरी स्टोन	4
सवाई माधोपुर	बजीरपुर	श्यारोली	मेसेनरी स्टोन	9
चितौड़गढ़	भदेसर	भालोट	मार्बल	6
झालावाड़	बकानी	बरखेड़ा कलां	मेसेनरी स्टोन	5
बाड़मेर	रामसर	भाचभर	मेसेनरी स्टोन	10
कोटा	चेचट	चेचट	लाइमस्टोन (डायमेन्शनल) व मेसेनरी स्टोन	3
जोधपुर	ओसियां	बैठवासियां	सैण्ड स्टोन	20
बून्दी	नैनवा	भीमगंज	रेड ऑकर, येला ऑकर व चायना क्ले	2
बाड़मेर	बाड़मेर	सुरा नरपतान	ग्रेनाइट	5
जोधपुर	बालेसर	खुडियाला	सैण्ड स्टोन	5
जोधपुर	बालेसर	दानसिंह नगर	सैण्ड स्टोन	7
जोधपुर	बालेसर	खुडियाला व दानसिंह नगर	सैण्ड स्टोन	1
जोधपुर	बावड़ी	कास्टी	सैण्ड स्टोन	10
			कुल प्लॉट	89

विशेष नोट:- 1 प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्ते विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध हैं।
(महावीर प्रसाद मीणा)
निदेशक
DIPR/C/1799/2026

राजस्थान राज्य सहकारी मुद्रणालय लि.,
जी-1/138, मालवीय औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर-302017 फोन : 0141-2751417
E-mail- raj_coop_press@yahoo.co.in Website : www.thecooperativepress.com
क्रमांक/रारासमु/प्रशा/388-xii/2025-26/2655 दिनांक 05.02.2026
NIB Code: SML2526A0001 **निविदा सूचना** NIB Ref. No.: RRSM/Tender/2026-27
मुद्रणालय द्वारा वर्ष 2026-27 (31.03.2027 तक) की अवधि के लिये समय - समय पर आवश्यकतानुसार विभिन्न प्रकार की सामग्री क्रय / कार्य हेतु निम्नानुसार (टू बिड पद्धति द्वारा) निविदायें आमंत्रित की जाती है :-

क्र. सं.	विवरण	निविदा प्रक्रिया	अनुमानित राशि	बोली प्रतिभूति राशि	बिड शुल्क	प्रोसेसिंग फीस	बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	विभिन्न प्रकार के कागज का क्रय	ऑनलाईन	रू. 1800 लाख	रू. 36.00 लाख	रू. 1000	रू. 2500	25.02.2026
2	ऑफसेट मुद्रण कार्य हेतु एमपेनलमेन्ट	ऑनलाईन	रू. 700 लाख	रू. 14.00 लाख	रू. 1000	रू. 2500	25.02.2026
3	फ्लेक्स विनायल, होर्डिंग, स्टेण्डी, सनबोर्ड डिजिटल वॉल पेंटिंग कार्य हेतु एमपेनलमेन्ट	ऑनलाईन	रू. 200 लाख	रू. 4.00 लाख	रू. 1000	रू. 2000	25.02.2026
4	मुद्रित सामग्री के बंधन कार्य हेतु एमपेनलमेन्ट	ऑनलाईन	रू. 100 लाख	रू. 2.00 लाख	रू. 1000	रू. 1500	14.02.2026
5	ट्रांसपोर्टेशन कार्य	ऑफलाईन	रू. 9 लाख	रू. 18 हजार	रू. 500	शून्य	11.02.2026
6	विभिन्न प्रकार के मिलमेड व हैण्डमेड फाईल कवर्स का क्रय	ऑफलाईन	रू. 9 लाख	रू. 18 हजार	रू. 500	शून्य	11.02.2026
7	विभिन्न प्रकार के मुद्रित लिफाफे क्रय	ऑफलाईन	रू. 9 लाख	रू. 18 हजार	रू. 500	शून्य	11.02.2026
8	मुद्रण सामग्री (प्लेट, केमिकल्स, फिल्म, स्याहियां आदि) क्रय	ऑफलाईन	रू. 9 लाख	रू. 18 हजार	रू. 500	शून्य	11.02.2026
9	ओएमआर प्रिन्टिंग एवं बार कोड नम्बरिंग	ऑफलाईन	रू. 9 लाख	रू. 18 हजार	रू. 500	शून्य	11.02.2026
10	विभिन्न प्रकार के प्लास्टिक कवर्स का क्रय	ऑफलाईन	रू. 5 लाख	रू. 10 हजार	रू. 500	शून्य	11.02.2026
11	डीटीपी कम्पोजिंग, स्क्रीन प्रिन्टिंग, स्टीकर मेकिंग इत्यादि कार्य	ऑफलाईन	रू. 5 लाख	रू. 10 हजार	रू. 500	शून्य	11.02.2026
12	रद्दी/कतरन इत्यादि विक्रय	ऑफलाईन	रू.5 लाख	रू. 10 हजार	रू. 200	शून्य	11.02.2026

1. ऑनलाईन निविदाओं हेतु बिड शुल्क रु. 1000/- राजस्थान राज्य सहकारी मुद्रणालय लि., जयपुर के नाम एवं प्रोसेसिंग फीस रु. 2500/- (क्रम सं. 1 व 2) रु. 2000/- (क्रम सं. 3) एवं रु. 1500/- (क्रम सं. 4) MD RISL के नाम से डीडी जमा करवाना होगा।
2. बिड/निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण व शर्ते निविदा प्रपत्र में तथा वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in एवं मुद्रणालय की वेबसाईट www.thecooperativepress.com पर उपलब्ध है। ऑनलाईन बिड / निविदा वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जानी है।
3. ऑफलाईन निविदाएं (क्र.सं. 5 से 12) हेतु बिड शुल्क जमा कराकर निविदा प्रपत्र मुद्रणालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदाएं निर्धारित अंतिम तिथि को सायं 5.00 बजे तक मुद्रणालय में प्रस्तुत की जा सकेंगी। जिनकी तकनीकी बिड दिनांक 12 एवं 13 फरवरी, 2026 को प्रातः 11.00 बजे से उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जाएंगी।
4. बिड/निविदा के सम्बन्ध में अन्य जानकारी इस कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में ली जा सकती है।
5. सामग्री क्रय/कार्य वर्ष भर समय - समय पर मुद्रणालय की आवश्यकतानुसार करवाया जायेगा।
6. विलम्ब से प्राप्त निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
(मुरार सिंह जाड़ावत)
प्रबन्ध निदेशक

आवासहीन परिवारों की संख्या के सवाल पर मंत्री खर्रा और सुभाष गर्ग के बीच नोंकझोंक

दरअसल प्रश्नकाल में आर.एल.डी. विधायक सुभाष गर्ग ने आवासहीन परिवारों की संख्या पूछी थी, लेकिन यू.डी.एच. मंत्री खर्रा पीएम आवास योजना को लेकर जवाब देने लगे थे

जयपुर (विसं)। नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा भी सदन में विपक्ष के सवालों में उलझकर रह गए। प्रश्नकाल के दौरान विवाद की शुरुआत आरएलडी विधायक सुभाष गर्ग के सवाल से हुई। गर्ग ने भरतपुर में आवासहीन परिवारों की संख्या और पीएम आवास योजना के पात्र परिवारों पर सवाल पूछा था। सही जवाब नहीं मिलने पर विधायक सुभाष गर्ग ने आपत्ति जताई। जिस पर दोनों के बीच करीब 15 मिनट तक बहस और नोंकझोंक होत रही।

मंत्री खर्रा के जवाब से असंतुष्ट सुभाष गर्ग ने कहा कि पहले

- **इस बीच अन्य मंत्रियों ने मंत्री के पक्ष में जवाब देने की कोशिश की तो नेता प्रतिपक्ष ने भी आपत्ति जताई**

आवासहीन परिवारों की संख्या बताइए। जिस पर मंत्री खर्रा, पीएम आवास योजना की पात्रता की शर्तें बताने लगे। उनके जवाब पर गर्ग ने आपत्ति करते हुए कहा कि होमलेस पॉलिसी-2022 में आवासहीन परिवारों के सर्वे करने का प्रावधान है या नहीं। मैंने तो इस पर जवाब मांगा था। मैं तो हां-ना में जवाब मांग रहा हूं।

जिस पर यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि भरतपुर में पीएम आवास योजना के 80 फीसदी पूरे हो चुके है। गर्ग ने कहा कि, भूमिहीन परिवारों की संख्या पर सवाल किया है। जिनके पास भूमि ही नहीं है वो आावासहीन कैसे होगा? आवासहीन तो उस दिन होगा जिस दिन भूमि होगी। जिसके पास जमीन नहीं है, वो तो बेघर कहलाएगा। आवासहीन नहीं। जिसके पास रहने का ठौर नहीं, वो बेघर है। जिसके पास मकान नहीं है, लेकिन जमीन है वो आवासहीन कहलाएगा।

इस बात को लेकर दोनों के बीच काफी देर तक नोंकझोंक होती रही। यूडीएच मंत्री ने कहा कि भूमिहीन परिवारों की संख्या चाही है तो कलेक्टर से रिपोर्ट मंगवाकर दे देंगे।

इसी बीच नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने यूडीएच मंत्री के जवाब के बीच दो मंत्रियों के खड़े होने पर तंज कसते हुए कहा कि यहां एडवोकेट की जरूरत नहीं होती।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने कहा कि आप साल पूछिए भाषण देने का अधिकार नहीं है। जूली ने कहा सच्चाई बता दी तो कह रहे हैं, भाषण दे रहे हैं। जूली ने कहा कि संसदीय कार्यमंत्री जल्दीबाजी कर गए। उन्होंने आवासहीन का सवाल पूछा था, सदस्य ने गलती कर दी कि होमलेस पॉलिसी पर पूछ लिया। इन्होंने आवासहीन समझ लिया बात एक ही है। सवाल इतना सा है कि जिनके पास मकान नहीं है मकान कब तक दोगे?

जवाब गलत आया इसलिए कहा कि 2022 में जब होमलेस पॉलिसी आ गई, तो उसका मापदंड पूछे थे। संसदीय कार्य मंत्री ने खुद को ज्यादा काबिल साबित करने के चक्कर में मंत्रीजी को और मरवा दिया।

बहरोड़ के पूर्व विधायक बलजीत यादव 7 फरवरी तक ईडी के रिमांड पर रहेंगे

विधायक फंड के दुरूपयोग और मनी लॉड्रिंग मामले में ईडी ने किया था गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। ईडी मामलों की विशेष कोर्ट ने बुधवार को एमएलए फंड के दुरुपयोग के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बहरोड़ के पूर्व एमएलए बलजीत यादव को 7 फरवरी तक ईडी के रिमांड पर भेज दिया। ईडी ने यादव को कोर्ट में पेश कर कहा कि उसने फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों रुपए का फंड हड़पा है। उससे अभी इस मामले में पूछताछ करनी है, इसलिए उसे रिमांड पर दिया जाए। यादव के वकीलों ने इसका विरोध किया। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनकर यादव को तीन दिन के रिमांड पर भेज दिया। इस मामले में पूर्व विधायक यादव पर एमएलए फंड से 3 करोड़ रुपए से भी ज्यादा राशि के दुरुपयोग व गबन का आरोप है। जिस पर ही ईडी ने पीएमएलए के तहत यादव के खिलाफ यह कार्रवाई की है। ईडी ने अलवर के शाहजहांपुर टोल प्लाजा से मंगलवार रात पूर्व विधायक बलजीत यादव को हिरासत में लिया था। बाद में पूछताछ के लिए जयपुर स्थित ईडी ऑफिस लाया गया। पूछताछ के बाद बलजीत यादव को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया।

कोर्ट में पेशी के दौरान ईडी ने पहले 6 दिन व बाद में 4 दिन के लिए यादव को रिमांड पर देने का आग्रह किया। ईडी का आरोप है कि पूर्व एमएलए यादव के निर्देश पर परिचित व रिश्तेदारों की 4 फर्मों को खेल सामग्री खरीद के टेंडर मंजूर हुए, जिसमें बाजार मूल्यों की तुलना में कई गुना कीमत पर सामान की खरीद कर फर्जीवाड़ा किया। ईडी के अधिवक्ता अजातशत्रु मीना ने कहा कि सरकारी स्कूलों में खेल सामान की आपूर्ति करने वाली सभी चारों फर्म पूर्व विधायक बलजीत यादव के कर्मचारी व रिश्तेदारों की है।

- **इस मामले में यादव पर एमएलए फंड से 3 करोड़ रुपए से भी ज्यादा राशि के दुरुपयोग व गबन का आरोप है**

टेंडर में की गई आपूर्ति का भुगतान होने के बाद ये सभी फर्में बंद हो गईं। खेल सामग्री की आपूर्ति से प्राप्त दो करोड़ 74 लाख 75 हजार रुपए का उपयोग वैशाली नगर में प्लॉट खरीदने, बहरोड़ के पास 12.50 बीघा कृषि भूमि की खरीद के लिए अग्रिम देने व चुनावी रैली में हेलीकॉप्टर से फूल बरसाने में हुआ है।

यादव के अधिवक्ता ने गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताते हुए कहा कि ईडी ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तारी की, जबकि एसीबी से जुड़े मामले में हाईकोर्ट का स्टे है। यह राजनीति प्रेरित व राजनीतिक विरोधियों का षड्यंत्र का मामला है। अभी तक 5 बार जांच हो चुकी है, जिसमें किसी को दोषी नहीं माना गया। पेशी के दौरान बलजीत यादव ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि उन्हें राजनीतिक साजिश के तहत फंसाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बहरोड़ के मौजूदा भाजपा विधायक जसवंत यादव अपने बेटे को राजनीति में स्थापित करना चाहते हैं और इसी कारण उनके खिलाफ झूठा मामला बनाया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि जसवंत यादव गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और राजनीतिक लाभ के लिए उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

'आदिवासी क्षेत्रों में ऐसा पोषाहार दे रहे, जिन्हें कुत्तें भी नहीं खाए'

जयपुर (विसं)। राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान कांग्रस विधायक रमिला खड़िया ने जनजाति मंत्री पर आरोप लगाते हुए तंज कसे। मां बाड़ी केंद्रों पर 4-4 महीने से पोषाहार नहीं आ रहा। जो पोषाहार आ रहा है, जो एक रुपए के बिस्किट का पैकेट आ रहा है, उसको कुत्ते भी नहीं खा रहे हैं। ऐसा पोषाहार पहुंच रहा है, जो कुत्ते भी नहीं खाए, आप चेक करो। आप मंत्री हो, चेक क्यों नहीं करते हैं। इस पर टीएडी मंत्री ने कहा कि आपकी अध्यक्षता में ही कमेटी बना देता हूं।

- **कांग्रेस विधायक रमिला खड़िया ने सदन में पोषाहार पर टिप्पणी की**

इससे पहले उन्होंने कहा कि टीएसपी क्षेत्र में टीएसपी के लोग लगने चाहिए, लेकिन आपने जनरल को लगा दिया। मंत्री ने अपने रिश्तेदारों के कहने पर टीएसपी क्षेत्र में नौकरी लगा दी। गत 3-4 महीने से शिक्षकों को पेमेंट नहीं मिल रहा है। मंत्रीजी, चेक करके देखो।

बूंदी जिले की कानून व्यवस्था पर हंगामा

जयपुर (विसं)। बूंदी जिले में लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाओं और चरमराती कानून व्यवस्था को लेकर बुधवार को विधानसभा में तीखा हंगामा देखने को मिला।

विधायक हरिमोहन शर्मा ने नियम-50 के अंतर्गत स्थगन प्रस्ताव रखकर राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि बूंदी जिले में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि हत्या, अपहरण और लूट जैसी घटनाएं आम होती जा रही हैं, जबकि पुलिस की भूमिका सवालों के घेरे में है।

भील प्रदेश के लिए सड़क से सदन तक लडेंगे : कटारा

जयपुर (विसं)। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान चौरासी से भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) विधायक अनिल कटारा ने राज्य सरकार पर आदिवासियों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए भील प्रदेश की मांग उठाई। कटारा ने कहा कि आदिवासियों के जंगल उजाड़े जा रहे हैं। आदिवासियों की जमीनें छीनी जा रही हैं और पहाड़ों को काटा जा रहा है। आरक्षण के अनुरूप भर्तियां नहीं हो पा रही हैं। अगर इसी तरह आदिवासी समाज की तौहीन

- **चौरासी के बीएपी विधायक कटारा ने आदिवासियों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया**

होती रही, आदिवासी समाज की उपेक्षा होती रही तो हमारे पास अंतिम विकल्प यही है कि हम भील प्रदेश की मांग करते है। भील प्रदेश के लिए हम सड़क से सदन तक लड़ेंगे और भील प्रदेश को लेकर रहेंगे।

'धौराला में रीको औद्योगिक क्षेत्र के लिए भूमि आवंटन कार्य अग्रिम चरण में है'

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बुधवार को विधानसभा में बताया कि अलवर जिले की राजगढ़ तहसील के धौराला राजस्व गांव में रीको औद्योगिक क्षेत्र के लिए भूमि आंवटन का काम अग्रिम चरण में है। कर्नल राठौड़ प्रश्नकाल में विधायक मांगेलाल मीना के पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में उद्योगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भूमि उपलब्ध कराने के साथ

- **उद्योग मंत्री ने कर्नल राठौड़ सदन में बताया कि ''राज्य सरकार प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भूमि उपलब्ध कराने के साथ उपयुक्त जमीनों को चिह्नित कर लैंड बैंक भी तैयार कर रही है, ताकि भविष्य में उद्योगों की मांग के अनुरूप उन्हें समय पर भूमि उपलब्ध कराई जा सके।''**

उपयुक्त जमीनों को चिह्नित कर लैंड बैंक भी तैयार कर रही है, ताकि उद्योगों की मांग के अनुरूप उन्हें समय पर भूमि उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कि लक्ष्मणगढ़ में उपलब्ध भूमि प्राकृतिक संरक्षण क्षेत्र (एनसीजेड) में आने के कारण इसका उपयोग उद्योगों के लिए नहीं हो सकता है।

उन्होंने बताया कि राजगढ़ औद्योगिक क्षेत्र में कुल 114 प्लॉट उपलब्ध हैं, इनमें 110 प्लॉट आवंटित तथा 4 रिक्त हैं। इस क्षेत्र में कुल 40 एकड़ भूमि उपलब्ध है, जिसमें से 25 एकड़ उद्योगों तथा शेष भूमि सार्वजनिक उपयोग के लिए निर्धारित है। उन्होंने बताया कि राजगढ़ औद्योगिक क्षेत्र में डोलोमाइट प्रोसेसिंग से जुड़े उद्योग स्थापित हैं। खनन प्रतिबंधों के कारण इन उद्योगों की गतिविधियाँ प्रभावित हुई हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में उपलब्ध रिक्त भूखण्डों को देखते हुए राजगढ़ औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार की आवश्यकता वर्तमान में नहीं है।

इससे पहले सदस्य के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र के लिए राजस्व गांव धौराला में 27.68 हैक्टेयर भूमि व लक्ष्मणगढ़ उपखंड के ग्राम मुण्डजोडी में 27.37 हैक्टेयर भूमि चिह्नित की गई है। धौराला राजस्व गांव की चिह्नित भूमि आवंटन के लिए जिला कलक्टर व राजस्व विभाग को समय-समय पर लिखा गया है। उन्होंने बताया कि लक्ष्मणगढ़ में औद्योगिक क्षेत्र का काम चिह्नित भूमि के आंवटन के बाद शुरू किया जायेगा।

बीसीआर चुनाव में महिलाओं को 30 फीसदी आरक्षण, याचिका निस्तारित

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने बार काउंसिल ऑफ राजस्थान चुनाव में महिलाओं को आरक्षण देने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए 30 फीसदी आरक्षण को ध्यान में रखते हुए इस संबंध में दायर जनहित याचिका को निस्तारित कर दी। खंडपीठ ने कहा कि यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट से तय हो चुका है, ऐसे में याचिका सारहीन हो गई है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह निर्देश एडवोकेट हेमा तिवारी की जनहित याचिका पर दिया।

सुनवाई के दौरान बीसीआई के अधिवक्ता निखिलेश कटारा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया के शपथ पत्र के आधार पर राज्यों की बार काउंसिलों के आगामी चुनावों में महिलाओं को समुचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए पहले ही आरक्षण देने का निर्देश दे दिया है। इस जनहित याचिका में भी प्रदेश की बार काउंसिल में महिलाओं को आरक्षण देने का मुद्दा उठाया है। ऐसे में अब यह जनहित आगे सुनवाई के लिए सारहीन हो चुकी है।

सार-समाचार

'सुनने की कला' है पालन-पोषण का मूल

'पेरेंटिंग सिक्रेट्स फ़ॉर रेज़िंग रॉकस्टार्स' का विमोचन बुधवार को एमजीडी गर्ल्स स्कूल जयपुर में किया गया।

जयपुर। पालन-पोषण को केवल नियमों या अपेक्षाओं तक सीमित न रखते हुए उसे संवेदनशील संवाद, धैर्य और समझ की प्रक्रिया के रूप में प्रस्तुत करती पुस्तक 'पेरेंटिंग सिक्रेट्स फ़ॉर रेज़िंग रॉकस्टार्स' का विमोचन बुधवार को एमजीडी गर्ल्स स्कूल, जयपुर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। 2-पेज़ेज़ बुक क्लब, जयपुर द्वारा आयोजित इस ओपन-फॉर-ऑल कार्यक्रम में बडी संख्या में अभिभावकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और पुस्तक प्रेमियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के संबोधन से हुई जिसमें वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक शिवपुरी, एमजीडी गर्ल्स स्कूल की निदेशक अर्चना एस. मनकोटिया, डॉ. एस. सीतारामन, वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ ने अपने संबोधन में 'सुनने की कला' को प्रभावी पालन-पोषण का मूल बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों की बात बिना जल्दबाज़ी और निर्णय के सुनना, उनके आत्मविश्वास को मज़बूत करता है और रिश्तों को गहराई देता है। साथ ही आज के तेज़ और शोरभरे जीवन में मानसिक शांति बनाए रखने पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शांत मन ही सही निर्णयों की नींव होता है और बच्चों को सबसे पहले वही वातावरण घर से मिलता है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. मयंक गुप्ता और रिधिमा चौधरी के साथ एक संवादात्मक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसका संचालन 2-पेज़ेज़ बुक क्लब के सदस्य और युवा अभिभावक प्रणिता एवं अंकित डागा ने किया। इस दौरान किताब से जुडे पहलुओं पर बात हुई, जिसमें पुस्तक के सह-लेखक और मनोचिकित्सक डॉ. मयंक गुप्ता ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि प्रतिभा से अधिक प्रयास जीवन में स्थायी सफलता दिलाता है। बच्चों में मेहनत करने की आदत विकसित करना, उन्हें किसी भी कौशल से अधिक सशक्त बनाता है मनोवैज्ञानिक रिधिमा चौधरी ने कहा कि जब बच्चे को समझा जाता है, तब वह खुद को समझना सीखता है। चर्चा में अभिभावकों के वास्तविक सवालों, दैनिक चुनौतियों और व्यावहारिक समाधानों पर खुलकर बातचीत हुई। इस अवसर पर 2-पेज़ेज़ बुक क्लब के संस्थापक सदस्य डॉ. राम गुलाटी, प्रग्या रामजेवाल और मोहित बत्रा भी उपस्थित रहे।

मातृ वंदना की रैंकिंग में राजस्थान प्रथम

जयपुर (कासं)। उपमुख्यमंत्री और महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने आईसीडीएस राजस्थान को एक बार फिर से प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना में राष्ट्रीय स्तर पर जारी मासिक रैंकिंग, (जनवरी 2026) में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी है। दिया कुमारी ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत आईसीडीएस की ओर से सितम्बर 2025 में प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना में मासिक रैंकिंग में प्रथम स्थान करने के पश्चात पुनः जनवरी 2026 में भी प्रथम स्थान प्राप्त करना गर्व की बात है। इसके लिए सभी विभागीय अधिकारियों द्वारा अच्छा कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा निरंतर कीर्तिमान रचे जा रहे हैं, जिसमें उक्त उपलब्धियों के साथ ही पिछले वर्ष 2025 में विभाग को पोषण माह में दूसरा तथा पोषण पखवाड़ा में प्रथम स्थान मिलना भी उल्लेखनीय उपलब्धि है। आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मालावत ने बताया कि राजस्थान के प्रथम स्थान के साथ ही इस मासिक रैंकिंग में कर्नाटक दूसरे स्थान पर तथा असम तीसरे स्थान पर है वहीं महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश क्रमशः चौथे और पाचंवे स्थान पर है।

बंधन बैंक ने मासिक एवरेज बैलेंस घटाया

जयपुर। बंधन बैंक ने स्टैंडर्ड सेविंग्स अकाउंट के लिए मासिक औसत शेष (एमएबी) की आवश्यकता में महत्वपूर्ण संशोधन की घोषणा की है, जबकि खाते की सभी सुविधाएँ और लाभ पहले की तरह ही रहेंगे। स्टैंडर्ड सेविंग्स अकाउंट के लिए एमएबी की आवश्यकता को 5000 रुपए से घटाकर 2000 रुपए किया जा रहा है, जो 1 फरवरी, 2026 से प्रभावी होगी। बैंक के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य व्यवसाय अधिकारी राजिंदर कुमार बब्बर ने कहा, गणतंत्र दिवस समानता और सशक्तिकरण का उत्सव है। हालांकि, इस खाते से जुड़े प्रोडक्ट फीचर्स और लाभों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह कदम देशभर के लाखों ग्राहकों, विशेषकर अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए बैंकिंग को अधिक किफायती और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। न्यूनतम शेष राशि की आवश्यकता कम कर, बंधन बैंक यह सुनिश्चित करना चाहता है कि प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी वित्तीय दबाव के पूर्ण-सेवा बचत खाते के लाभ उठा सके।

'एसीबी एसआईटी के मुखिया पेश हों'

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में हुए करोड़ों रुपए के घोटालों की प्रभावी जांच नहीं करने से जुड़े मामले में एसीबी की ओर से गठित एसआईटी के मुखिया को 5 फरवरी को पेश होने के आदेश दिए हैं। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ में आदेश टीएन शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान एडिशनल एसपी श्याम सुंदर और उपाधीक्षक सुरेंद्र पंचोली अदालत में हाजिर हुए उनकी ओर से जांच रिपोर्ट पेश करने के लिए समय मांगा गया। इस पर याचिकाकर्ता के अधिवक्ता पीसी भंडारी ने कहा कि 6 सितंबर 2024 को हाईकोर्ट ने सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पिछले 5 साल के टेंडर की जांच की आदेश दिए थे और याचिकाकर्ता को कहा था कि वह चाहे तो इस संबंध में अपना अभ्यावेदन एसीबी को दे सकता है। याचिकाकर्ता की ओर से 27 मामलों में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए दस्तावेजों के साथ एसीबी को अभ्यावेदन पेश किया। इसके बावजूद भी एसीबी ने केवल एक मामले में एफआईआर दर्ज की और उसमें भी आरोपी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया।

पिछले दो साल से बीएसआर क्यों नहीं बदली? : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने प्रदेश में सार्वजनिक निर्माण कार्यों की दरें तय करने वाली बीएसआर (बेसिक शेड्यूल ऑफ रेट्स) को पिछले दो साल से नहीं बदलने व नए टेंडर्स से प्राइस वेरिएशन क्लॉज हटाए जाने को गंभीर माना है। साथ ही राज्य सरकार से पूछा है कि बीएसआर को क्यों नहीं बदला गया। यह भी पूछा है कि मौजूदा बाजार दरों की तुलना में पुराने बीएसआर को लागू रखने का क्या औचित्य है और क्या नियमों के तहत प्राइस वेरिएशन क्लॉज हटाने की अनुमति ली गई थी।

खंडपीठ ने कहा कि राज्य सरकार अपने जिम्मेदार अधिकारी के जरिए हलफनामा दाखिल करे, जिसमें इन सभी सवालों के जवाब हों। मामले की आगामी सुनवाई 19 फरवरी 2026 को तय की है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने ओमप्रकाश मीना की पीआईएल पर दिया। मामले से जुडे अधिवक्ता महेन्द्र शांडिल्य ने बताया कि प्रार्थी सिविल वर्क कॉन्ट्रेक्टर है। पीएचईडी विभाग सहित अन्य विभागों ने राजस्थान पब्लिक वर्क्स फाइनेंस एंड अकाउंट्स रूल्स के स्पष्ट प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए न तो समय पर बीएसआर जारी किया और न ही वित्त विभाग से अनुमति लेकर टेंडरों की शर्तों में बदलाव किया। इतना ही नहीं जल जीवन मिशन और अमृत 2.0 जैसी बड़ी योजनाओं के लिए भी टेंडर जारी करते हुए प्राइस वेरिएशन क्लॉज को पूरी तरह से हटा दिया गया। प्रार्थी की ओर से आरोप लगाया कि कई नए टेंडरों में प्राइस वेरिएशन क्लॉज को पूरी तरह से हटाया है। जबकि नियमानुसार हर साल बीएसआर का पुनरीक्षण जरूरी है ताकि बाजार में श्रम और सामग्री की वास्तविक दरों को प्रतिबिंबित किया जा सके। लेकिन साल 2023-24 के बाद प्रदेश में नया बीएसआर जारी नहीं किया, जबकि बाजार दरों में गिरावट हुई है। यह न केवल नियमों के विरुद्ध है, बल्कि इससे राजस्व का भी नुकसान हो रहा है। प्राइस वेरिएशन क्लॉज हटाकर ठेकेदारों को अनुचित लाभ व राज्य को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। यह राजस्थान पब्लिक वर्क्स फाइनेंस एंड अकाउंट्स रूल्स और राज्य की घोषित नीति के विपरीत है।

'पेपरलीक में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दो मंत्री जेल में होने चाहिए थे'

जयपुर (विसं)। राज्यपाल के अभिभाषण पर सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा के आरोपों पर सदन में माहौल गर्मा गया। गोपाल शर्मा ने पेपरलीक का मामला उठाते हुए कहा कि, मैं किसी का नाम नहीं लूंगा, लेकिन जब पुलिस महानिदेशक ने पेपर लीक की फाइल देखी थी तो उन्होंने कहा था कि ईमानदारी से कार्रवाई की जाए तो पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दो मंत्री, जो उस समय राज्य मंत्री थे, उन्हें जेल में होना चाहिए था। गोपाल शर्मा ने कहा कि यह सब जानते हैं कि वह कौन मंत्री थे, मैं किसी का नाम नहीं लूंगा, लेकिन अगर यह लोग जेल में नहीं होंगे तो राजस्थान में कभी भी सुख-शांति का शासन नहीं आएगा, इसलिए इन दोनों को खुद ही आत्म समर्पण करना चाहिए।

सिविल लाइंस विधायक ने आगे कहा कि, कांग्रेस राज में एक पूर्व मंत्री तो दूसरे की पत्नी को अपनी पत्नी बताकर विदेश यात्रा तक पर ले गए थे। शांति धारीवाल सहित वरिष्ठ नेताओं को पता है वो पूर्व मंत्री कौन थे? गोपाल शर्मा के इन आरोपों के बाद सदन में माहौल गर्मा गया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आपत्ति करते हुए कहा कि जो सदन का सदस्य नहीं है, उस पर चर्चा नहीं कर सकते। इस पर सभापति

- **सिविल लाइंस विधायक ने कहा कि सदन में ''जब पुलिस महानिदेशक ने पेपरलीक की फाइल देखी थी, तब उन्होंने कहा था कि ईमानदारी से कार्रवाई की जाए तो पूर्ववर्ती सरकार के दो मंत्री जेल में होने चाहिए।''**

संदीप शर्मा ने कहा कि अगर किसी का नाम लिया है तो उसे सदन की कार्यवाही से हटा दिया जाएगा। इसके बाद भी विधायक शर्मा नहीं रुके, उन्होंने कहा कि ''मैं जेल सुधार कमेटी का सदस्य हूं, जब मैं जेल में लोगों से मिलने गया तो वहां पर पेपर लीक मामले में बंद लोगों की बातें और उनका दर्द सुना। यह केवल पेपर लीक का मामला नहीं है यह पेपर के बाद पद पर नियुक्ति का मामला है। मैंने कुछ बहनों से पूछा कि क्या अपराध है, वे बोली नेता उन्हें ले गए और कहा कि वह व्यक्ति परीक्षा नहीं देगा, उसकी जगह पर आप लोग परीक्षा दोगे। हमारी बच्चियों को दूसरे की जगह परीक्षा दिलाने पर मजबूर करने वालों ने उनका जीवन का गला घोंट दिया।

यूनेस्को की हैरिटेज सूची में शामिल गुलाबी नगरी की विरासतों का संरक्षण किया जाए : वी. श्रीनिवास

मुख्य सचिव ने उच्च स्तरीय बैठक लेकर यूनेस्को के दिशा-निर्देशों पर चर्चा की

जयपुर (कासं)। यूनेस्को की विश्वविरासत सूची में शामिल ''गुलाबी नगरी'' (जयपुर) में हैरिटेज विरासतों के संरक्षण को लेकर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बुधवार को उच्चस्तरीय बैठक ली।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यूनेस्को

- **मुख्य सचिव ने वॉल्ड सिटी जयपुर के लिए तैयार किए जा रहे ''स्पेशल एरिया हैरिटेज प्लान'' की प्रगति भी जानी**
- **उन्होंने जयपुर परकोटे में स्वच्छता बनाए रखने, शहर के सौंदर्य को प्रभावित करने वाले बैनर, विज्ञापन व अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए**

के दिशा-निर्देशों के मुताबिक पिंकसिटी का संरक्षण और पुररूद्धार किया जाए। उन्होंने यूनेस्को वर्ल्ड हैरिटेज सिटी स्टेटस के तहत आवश्यक कार्यों की समीक्षा करते हुए 'होल ऑफ गवर्नमेंट अप्रोच' अपनाने पर जोर दिया गया।

मुख्य सचिव ने पर्यटन विभाग, स्वायत्त शासन विभाग एवं नगरीय विकास विभाग की संयुक्त टीम को पिंक सिटी का निरीक्षण कर कार्ययोजना को अंतिम

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने उच्चस्तरीय बैठक में जयपुर परकोटे के संरक्षण पर चर्चा की।

रूप देने के निर्देश दिए। उन्होंने वॉल्ड सिटी क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने, शहर के सौंदर्य को प्रभावित करने वाले बैनर, विज्ञापन एवं अस्थायी अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए। विशेष रूप से हैरिटेज गेट्स एवं प्रमुख मार्गों पर नियमित निगरानी रखते हुए अवैध तत्वों को हटाया जाए।

मुख्य सचिव ने वॉल्ड सिटी जयपुर के लिए तैयार की जा रही विशेष क्षेत्र विरासत योजना (स्पेशल एरिया हैरिटेज प्लान) की प्रगति की समीक्षा की। इसमें बताया गया कि बेस मैप, सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइल, आजीविका, पर्यटन, परिवहन एवं गतिशीलता, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण एवं परिदृश्य तथा विधायी एवं प्रबंधन ढांचे से संबंधित विभिन्न घटकों पर कार्य प्रगति पर है। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यटन विभाग प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास एवं आवासन विभाग डॉ. देबाशीष पृष्टी, शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन सहित पर्यटन, स्वायत्त शासन, नगरीय विकास, नगर निगम जयपुर व अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

तेज रफ्तार कार ने साइकिल पर जा रहे तीन मजदूरों को कुचला

जयपुर। राजधानी जयपुर में तेज रफ्तार कार से दुर्घटना होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जबकि पुलिस हादसों को रोकने के लिए तमाम हथकंडे अपना रही है। इसके बावजुद भी आए दिन दुर्घटना होती नजर आ रहीं है। मंगलवार-बुधवार की मध्यरात्रि तेज रफ्तार कार ने विधाद्यर नगर थाना इलाके में साईकिल से घर जा रहे तीन मजदूरों को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में एक मजदूर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया व दूसरे मजदूर ने उपचार दौरान दम तोड़ दिया।

थानाधिकारी हिम्मत सिंह ने बताया कि कि मंगलवार- बुधवार की मध्यरात्रि क्रॉस मॉल के पास चारों मजदूर मैरिज गार्डन से कैटरिंग का काम करने के बाद अलग-अलग साइकिल से जालूपुरा स्थित अपने किराए के मकान पर जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने तीनों मजदूरों को जोरदार टक्कर मारते हुए फरार हो गई। हादसे की जानकारी मिलने के बाद विधाधर नगर पुलिस व भट्टा बस्ती थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए कांवटिया अस्पताल भिजवाया। वहीं चिकित्सकों ने देवत्त बेहरा उर्फ टप्पू (45) बालेश्वर ,ओडिशा निवासी को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल अमूल्य ने भी उपचार दौरान दम तोड़ दिया। वही गंभीर रुप से घायल संग्राम का उपचार जारी है। थानाधिकारी हिम्मत सिंह ने बताया बुधवार देर रात 18 से 20 मजदूर साइकिलों से अपने घर लौट रहें थे। तभी तेज रफ्तार कार ने क्रॉस मॉल रोड पर उन्हे कुचल दिया। जिससे कई मजदूरों को चोट आई। लेकिन एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं उपचार दौरान दूसरे मजदूर ने दम तोड़ दिया। हिम्मत सिंह ने बताया कि इस मामले में कई मजदूरों ने शिकायत ही दर्ज नहीं कराई है। जबकि इस मामले में कई अन्य मजदूरों को भी चोट आई है। थानाधिकारी हिम्मत सिंह ने बताया कि सभी मजदूर दूसरे राज्यों के रहने वाले है और यहां जयपुर के जालूपुरा इलाके में किराए का कमरा लेकर कैटरिंग का काम करते है। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार कार चालक की तलाश शुरु कर दी है। पुलिस इस मामले में कैटरिंग ठेकेदार से भी जानकारी हासिल करने में जुटी हुई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने रास्ता जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन की सूचना पर एडिशनल डीसीपी बजरंग सिंह शेखावत, एसीपी सुरेंद्र सिंह सहित कई अधिकारी मौके पर पहुंचे।

ARBIT it happens here...

राष्ट्रदूत
THURSDAY
05 February 2026
A-B

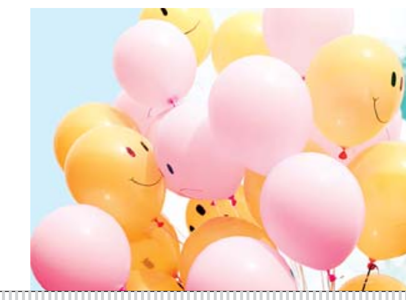

Celebrating Positivity, One Smile at a Time

Are you a glass-half-full or glass-half-empty person? If you're a natural optimist in life, you might consider yourself a glass-half-full. Others might feel challenging to be positive. Optimist Day, first celebrated in 2019 in Croatia, is the perfect excuse to embrace positivity, whether you're a natural optimist or a bit more sceptical. The festival, created by Somersby Cider, brought people together in Zagreb to enjoy summer sunshine, bright yellow balloons, and cheerful toasts with fellow dreamers. It's a day to focus on the good, celebrate life's small joys, and inject a little fun-fuelled optimism into everyday life. Optimist Day reminds us that positivity is contagious and worth celebrating.

Grey Jungle Fowl Rooster

Coming Home To The Bulbul, the Crow Pheasant, and the scream of the Peacock

PART:2

Red-naped or Indian Black Ibis

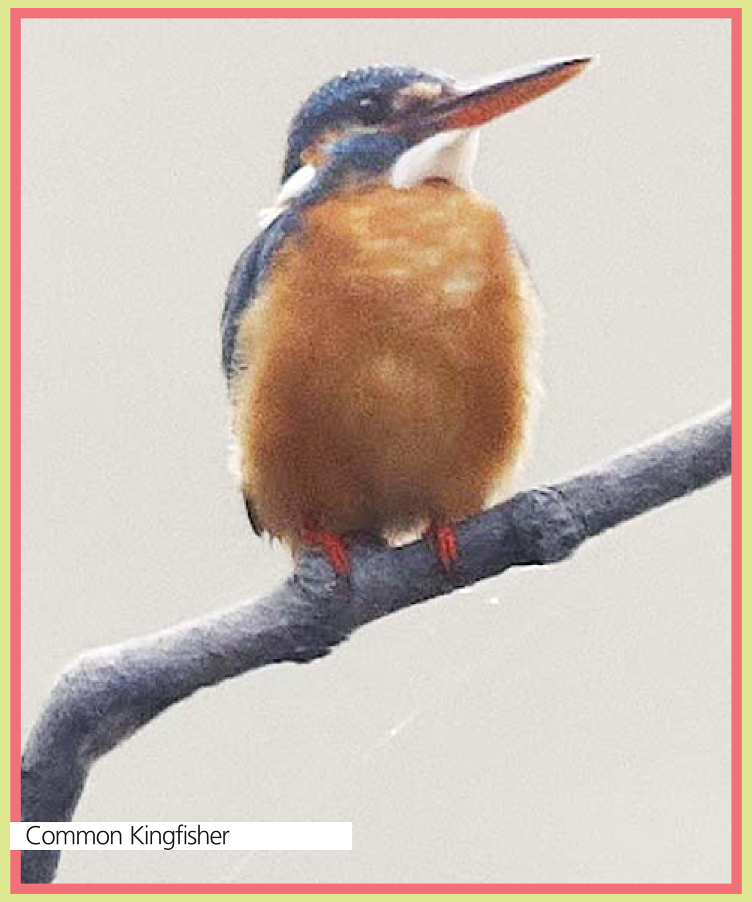
Common Kingfisher

Tiger, 2 year-old scratchy nose

Incidentally, this is why I am against trophy hunting where the best of the species gets killed, for no reason other than that it is so magnificent. This takes the best genes out of the breeding pool, reducing the quality of the species over time. We have seen this happen with animal after animal, all victims to mankind's insatiable egos. Another record mentions a cast antler from the Khandesh district measuring 52 inches, on the main beam. Chital antlers are slender and also three pointed and sweep backwards over the shoulders and curve upwards. The record for Chital antlers is 41 inches. Chital are among the most beautiful deer in the world and have been exported all over the world and you can see them in parks in America and Europe and elsewhere.

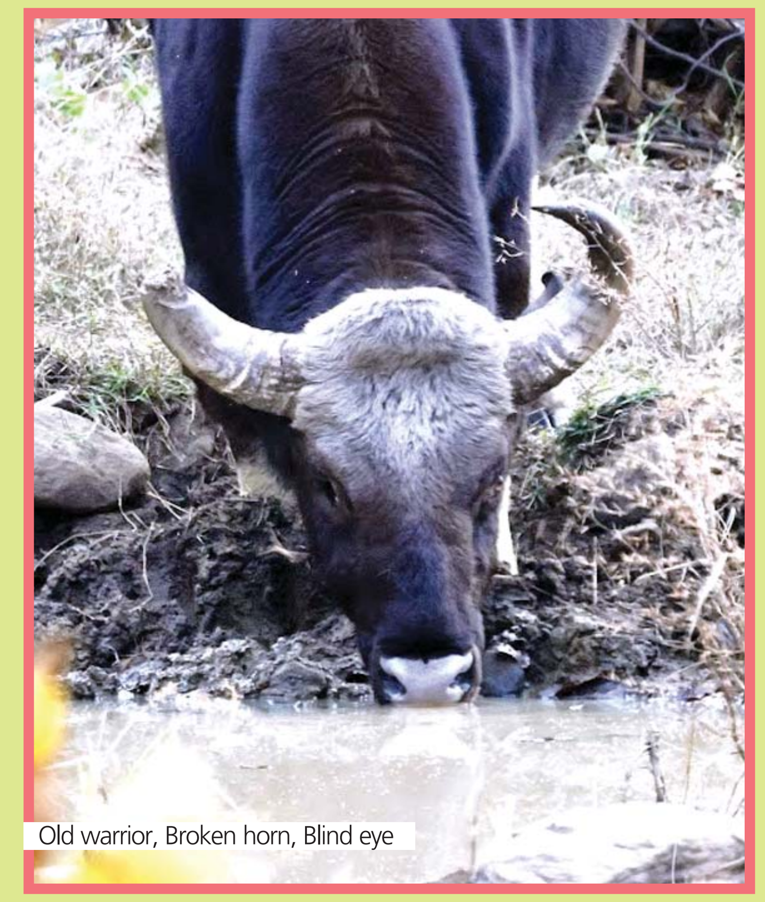
Old warrior, Broken horn, Blind eye

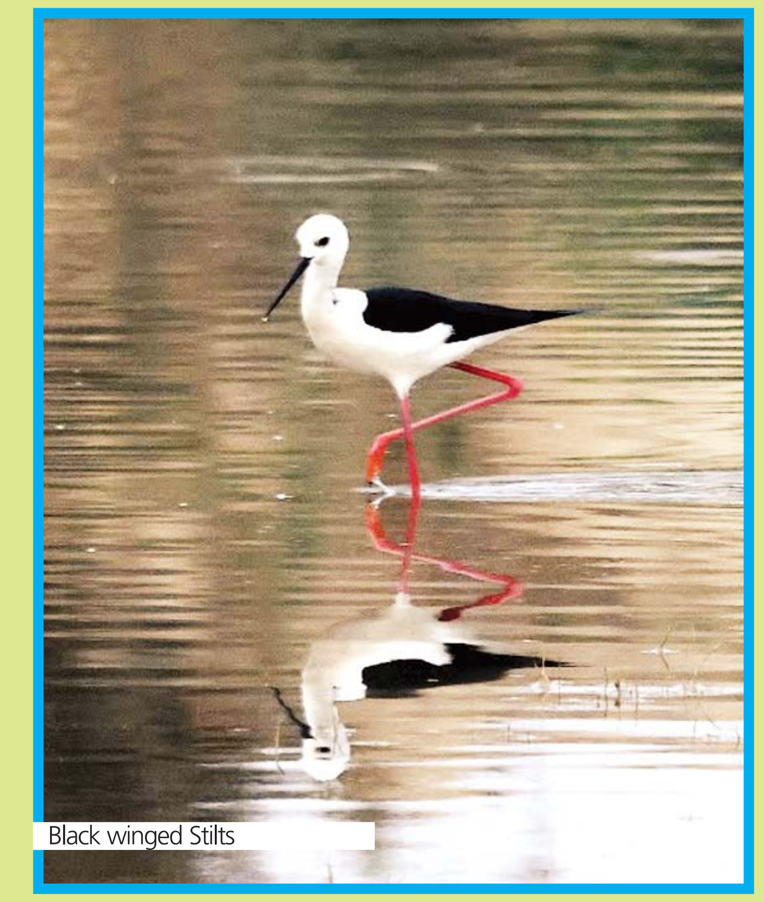
Black winged Stilts

Mirza Yawar Baig
Naturalist and Wildlife Conservationist

Sambar shed their antlers primarily in March and April, while Chital shed theirs between March and July. That is how we were able to see two magnificent Sambar and Chital stags with their racks intact. Sambar are the largest deer in India. Only males have antlers that typically feature three tines (points) on each beam.

Sambar antlers are large, rugged, and can reach lengths of up to 110 cm (43 inches). The record for Sambar antlers in India is an animal that was shot in Bhopal which had antlers with a main beam of 50.5 inches. Incidentally, this is why I am against trophy hunting where the best of the species gets killed, for no reason other than that it is so magnificent. This takes the best genes out of the breeding pool, reducing the quality of the species over time. We have seen this happen with animal after animal, all victims to mankind's insatiable egos. Another record mentions a cast antler from the Khandesh district measuring 52 inches, on the main beam. Chital antlers are slender and also three pointed and sweep backwards over the shoulders and curve upwards. The record for Chital antlers is 41 inches. Chital are among the most beautiful deer in the world and have been exported all over the world and you can see them in parks in America and Europe and elsewhere.

Great Egret and two Black winged Stilts

Both Sambar and Chital are on the menu for tigers and leopards and are well aware of this status and so are very skittish in forests where there are tigers and leopards. That makes them the most reliable informers about the movements of these two apex predators. Especially Sambar because Chital sometimes tend to get too high-strung and nervous and will sound their high-pitched bark even at shadows. But Sambar will not call until they can see the tiger or leopard and so their deep 'belling' is a totally reliable signal that the tiger is on the move and has been seen. The jungle talks to those who understand its language.

The Langur sentinel, from his perch on the highest tree, calls first, then Chital and finally Sambar and we head in that direction.

As we round a bend, we see, off to the right, a tiger on a low tree. He climbed up there for reasons he refused to disclose, but when he heard our Gypsy, he jumped down and started for the road. It was a two-year-old male cub who, our guide informed us, had got separated from his mother and two other siblings. Not too alarming a situation but one which he needs to correct soon. Tiger cubs are totally dependent on their mother for protection from other tigers, leopards, hyenas, wolves and almost anything else, all of whom firmly believe that the only good tiger is a dead tiger. And that the best thing about a cub is how easy it is to kill.

Full grown Bengal tigers stand 3.5 feet at the shoulder, measure 10-11 feet from the tip of the nose to the tip of the tail and weigh between 180-260 kilograms of liquid steel, otherwise called muscle.

#HOME

Some big specimens can go up to 300 kilograms. Not easy to kill, to say the least. But cubs are vulnerable and need constant protection. Tiger cubs also need their mother to teach them everything to do with jungle lore and how to hunt. For up to and sometimes more than two years, they can't hunt for themselves and their mother hunts and brings the kill to them or calls them to the kill depending on how big they are. That is another reason why hunting tigers is such an evil thing, because if you shoot the mother and she has cubs, you have effectively wiped out the entire family.

We moved forward slowly to keep the dust down. The cub came

into the road and walked along it, following us. If we waited too long and he got close, he would veer off into the undergrowth by the roadside. We would hurry forward, and he would come back into the road. The problem with moving and stopping was the dust, which was so heavy that every time we stopped, I couldn't see the tiger, thanks to the cloud of red dust that would cover him and us. We had several minutes of this follow the leader game when the tiger came to a signal tree. There, he reared up on his hind legs and hugged the tree, smelled the calling cards of other tigers who had been in the area, rubbed his face against the bark of the tree to leave his scent, and then, scored it

Tiger Umred.

Black winged Stilts

Sparring Gaur bulls

with his razor-sharp claws. Mature tigers also spray urine on signal trees to mark their territory and demonstrate dominance.

Eventually, the tiger wandered off into the jungle.

We proceeded onwards and took a long detour along the boundary of the fields belonging to a village adjacent to the park. In that open area to my great delight, I spotted a Chinkara (Gazella bennettii), the Indian gazelle. It is a small, graceful antelope native to South Asia's arid plains, deserts, and dry forests, known for its speed, shy nature, and ability to survive without much water. It has a reddish-buff coat, distinctive black and white facial stripes, and lives alone or in very small family groups. I was thrilled to see the Chinkara, which is so shy and elusive, that it is a very difficult animal to spot.

We came upon a small family herd of Gaur (Indian bison, Bos gaurus), grazing in a forest clearing. One of the big cows was chewing on a Chital bone, remnants of a tiger kill. They do this when they feel the need for a calcium supplement. Two young bulls were sparring, not a serious fight, but the needle-sharp points of the horns can still do damage. At a small water seepage, along came an old bull. A veteran warrior with one horn tip broken off and blind in the right eye. As he lowered his head to drink, he was joined by a Blue Bull male and they drank in companionable silence. A Grey Mongoose, one of a pair, watched us in open curiosity, torn between his need to discover who we were and following his mate who decided to leave him behind and disappeared in the bush.

As the day drew to a close, we came upon another clearing, literally teaming with Grey Jungle Fowl roosters. Just one or two hens, but some marvelous, flamboyant roosters. Eventually and reluctantly, we headed back to the gate, bodies pleasantly sore with being banged around in the Gypsies, driven over atrocious roads by drivers who could easily win the Dakkar Rally and do their best to prove that to you every day.

I was returning to the Indian jungle after almost eight years of having been away in America and elsewhere. For me, it was coming home. The calls of the Red-vented Bulbul, the Crow Pheasant, the Rufus Treepie, the Did-you-do-it of the Red-wattled Lapwing, the Kok-kow-Kow-Kok of the Grey Jungle fowl and the scream of the Peacock, signaling the coming of nightfall, were all music to my ears. Music long unheard and yearned for.

We stopped for tea beside a lake and I spotted a Great Egret, Black-winged Stilts, Little Egret, Common Kingfisher and Pied Kingfisher and an Asian Open-billed Stork, standing off to one side, refusing to socialize with common folk.

Later in the night, after a very welcome shower to wash off half the earth that was sticking to me, as I sat outside my room at the resort, I heard the hoot of Spotted Owlets, the call of the Nightjar which sits in the middle of pathways lying in wait for flying insects. He comes off his perch on the ground like a rocket of doom for the insect, catching it in mid-flight and comes back to his seat on the ground. Finally, as I was about to retire, I heard the bark of the Chital, signaling that the tiger was on the move. His day begins when mine ends.

Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com

Gaur cow, eating deer bone

Sparring Gaur bulls, friendly fight

Grey Jungle Fowl Rooster

THE WALL

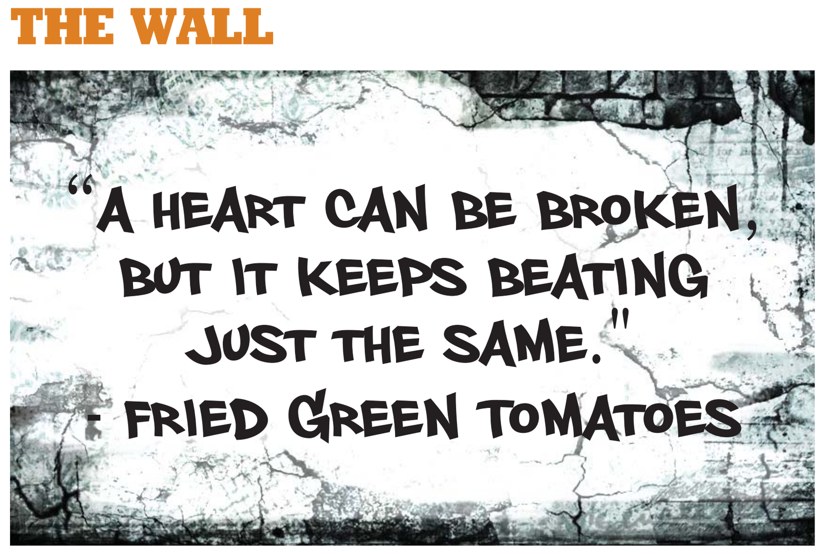

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

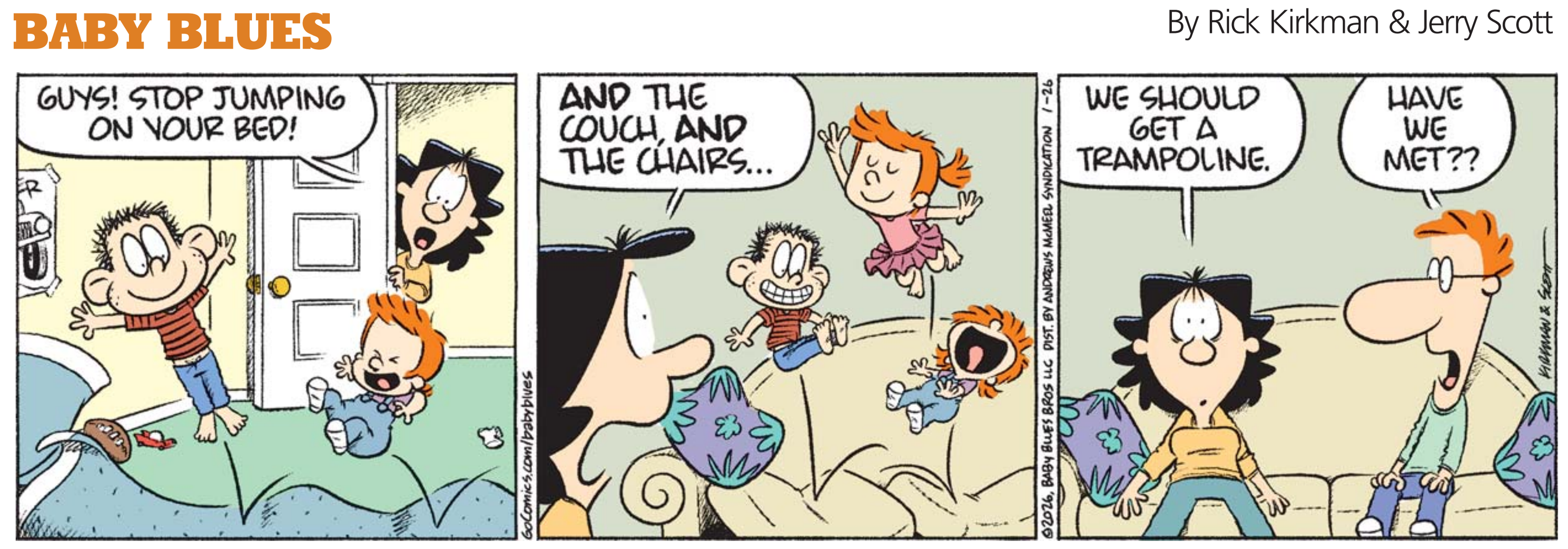

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

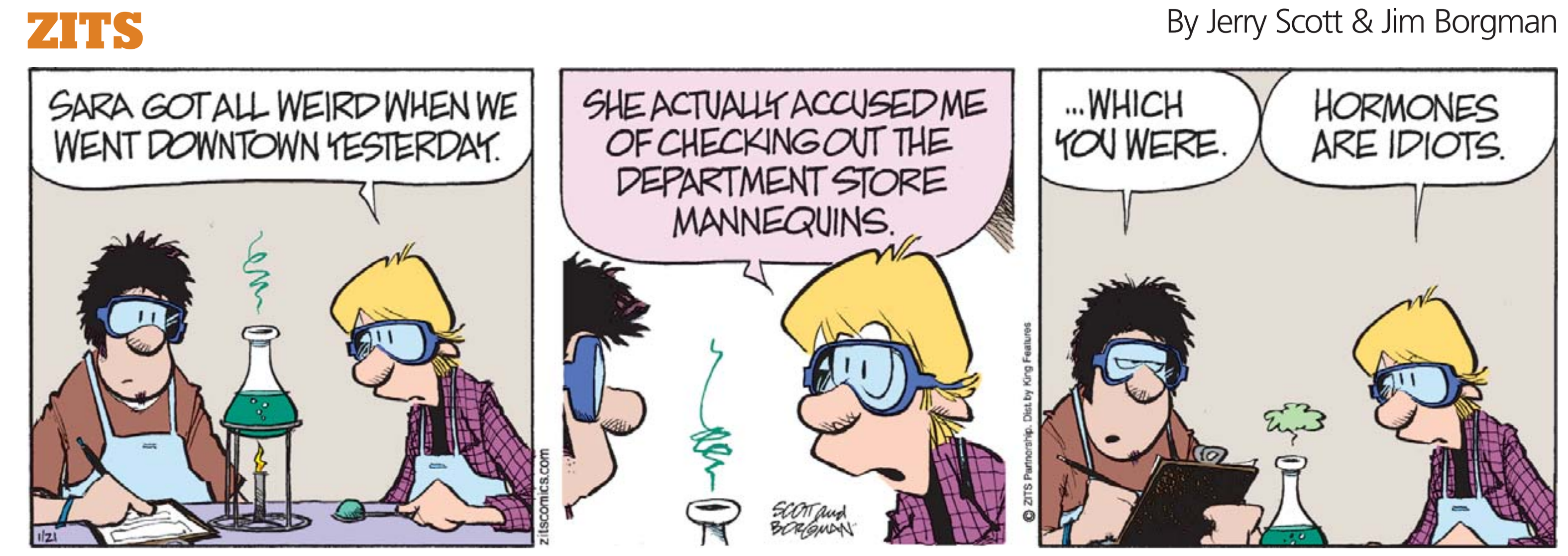

सरकारी विद्यालयों के जर्जर भवन की मरम्मत की मांग को लेकर कोटा में प्रदर्शन

दंडवत कर हेलमेट पहनकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

कोटा में सरकारी विद्यालयों के जर्जर भवन की मरम्मत करवाने की मांग को लेकर युवा कांग्रेस ने हेलमेट पहनकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा ।

- प्रदेश के 90 प्रतिशत विद्यालयों को मरम्मत की आवश्यकता है। खतरा होने के कारण विद्यालय भवन के बाहर कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। कुछ दिनों पूर्व झालावाड़ में जर्जर विद्यालय में हुए हादसे से भी सरकार ने सबक नहीं लिया
- युवा कांग्रेस द्वारा अभियान चलाकर आंदोलन किया जाएगा

कोटा, (निसं)। प्रदेश के सरकारी विद्यालयों के जर्जर भवन की मरम्मत करवाने की मांग को लेकर एवं जिस प्रकार छात्र-छात्राओं को खतरे के कारण विद्यालयों के बाहर शिक्षा ग्रहण करनी पड़ रही है।

हालात यह है कि भवनों के अंदर हेलमेट पहनना पड़ रहा है। इसके विरोध में राजस्थान युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव यश गौतम के नेतृत्व में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हेलमेट पहनकर दंडवत कर कलेक्टर पीयूष सामरिया को ज्ञापन सौंपा एवं मरम्मत करवाने की मांग की। यश गौतम ने बताया कि जहां एक ओर सरकार शिक्षा को लेकर बड़े-बड़े वादे कर रही है वहीं दूसरी ओर जर्जर भवन छात्र छात्राओं के जीवन के लिए बड़ा खतरा बने हुए है।

प्रदेश के 90 प्रतिशत विद्यालयों को मरम्मत की आवश्यकता है। खतरा होने के कारण विद्यालय भवन के बाहर कक्षाएं संचालित की जा रही है। कुछ दिनों पूर्व झालावाड़ में जर्जर विद्यालय में हुए हादसे से भी सरकार ने सबक नहीं लिया है।

इन छात्र-छात्राओं के जीवन की सुरक्षा करना सरकार का दायित्व है लेकिन सरकार अपनी आँखें बंद किए बैठे है। यह उनके जीवन के साथ बड़ी लापरवाही है। इसे लेकर हाई कोर्ट ने भी सख्त टिप्पणी की है। डबल इंजन की सरकार होने के बावजूद केंद्र से विद्यालयों की मरम्मत के लिए बजट ना आना सरकार के दोहरे चरित्र को दर्शाता है। छात्र-छात्राएं हेलमेट पहनकर अध्ययन करने को मजबूर है। इसी के विरोध में हेलमेट पहनकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा एवं विद्यालयों में अध्ययन कर रहे छात्र छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए विद्यालयों के जर्जर भवन की मरम्मत करवाने की मांग की हैं।

भवनों की यही दुर्दशा रहती है तो युवा कांग्रेस द्वारा इसके खिलाफ अभियान चलाकर बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। इसमें मुख्य रूप से प्रदेश सचिव मयंक चतुर्वेदी, महमूद खान, दिनेश लोधा, लखन वर्मा, सुनील कुमार, रक्षक मालवीय, पुष्पेंद्र हाड़ा, नरेंद्र सुमन एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सचिन पायलट ने पूर्व मंत्री भडाणा को श्रद्धा सुमन अर्पित कर किया नमन

- पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट और भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, गुर्जर नेता विजय बेसला सहित वरिष्ठ नेता किशनगढ़ बास के गांव बघेरी कला में भाजपा के नेता एवं पूर्व मंत्री हेमसिह भडाणा के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे

किशनगढ़ बास,(निसं)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट और भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, गुर्जर नेता विजय बेसला सहित वरिष्ठ नेता किशनगढ़ बास के गांव बघेरी कला में भाजपा के नेता एवं पूर्व मंत्री हेमसिह भडाणा के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे थे।

बुधवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेन्द्र राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, विजय बेसला, पूर्व विधायक रामहेत यादव ने दिवंगत भाजपा नेता हेमसिह भडाणा को श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी वहीं सचिन पायलट मंगलवार को देर रात करीब 9 बजे बघेरी कला संवेदना व्यक्त करने पहुंचे थे। इस दौरान कांग्रेस नेता सचिन पायलट के साथ सांसद मुरारीलाल मीणा, पूर्व मंत्री शकुंतला रावत, वरिष्ठ कांग्रेस नेता चंद्रभान भडाणा, विधायक मनीष यादव, पूर्व विधायक जी.आर. खटाना, पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर, कांग्रेस अध्यक्ष बलराम यादव, नवीन खैरिया, पूर्व प्रधान दयाराम चावड़ा भी शोक व्यक्त करने भडाणा के निवास पर पहुंचे थे।

भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़, विजय बेसला, पूर्व विधायक रामहेत यादव व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट सहित कांग्रेस नेताओं ने परिजनों का ढांढस बंधाया और कहा हेमसिह भडाणा जन जन के लोकप्रिय नेता के साथ सच्चे जनसेवक थे। हमेशा अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाते थे।

गुर्जर नेता विजय बैंसला ने हेमसिह भडाणा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे समाज और राजनीति दोनों के लिए अपूरणीय क्षित बताया। उन्होंने कहा कि हेमसिंह भड़ाणा एक विराट व्यक्तित्व के धनी थे और गुर्जर समाज की सशक्त आवाज के रूप में हमेशा अग्रिम पंक्ति में खड़े रहे।

बिना सजा के छह साल से जेल में आरोपी, हाइकोर्ट ने जताई चिंता

- सरकार की ओर से जमानत का विरोध करते हुए दावा किया गया कि ट्रायल में देरी आरोपी की वजह से है। वह चार्ज फ्रेमिंग पर दलीलें देने के लिए 60 बार से अधिक सुनवाई स्थगित करवा चुका है। आरोपी के खिलाफ 38 अन्य मामले दर्ज हैं, और यह करोड़ों के घोटाले का केस है, इसलिए गंभीरता को देखते हुए जमानत ना दी जाए

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बिना सजा के ही आरोपी को 6 साल से अधिक समय जेल में रखने पर गहरी नाराजगी जताते हुए इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का घोर उल्लंघन करार दिया।

जस्टिस अनिल कुमार उपमन की एकलपीठ ने मामले में सुनवाई करते हुए संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी के पूर्व चेयरमैन शैतान सिंह को जमानत देते हुए कड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि जब न्यायिक प्रक्रिया खुद दंड देने का रूप धारण कर ले, तो यह कानून के राज के लिए बेहद खतरनाक संदेश है।

याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव सुराणा ने बहस में बताया कि आरोपी के खिलाफ दर्ज धाराओं में अधिकतम 7 साल की सजा का प्रावधान है। वह 20 सितंबर 2019 से यानी 6 साल 4 महीने से जेल में है। एसओजी ने 2020 में जांच पूरी कर ली, लेकिन उसके पास से कोई वसूली नहीं हुई। मामले में सह-आरोपी देवी सिंह समेत 12 अन्य को पहले ही जमानत मिल चुकी है। सबसे बड़ी बात, ट्रायल शुरू होने से पहले चार्ज फ्रेम ही नहीं हुए हैं, ऐसे में मुकदमा लंबा खिंचेगा।

सरकार की ओर से जमानत का विरोध करते हुए दावा किया गया कि ट्रायल में देरी आरोपी की वजह से है। वह चार्ज फ्रेमिंग पर दलीलें देने के लिए 60 बार से अधिक सुनवाई स्थगित करवा चुका है। आरोपी के खिलाफ 38 अन्य मामले दर्ज हैं, और यह करोड़ों के घोटाले का केस है, इसलिए गंभीरता को देखते हुए जमानत ना दी जाए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने इसे न्याय व्यवस्था की पूर्ण विफलता बताते हुए चिंता जताई। न्यायमूर्ति ने कहा कि कोई आरोपी तब तक अपराधी नहीं ठहराया जा सकता, जब तक उसका अपराध कानूनी रूप से सिद्ध ना हो। सालों जेल में रखना सजा देने जैसा है, जो संविधान की आत्मा के विरुद्ध है। देरी का ठीकरा सिर्फ आरोपी के सिर नहीं फोड़ा जा सकता, खासकर जब अभियोजन पक्ष खुद तत्परता नहीं दिखा रहा।

जोधपुर में नाबालिग की मौत, पिता ने लगाया हत्या का आरोप

- नाबालिग की मां अपने पूर्व पति को छोड़कर अलग रहने लग गई थी। नाबालिग भी मां के साथ ही थी। ऐसे में नाबालिग की मौत के बाद पूर्व पति ने आरोप लगाया कि उसकी हत्या की गई हैं
- श्मशान घाट पर सात घंटे तक पड़ा रहा शव, पोस्टमार्टम के बाद हुआ अंतिम संस्कार

जोधपुर, (कासं)। जिले के बोरुंदा कस्बे में 17 साल की नाबालिग लडक़ी की मौत के बाद परिजनों के बीच विवाद हो गया। इसके चलते श्मशान घाट पर करीब सात घंटे तक शव का अंतिम संस्कार नहीं हो सका। शक और आपत्ति के चलते पुलिस को बीच में आना पड़ा और शव को बोरुंदा राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। इसके बाद सीएमएचओ के आदेश पर गठित मेडिकल बोर्ड से आज पोस्टमार्टम करवाया गया। बाद में दोनों पक्षों की रजामंदी से अंतिम संस्कार किया गया।

बता दें कि नाबालिग की मां अपने पूर्व पति को छोडक़र अलग रहने लग गई थी। नाबालिग भी मां के साथ ही थी। ऐसे में नाबालिग की मौत के बाद पूर्व पति ने आरोप लगाया कि उसकी हत्या की गई है। थानाधिकारी सुजानाराम विश्नोई ने बताया कि गत तीन फरवरी को महिला पुलिस थाना बालोतरा के माध्यम से सूचना मिली कि बालोतरा निवासी प्रियंका पुत्री अशोक कुमार लखारा की मृत्यु को लेकर उसके एक पक्ष के परिजनों को संदेह है और वे अंतिम संस्कार पर आपत्ति जता रहे हैं। सूचना मिलते ही बोरुंदा पुलिस मौके पर पहुंची और अंतिम संस्कार रुकवाया। उस समय युवती का अंतिम संस्कार उसके नाते आए परिवार द्वारा किया जा रहा था, जिसमें सौतेला पिता प्रवीण लखारा, माता बसंती देवी, दादा चंपालाल, चाचा नरपत सहित करीब ग्रामीण मौजूद थे। पुलिस ने बताया कि बाड़मेर निवासी मुकेश लखारा, मीरा देवी, अशोक लखारा (मृतक के पिता), कमल किशोर व कनका देवी सहित अन्य परिजनों ने मृत्यु को संदिग्ध बताते हुए अंतिम संस्कार पर रोक लगाई और मौके पर पहुंचे।

वर्तमान परिजनों के मुताबिक लडक़ी कुछ समय से बीमार थी, जिसका जोधपुर में इलाज चल रहा था। दो फरवरी रात करीब 8.30 बजे मथुरादास माथुर अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

बोरुंदा पक्ष का कहना है कि डॉक्टरों ने किडनी फेलियर को मौत की वजह बताया लेकिन पिता अशोक कुमार की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवाया। विवाद को देखते हुए सीएमएचओ के निर्देश पर मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया।

एक किलो अफीम जब्त

कोटा, (निसं)। कनवास पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्यवाही करते हुए एक कार से 13 किलो 820 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चुरा एवं 1 किलो 079 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम को जप्त कर दो तस्करों को गिरफतार किया है। पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये मादक पदार्थ की अन्तर्राष्टीय बाजार में कीमत 7 लाख 46 हजार 800 रूपये करीब है।

घर में घुसकर चोरी करने वालें तीन आरोपी गिरफ्तार

- चोरों ने मकान में दबिश देकर सोने चांदी के जेवर सहित दो लाख रुपए नगदी किए थे पार

सादुलपुर, (निसं)। निकटवर्ती गांव जयपुरिया पट्टा गांव में गत एक महापूर्व लगभग हुई चोरी के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर तीन दिन का पुलिस रिमांड लिया है। बुधवार शाम छः बजे मिली जानकारी में थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि मामले में आरोपी गुरप्रीत उर्फ गुरी बावरी उम्र 24 साल निवासी बावरीया वाली ढाणी तहसील पीलीबंगा पुलिस थाना हनुमानगढ तथा नानकराम उर्फ अमन कुमार बावरी उम्र 26 साल निवासी हरनामें वाली ढाणी तहसील सूरतगढ श्रीगंगानगर एवं काका सिंह बावरी (22) निवासी गीदड खेडा तहसील डब्बावाली पुलिस जिला सिरसा हरियाणा को गिरफ्तार किया है।

उन्होंने बताया कि तीनों आरोपियों को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया जहां न्यायाधीश ने पूछताछ के लिए तीन दिन के पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों से पूछताछ कर मामले में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के साथ-साथ चोरी का सामान बरामद करने की कार्रवाई करेंगे।

महावीर सिंह ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि 26 दिसंबर 2०25 की रात्रि वह खाना खाकर अपने घर में सो रहा था। रात्रि करीब 3 से 4 बजे के बीच अज्ञात चोर उसके घर में घुस आए और घर में रखी एक पेटी चोरी कर ले गए। चोरी गई पेटी में दो जोडी चांदी की पाजेब, दो सोने की अंगूठियां, दो सोने सोने की नाक की बालियां, दो चांदी की अंगूठियां, एक चांदी की गंठी ओर नकद ०2 लाख 1० हजार रुपये रखे हुए थे। पीडित ने दर्ज मामले में बताया कि 27 दिसंबर 2०25 की सुबह करीब ०5 बजे उसे रेलवे लाइन के पास वही पेटी खाली अवस्था में मिली, जिसका ताला टूटा हुआ था और कपडे बिखरे पडे थे, घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

बाईक सवार बदमाशों ने की फायरिंग

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर थाना इलाके में मंगलवार देर रात्रि को इलाके में स्थित चाय की दुकान पर बैठे युवक पर बाईक सवार बदमाशो ने फायरिंग कर दी, गनीमत रही की गोली युवक के पेट को छुकर निकल गई और युवक बाल-बाल बच गया। अचानक हुए घटनाक्रम से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मौके पर घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया और हमलावरों की तलाश के लिये शहर में नाकाबंदी की। उद्योग नगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि मंगलवार देर रात्रि को इलाके के कैथून रोड़ पर स्थित एक चाय की दुकान पर रायपुरा निवासी अंकित चंदेल बैठा हुआ था, तभी बाईक पर सवार आये बदमाशों ने अचानक से अंकित पर फॉयर कर दिया।

विपक्ष देख रहा मुंगेरीलाल के सपने : केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह

- जोधपुर दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील पर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर जमकर पलटवार किया

जोधपुर, (कासं)। केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब आर्थिक महाशक्ति बनने की उस दहलीज पर खड़ा है, जहां से पीछे मुडक़र देखना नामुमकिन है। शेखावत ने यूरोपीय यूनियन और अमेरिका के साथ हुए समझौतों पर बड़ा बयान देते हुए इसे मदर ऑफ ऑल डील्स बताया।

जोधपुर दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील पर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर जमकर पलटवार किया। उन्होंने तीखा तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष अभी अंधेरे में तीर चला रहा है। वह मुंगेरीलाल के सपने देख रहा है। जब डील का मसौदा ही सामने नहीं आया, तो आरोप किस बात के?

शेखावत ने कहा कि विपक्ष का विरोध सिर्फ दीवा स्वप्न जैसा है। अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए विपक्ष झूठ का पहाड़ खड़ा करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन जनता हकीकत जानती है। शेखावत ने केंद्र सरकार के बजट और अमेरिका के साथ हुई ऐतिहासिक ट्रेड डील को भारत के लिए गेमचेंजर करार दिया है। उन्होंने साफ कहा कि अब भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि जिस तरह से भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी धाक जमाई है, उससे देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में क्रांति आने वाली है। यह सिर्फ एक समझौता नहीं है, बल्कि भारत के एक्सपोर्ट (निर्यात) के लिए वह खुला आसमान है जिसकी कल्पना पहले कभी नहीं की गई थी। शेखावत के मुताबिक, इन डील्स से भारत में रोजगार और निवेश की बाढ़ आने वाली है।

बजट को देश का भविष्य बताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह मोदी सरकार का 11 साल में 12वां बजट है, जो सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि 2047 के विकसित भारत का रोडमैप है।

आरोपी डिटेन

उदयपुर, (कासं)। शहर के सूरजपोल थाना पुलिस ने हतया के प्रयास में तीन वर्ष से फरार इनामी अभियुक्त को डिटेन किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश प अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा,पुलिस उप ाधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सुपरविजन में सूरजपोल थानाधिकारी रतनसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने प्रकरण संख्या 196/2023 धारा 307,326,34 भादस में वांछित विधी से संघर्षरत बालक को पालनपुर गुजरात से डिटेन किया गया।

शिक्षा विभाग का कनिष्ठ सहायक गिरफ्तार

ऑडिट में पकडी गई 15.21 लाख की गड़बड़

- विभाग ने आरोपी को राशि जमा कराने का नोटिस दिया, जिसके जवाब में उसने 5 लाख और 10.21 लाख रुपए के दो चेक दिए थे

डूंगरपुर, (निसं)। जिले की धम्बोला थाना पुलिस ने सीमलवाडा ब्लॉक के सीबीईओ कार्यालय के तत्कालीन कनिष्ठ सहायक को गिरफ्तार किया है। उस पर 15 लाख 21 हजार 549 रुपए के गबन का आरोप है। यह मामला ऑडिट के दौरान सामने आया था। वर्तमान ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी लक्ष्मण कुमार डामोर ने धम्बोला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

रिपोर्ट के अनुसार तत्कालीन कनिष्ठ सहायक और कैशियर अनिल लौहार ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए सरकारी धन में हेराफेरी की। आरोपी वर्ष 2008 से 2016 के बीच कैशियर के पद पर कार्यरत था। अनिल लौहार पर सरकारी 15 लाख 21 हजार 549 रुपए की राशि का गबन करने का आरोप है। गबन का खुलासा ऑडिट और भौतिक सत्यापन के दौरान हुआ था। विभाग ने आरोपी को राशि जमा कराने का नोटिस दिया, जिसके जवाब में उसने 5 लाख और 10.21 लाख रुपए के दो चेक दिए थे।

हालांकि,बैंक में पर्याप्त राशि न होने के कारण ये चेक बाउंस हो गए। विभाग की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। इसी मामले में पुलिस ने आज निलंबित चल रहे तत्कालीन कनिष्ठ सहायक अनिल लौहार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उससे आगे की पूछताछ कर रही है।

रतनपुर बॉर्डर पर कंटेनर से 5.50 लाख की शराब जब्त

बिछीवाडा थाना पुलिस ने रतनपुर बॉर्डर पर एक कंटेनर से 5.50 लाख रुपए की अवैध शराब जब्त की।

- ड्राइवर की सीट के ऊपर गुप्त केबिन में छुपा रखी थी,ड्राइवर गिरफ्तार

डूंगरपुर। जिले की बिछीवाडा थाना पुलिस ने रतनपुर बॉर्डर पर एक कंटेनर से 5.50 लाख रुपए की अवैध शराब जब्त की है। पुलिस ने कंटेनर ड्राइवर को भी गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई एसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन स्वच्छता के तहत की गई।

बिछीवाडा थाने के सीआई ने बताया कि एसपी के निर्देश पर अवैध शराब और अन्य मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ ऑपरेशन स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत बिछीवाडा थाना पुलिस राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर नाकेबंदी कर रही थी। नाकेबंदी के दौरान पुलिस को मुखबिर से अवैध शराब तस्करी की सूचना मिली। सूचना के आधार परए पुलिस ने उदयपुर की ओर से आ रहे एक कंटेनर को रुकवाया और उसकी तलाशी ली। कंटेनर के अंदर चोको फ्लेक्स और कॉर्न फ्लेक्स भरे हुए थे। मुखबिर की सूचना पुख्ता होने के कारण पुलिस ने कंटेनर की गहन तलाशी ली। इस दौरान कंटेनर के केबिन में ड्राइवर की सीट के ऊपर एक गुप्त केबिन बना हुआ मिला, जिसमें हरियाणा निर्मित शराब के कार्टन भरे हुए थे। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत कंटेनर को जब्त कर लिया और उत्तर प्रदेश निवासी ड्राइवर निजाम खान को गिरफ्तार किया। कंटेनर से शराब के 44 कार्टन बरामद हुए,जिनकी बाजार कीमत लगभग 5 लाख 50 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस चालक से आगे की पूछताछ कर रही है।

आनासागर वेटलैंड क्षेत्र में सीजिंग की कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर

राजस्थान हाईकोर्ट का फैसला निरस्त

अजमेर, (कासं)। आनासागर वेटलैंड क्षेत्र में अवैध निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा की गई सीजिंग की कार्रवाई को सर्वोच्च न्यायालय ने उचित ठहराया है। सर्वोच्च न्यायालय ने राजस्थान उच्च न्यायालय के उस आदेश को निरस्त कर दिया है, जिसमें प्राधिकरण को संपत्ति की सीज खोलने के निर्देश दिए गए थे। इस निर्णय से एडीए प्रशासन को बड़ी राहत मिली है और वेटलैंड क्षेत्र में नियमों के उल्लंघन पर लगाम कसने का रास्ता साफ हो गया है।

मामला आनासागर झील के निकट स्थित भूमि से जुड़ा है, जहाँ 'जय टील कंसलटेंट' द्वारा बिना भू-उपयोग परिवर्तन कराए और बिना मानचित्र स्वीकृति के बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक निर्माण कर व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था। इन अनियमितताओं को देखते हुए एडीए ने 15 जुलाई 2025 को नोटिस जारी कर संपत्ति को सीज करने की कार्रवाई की थी।

हाईकोर्ट का आदेश और अवमानना का तर्क - इस सीजिंग के खिलाफ संबंधित फर्म ने राजस्थान उच्च न्यायालय (जयपुर पीठ) में अवमानना याचिका (696/2024) दायर की थी। याचिकाकर्ता का तर्क था कि वर्ष 2012 के एक अंतरिम आदेश के अनुसार, उन्हें बिना न्यायालय की अनुमति के भूमि से बेदखल नहीं किया जा सकता था। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने 18 सितंबर 2025 को सीज खोलने का आदेश जारी किया था।

हाईकोर्ट के आदेश के विरुद्ध एडीए ने सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दायर की। प्राधिकरण की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता बलबीर सिंह और अजय सिंह ने पैरवी करते हुए स्पष्ट किया कि 2012 का आदेश केवल 'बेदखली' रोकने से संबंधित था, न कि अवैध निर्माण को संरक्षण देने के लिए। एडीए ने तर्क दिया कि बिना अनुमति के किए गए अवैध निर्माण को सीज करना प्राधिकरण का वैधानिक अधिकार है।

एक करोड़ की अवैध शराब मय ट्रक जब्त, आरोपी गिरपतार

ट्रक में पंजाब निर्मित अवैध शराब के आठ सौ कार्टन जब्त कर एक तस्कर को गिरपतार किया

रेवदर, (निसं)। रेवदर के निकट मंडार पुलिस ने बुधवार को ट्रक में पंजाब निर्मित अवैध शराब के आठ सौ कार्टन जब्त कर एक तस्कर को गिरपतार किया। जब्तशुदा शराब व ट्रक की बाजार कीमत करीब एक करोड बीस लाख रूपये आंकी गई है ।

सिरोही पुलिस ने पिछले 6 महिनों में अवैध शराब तस्करी के विरूद्ध कुल 28 बडी कार्यवाहियां कर कुल 6680 कार्टन अवैध शराब सहित कुल 16 ट्रक व 12 छोटे वाहन जब्त किए ।

मंडार थानाधिकारी प्रवीणकुमार आचार्य के नेतृत्व में मंगलवार मध्यरात्रि को शराब तस्करी के विरुद्ध बडी कार्यवाही करते हुए टोल प्लाजा मण्डार के पास नाकाबंदी के दौरान एक ट्रक से पंजाब निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब के 800 कार्टन जब्त किये जाकर 1 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।

कैलाशचंद सहायक उप निरीक्षक पुलिस मय जाब्ता द्वारा टोल प्लाजा मण्डार के पास नाकाबंदी के दौरान सिरोही-रेवदर की तरफ से आये ट्रक की गहनता से चैकिंग की गई तो उक्त वाहन ट्रक में सोयाबडी भरे प्लास्टिक के कट्टों के नीचे तस्करी के आशय से छिपाकर पंजाब राज्य निर्मित अवैध शराब के कार्टन भरे हुये पाये जाने पर वाहन ट्रक में भरे सोयाबडी भरे प्लास्टिक के कट्टों को हटाकर उक्त कट्टों के नीचे छिपाकर भरे हुये अवैध पंजाब निर्मित शराब के 800 कार्टन पाये गये। जिस पर वाहन के चालक गणेशाराम के कब्जे से ट्रक में भरी अवैध शराब को जब्त कर अभियुक्त गणेशाराम को गिरफ्तार किया गया। अवैध शराब से भरे ट्रक को पंजाब-हरियाणा से प्राप्त कर कोटपुतली-बहरोड, जयपुर, अजमेर, ब्यावर, पाली होते हुये गुजरात राज्य में सप्लाई के लिये मण्डार तक पहुंचना बताया गया है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त से शराब लाने व सप्लाई देने के सम्बंध में अनुसंधान किया जा रहा है। पुलिस ने गणेशाराम पुत्र प्रेमाराम जाति नायक उम्र 33 साल निवासी परसनेउ पुलिस थाना राजलदेसर जिला चुरू को गिरपतार किया।

संक्षिप्त

अनुजा आयोग के अध्यक्ष टोंक दौरे पर

टोंक(निसं)। राजस्थान अनुसूचित जाति वित्त एंव विकास आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार नायक, बुधवार को टोंक दौरे पर रहे। इस दौरान जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल एंव परियोजना प्रबन्धक राज. अनु. जाति जनजाति वित्त एंव विकास सहाकरी निगम लिमिटेड करतार सिंह मीना के साथ समीक्षा बैठक ली। परियोजना प्रबंधक ने बताया कि आयोग के अध्यक्ष नायक अनुजा निगम द्वारा जिले में किये जा रहें कार्यो की प्रगति से अवगत कराया गया।

सामुदायिक भवन का लोकार्पण आज

निवाई(निसं)। नगर पालिका के तत्वावधान में 5 फरवरी को सुभाष कॉलोनी में नवनिर्मित सामुदायिक भवन का भव्य लोकार्पण समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी करेंगे। पार्षद बाबूलाल सैनी ने बताया कि सामुदायिक भवन के निर्माण होने से स्थानीय निवासियों को सामाजिक कार्यक्रमों, बैठकों व सुविधायुक्त स्थान मिलेगा।

डॉ. अखिलेश सेवारत चिकित्सक संघ के अध्यक्ष बने

दौसा(निसं)। अखिल राजस्थान सेवारत चिकित्सक संघ दौसा (अरिसदा) की बैठक बुधवार को रावत पैलेस में पूर्व अध्यक्ष डॉ. कपिल देव मीना, डॉ. बाबू लाल मीना (आर.सी.एच.ओ) की अध्यक्षता मे आयोजित की गई।

तीये की बैठक

श्रीमती प्रभाती देवी धर्मपत्नी स्व. श्री गोरीशंकर जी शर्मा (गढ़ की बड़ी ढाणी) का स्वर्गवास दिनांक 03.02.2026 को हो गया है। जिनकी तीये की बैठक दिनांक 05.02.2026 को 3 से 4 बजे तक हमारे निवास स्थान हनुतिया, शाहपुरा पर होगी। शोकाकुल—: हरिनारायण, मदनलाल शर्मा (दामाद) निवासी— हनुतिया मो. न. 9928115206.

नाम परिवर्तन

मैं रिचा पत्नी श्री जितेन्द्र रामचंदानी निवासी एल एल 132, सेठी कॉलोनी, आगरा रोड, जयपुर। मैंने अपना नाम रिचा किंगरानी से बदलकर रिचा (RICHA) रख लिया है। भविष्य में मुझे रिचा के नाम से जाना जाये।

मैं राकेश कुमार नेभनानी पुत्र श्री चन्द्र भान निवासी 161, संत गुरुदेव नानक मार्ग, कंवर नगर, जयपुर। मैंने अपना नाम राकेश नेभनानी से बदलकर राकेश कुमार नेभनानी (RAKESH KUMAR NEBHNANI) रख लिया है। भविष्य में मुझे राकेश कुमार नेभनानी के नाम से जाना जाये।

मैं 15414211—N हवलदार ओम प्रकाश कुम्हार निवासी एमएच जयपुर ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट जयपुर (राजस्थान) के समक्ष दिनांक 31.01.2026 को दिए गए शपथ पत्र के अनुसार अपनी माता का नाम भगावती देवी से भगवती देवी रख लिया है।

I have changed my name from Chiranji Kumar Joshi to Chiranjeev Kumar Joshi A-5 Vaishali Marg Vaishali Nagar Jaipur

I have changed my name from Mohammed sahid khan to sahid khan r/o 201 manna Ji hathe ke pass mohalla handipura amber Jaipur

I have changed my name from Abhishek Agrawal to Abhishek Agarwal for all future purposes. Add. 81/51, Patel Marg, Mansarovar, Jaipur- 302020

I have changed my name from Bharat Bhushan Agrawal to Bharat Bhushan Agarwal for all future purposes. Add. 81/51, Patel Marg, Mansarovar, Jaipur- 302020

I have changed my name from Bharat to Bharat Dhanjani son of Arjun Das. I will be known by this name in future. Address:- plot no 10, Vidhyut Abhiyanta Colony, Hans Marg Malviya Nagar, Jaipur,Rajasthan 302017.

मै किशन लाल पुत्र श्योकरण जाट निवासी पड़सोली तहसील दूदू का मेरा नाम पहचान पत्र, खातेदारी जमीन व स्कूल में किशनलाल पुत्र श्योकरण दर्ज है कुछ दस्तावेज में बनवारी दर्ज कर दिया गया जो गलत है मुभे किशनलाल पुत्र श्योकरण के नाम से जाना पहचाना जाये।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कलक्टर ने किया 'बाल अधिकारिता विभाग' संस्थाओं के निर्माणाधीन विकास कार्यों का निरीक्षण

■ निरीक्षण के दौरान संप्रेषण गृह में आवासरत बालकों से बातचीत कर उनको प्रदान की जा रही सुविधाओं का फीडबैक लिया

जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने विकास कार्यों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

अलवर, (निसं) । जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आज बाल अधिकारिता विभाग के अधीन संचालित सम्प्रेषण गृह, शिशु गृह एवं यूआईटी के प्रगतिरत विकास कार्यों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिला कलक्टर ने निरीक्षण के दौरान संप्रेषण गृह में आवासरत बालकों से बातचीत कर उनको प्रदान की जा रही सुविधाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक को निर्देश दिये कि बच्चों को किसी भी माध्यम के द्वारा शैक्षिक गतिविधियों से जोडा जावे तथा प्रतिदिन के शिड्यूल के अनुसार नियमित रूप से निर्धारित गतिविधियां सम्पन्न कराई जाए। उन्होंने शिशु गृह का निरीक्षण कर समुचित व्यवस्थाओं का जायजा लेकर बच्चों के स्वास्थ्य और उनकी परवरिश की जानकारी प्राप्त की तथा बालकों की चिकित्सा पत्रावली का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने बच्चों की दत्तक ग्रहण प्रक्रिया को निर्धारित समय अवधि में पूरा कराने की निर्देश दिये। साथ ही 3 वर्ष से अधिक आयु के बालकों को शाला पूर्व शिक्षा के लिए आंगनबाड़ी केंद्र पर भेजने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने निर्देश दिये कि बाल कल्याण समिति को निर्धारित समय अवधि में प्रकरणों के निर्धारण करें। उन्होंने नियमित रूप से साफ सफाई स्वच्छता और व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये।

जिला कलक्टर ने सूर्य नगर बी ब्लॉक पार्क का निरीक्षण कर यूआईटी के अधिकारियों निर्देश दिये कि पार्क को अलवर दर्शन पार्क की तर्ज पर विकसित करने की संभावनाओं पर कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिये कि पार्क की फाउन्टेन को दुरूस्त कराकर चालू करावे।

साथ ही पार्क के सौन्दर्यकरण का विस्तृत प्लान तैयार करें। इसके उपरान्त उन्होंने बुध विहार के सी ब्लॉक में निर्माणाधीन ओपन लाइब्रेरी का निरीक्षण कर निर्देश दिये कि ओपन लाइब्रेरी का कार्य की प्रभावी मॉनिटरिंग करते हुए कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप में पूर्ण करावे, जिससे यहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों एवं आमजन को ओपन लाइब्रेरी का लाभ मिल सके। साथ शहर के अन्य पार्कों में प्रगतिरत कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए उनका रख-रखाव सुनिश्चित करें।

इस दौरान बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक रविकांत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक लक्ष्मण सिंह, यूआईटी के अधिशासी अभियन्ता अशोक मदान, सहायक अभियन्ता धर्मेन्द्र यादव, कनिष्ठ अभियन्ता दौलतराम, संप्रेक्षण गृह के अधीक्षक संजय वर्मा, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष रेनू गुप्ता, ज्योति आहूजा एवं किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य श्री चंद्रशेखर शर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सैकड़ों विद्यार्थियों व शिक्षकों का विशेष उपलब्धि पर सम्मान

सांभरझील, (निसं)। यहां पीएम श्री दरबार राजकीय उच्च मा. विद्यालय में वार्षिकोत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में उपखंड अधिकारी ऋषिराज कपिल, नागरिक विकास समिति के अध्यक्ष अनिल गट्टानी, सचिव जितेंद् डांगरा, गोवर्धन नाथ मंदिर के महंत जुगलदास महाराज, सांभर साल्ट जीएम सतीश चौथंकर, अधिशासी अधिकारी छगनलाल यादव, पूर्व माली समाज अध्यक्ष भगवान सहाय सहित अनेक प्रबुद्धजनों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर दरबार स्कूल के पूर्व व्याख्याता शिम्भू दयाल यादव का असिस्टेंट प्रोफेसर भूगोल के रूप में चयन होने पर सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों व अतिथियों की भोजन प्रसादी रखी गई । सांभर थाना एएसआई महेश ढाका द्वारा सभी 700 विद्यार्थियों व 50 शिक्षकों को पेन गिफ्ट किया गया। गोठरवाल ने बोर्ड कक्षाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने विद्यार्थियों को इक्कीस सौ रूपये तथा शिम्भूदयाल द्वारा कला संकाय में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ग्यारह हजार रूपये देने की घोषणा की।

'ग्राम उत्थान शिविर' के तहत जिले में 9 फरवरी तक लगेंगे शिविर

■ राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्राम उत्थान शिविरों के सफल संचालन में संबंधित विभागों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है

कोटपुतली(निसं) । राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्राम उत्थान शिविरों के सफल संचालन में कृषि, पंचायतीराज, पशुपालन, गोपालन तथा मत्स्य विभाग सहित संबंधित विभागों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

इन शिविरों के तहत पावटा उपखण्ड में 5 फरवरी को टसकोला गिरदावर सर्किल के लिए अटल सेवा केन्द्र टसकोला में, 6 फरवरी को दांतिल गिरदावर सर्किल के लिए अटल सेवा केन्द्र दांतिल में, 7 फरवरी को पंचायत समिति पावटा में, 09 फरवरी 2026 को प्रागपुरा गिरदावर सर्किल के लिए ग्राम पंचायत भवन प्रागपुरा में शिविर आयोजित होंगे।

इसी प्रकार बहरोड़ उपखण्ड में 05 फरवरी को बर्ड़ोद गिरदावर सर्किल के लिए भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र कारोडा में, 06 फरवरी को रिवाली गिरदावर सर्किल के लिए भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र बूढवाल में, 07 फरवरी को गण्डाला गिरदावर सर्किल के लिए भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र गण्डाला में, 08 फरवरी को महाराजावास गिरदावर सर्किल के लिए भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र महाराजावास में, 09 फरवरी को बहरोड़ तरफ गंगाबिशन के लिए नगर परिषद बहरोड़ में शिविर आयोजित होंगे।

इसी प्रकार बानसूर उपखण्ड में 05 फरवरी को बुटेरी में, 06 फरवरी को गिरूडी में, 07 फरवरी को हरसौरा में, 08 फरवरी को बाबरिया में, 09 फरवरी को गूंता में शिविर आयोजित होंगे। इसी प्रकार विराटनगर उपखण्ड में 05 फरवरी को आंतेला गिरदावर सर्किल के लिए अटल सेवा केन्द्र आंतेला में, 06 फरवरी को पालडी गिरदावर सर्किल के लिए अटल सेवा केन्द्र पालडी में, 07 फरवरी को मैड गिरदावर सर्किल के लिए अटल सेवा केन्द्र मैड में, 09 फरवरी को कार्यालय पंचायत समिति विराटनगर परिसर में शिविर आयोजित किए जाएँगे।

इसी प्रकार कोटपूतली उपखण्ड में 05 फरवरी को सरूण्ड गिरदावर सर्किल के लिए भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र सरूण्ड में, 06 फरवरी को सांगटेडा गिरदावर सर्किल के लिए भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र सांगटेडा में, 07 फरवरी को मोहनपुरा गिरदावर सर्किल के भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र मोहनपुरा में, 08 फरवरी को गोरधनपुरा गिरदावर सर्किल के लिए भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र गोरधनपुरा में, 09 फरवरी को नगर परिषद कोटपूतली में शिविर आयोजित किए जाएँगे।

इसी प्रकार नारायणपुर उपखण्ड में 05 फरवरी को नीमूचाना गिरदावर सर्किल के लिए भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र नीमूचाना में, 06 फरवरी को ज्ञानपुरा गिरदावर सर्किल के लिए भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र ज्ञानपुरा में शिविर आयोजित किए जाएँगे।

रेडक्रॉस सोसाइटी ने बांटे मरीजों के परिजनों को कंबल

जिला अस्पताल (जनाना) में भर्ती मरीजों के परिजनों को सर्दी के समय में कंबल बांटे।

टोंक(निसं)। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा कंबल निधि योजना अंतर्गत जिला अस्पताल (जनाना) में भर्ती मरीजों के परिजनों को सर्दी के समय में कंबल बांटे। इस मौके पर संगठन सचिव हनुमान सिंह सोलंकी ने बताया कि यह कंबल निधि इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा पूरे राज्य में शुरू कि गई है क्योंकि मरीज के लिए तो कंबल अस्पताल प्रबंधन द्वारा उपलब्ध करा दिया जाता है लेकिन बाहर से आने वाले मरीज के परिजनों को सर्दी में कंबल के लिए परेशान होना पड़ता है।

तेज सर्दी को देखते हुए स्टेट चेयरमैन राजेश कृष्ण बिरला के निर्देश अनुसार सभी जिलों में मरीज के परिजनों के लिए कंबल निधि योजना अंतर्गत अस्पताल प्रबंधन को कंबल उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। सोसायटी द्वारा मातृ एवं शिशु चिकित्सालय जनाना हॉस्पिटल के प्रभारी डॉ. सत्यनारायण चौधरी को संगठन की ओर से 25 कंबल सौंपे गए, जिस पर डॉ. चौधरी ने सभी सोसाइटी के सदस्यों को आश्वासन दिया कि परिजनों हेतु यह पुनीत कार्य है हम परिजनों को रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से कंबल नियमित रूप से उपलब्ध करवाते रहेंगे और रेड क्रॉस सोसाइटी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान कार्यक्रम में रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्य डॉ सीताराम विजयवर्गीय, डॉ प्रदीप गहलोत, पुलकित सिंहल, बृजमोहन गुप्ता, प्रवीण सिंह, रमेश सैनी, संदीप बोहरा, पंकज शर्मा, हर्षिता जैन, बनवारी शर्मा, राकेश तशहरा, वर्दी चंद गुर्जर आदि लोग कार्यक्रम में शामिल हुए।

विभिन्न स्थानों पर की गई अतिक्रमण निरोधक कारवाई

अलवर(निसं) । नगर विकास न्यास के अतिक्रमण निरोधक दस्ते द्वारा न्यास क्षेत्राधिकार में बिना न्यास स्वीकृति एवं भू-संपरिवर्तन कराए कृषि भूमि पर ग्रेवल सडक विकसित कर अवैध प्लॉटिंग, चारदीवारी को ध्वस्त करने की कार्रवाई गई। नगर विकास न्यास की सचिव श्रीमती धाइगुडे स्नेहल नाना ने बताया कि ग्राम भूगोर झोपडी के खसरा नंबर 645 में करीब एक बीघा कृषि भूमि पर बन्नाराम मीणा, मुकेश, बृजमोहन, महेन्द्र, संतोष देवी, छाजूराम व अन्य द्वारा विकसित की जा रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त किया गया। इसी प्रकार अम्बेडकर नगर के वेयर हाउस योजना में सडक के मुख्य भाग पर अवैध रूप से खोखे, थडियां लगाकर किए गए अतिक्रमण को हटाकर न्यास भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया।

संविदा नियुक्तियों की चयन प्रक्रिया पर रोक एवं एनईपी के अनुरूप पुर्नसंरचना की माँग

■ महाविद्यालयों की वर्तमान संकल्पना एवं संचालन व्यवस्था के विरोध में शांतिपूर्ण एवं मर्यादित विरोध प्रदर्शन किया गया

कोटपूतली, (निसं)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, राजस्थान (उच्च शिक्षा) की ईकाई राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय कोटपूतली द्वारा बुधवार को राज-सीईएस महाविद्यालयों की वर्तमान संकल्पना एवं संचालन व्यवस्था के विरोध में शांतिपूर्ण एवं मर्यादित विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्राध्यापकों ने महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर काली पट्टी बांधकर तथा मांगों से संबंधित प्ले-काड्र्स लेकर अपना विरोध दर्ज कराया। महासंघ का स्पष्ट मत है कि राज-सीईएस योजना के अंतर्गत संचालित महाविद्यालयों का वर्तमान स्वरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की मूल भावना के विपरित है। इन महाविद्यालयों में स्थाई अकादमिक ढ़ांचे का अभाव, अपर्याप्त अधोसंरचना एवं संसाधन, शोध एवं नवाचार की संभावनाओं का ना होना तथा संविदा एवं अस्थाई नियुक्तियों पर आधारित अध्यापन व्यवस्था राज्य की उच्च शिक्षा को गुणवत्ता, बहुविषयकता एवं अकादमिक निरंतरता से दूर ले जा रही है।

महासंघ ने अवगत कराया कि सत्र 2020-21 से 2022-23 के मध्य राज-सीईएस योजना के अंतर्गत 303 नवीन महाविद्यालय खोले गये तथा वर्तमान सरकार के कार्यकाल में सत्र 2023-24 एवं 2024-25 में 71 अतिरिक्त राज-सीईएस महाविद्यालय खोले जा चुके हैं, जिससे इनकी कुल संख्या 374 हो गई है। इनमें से लगभग 260 राज-सीईएस महाविद्यालयों में आज भी एक भी स्थाई संकाय सदस्य कार्यरत नहीं हैं जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता हैं। प्रदर्शन के उपरांत संगठन के प्रतिनिधि मंडल द्वारा उपखंड अधिकारी/जिला कलक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री, राज्यपाल एवं प्रधानमंत्री के नाम पृथक-पृथक ज्ञापन प्रस्तुत कर शीघ्र समाधान की माँग की गई। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि विधानसभा चुनाव-2023 के पश्चात गठित राज्य सरकार द्वारा राज-सीईएस महाविद्यालयों एवं विषयों के संचालन के संबंध में गठित सोडाणी समिति की सिफारिशें अब तक ना तो सार्वजनिक की गई हैं एवं ना ही लागू की गई हैं। महासंघ ने यह भी गंभीर आपत्ति दर्ज कराई कि भर्ती परीक्षा कैलेंडर-2026 के माध्यम से राज-सीईएस नियम-2023 में परिवर्तन कर 05 वर्षों के लिये 28 हजार 500 रुपये के नियत वेतन पर संविदा टीचिंग एसोसिएट एवं अशैक्षिणक पदों की चयन प्रक्रिया प्रारंभ करने का प्रयास किया जा रहा हैं, जिसके लिए अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड को अभ्यर्थना भेजी जा चुकी है। महासंघ के अनुसार यह व्यवस्था अस्थाई, असुरक्षित एवं नीति-विरोधी है तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के सर्वथा विपरित है। महासंघ ने राज्य सरकार से माँग की कि राज-सीईएस महाविद्यालयों के संबंध में गठित सोडाणी समिति की सिफारिशों को अविलंब लागू किया जायें, राज्य में संचालित सभी राज-सीईएस महाविद्यालयों को सामान्य राजकीय महाविद्यालयों के रूप में संचालित करने के स्पष्ट आदेश जारी किये जायें।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर द्वारा श्री हरी प्रसाद विजयवर्गीय पुत्र श्री रामचन्द्र विजयवर्गीय के नाम से आवंटित प्लॉट संख्या सी-243, योजना वैशाली नगर, जयपुर से संबंधित मूल आवंटन पत्र F- 3 ( )/ JDA/CRO/84/3894 दिनांक 29-05-1984 ईस्वी का कहीं खो गया है, जिसकी गुमशुदगी रिपोर्ट क्रमांक LR 3043104/2026 पर दिनांक 3 फरवरी 2026 ईस्वी को पुलिस में विक्रेता श्रीमती संतोष जायसवाल द्वारा दर्ज करा दी गयी है, तथा उक्त सम्पत्ति मेरे अभिभाष्य श्री धन्ना राम जाट पुत्र श्री टोड़ा राम जाट द्वारा उक्त विक्रेता से क्रय करने हेतु SBI बैंक में ऋण हेतु आवेदन किया है। उक्त दस्तावेज की प्रति RTI द्वारा जविप्रा से प्राप्त कर ली गई है जिन्हे ही मूल दस्तावेज के समान माना जावेगा। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त मूल दस्तावेज मिले या कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस के भीतर सम्पर्क करें। अधिवक्ता सौरभ यादव मो. 7769877047

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे अभिभाष्यगण श्री बजरंग पुत्र श्री मोती एवं श्रीमती इन्द्रा देवी पत्नी श्री बजरंग, निवासीयान- 47, दरवाजा बाहर, हरिजन बस्ती, अम्बेडकर कच्ची बस्ती, सांगानेर, जयपुर के पुत्र सुरेश एवं पुत्रवधु श्रीमती संगीता हमारे अभिभाष्यगण से विगत 4-5 वर्षों से अलग निवास कर रहे है तथा उनका व्यवहार हमारे अभिभाष्यगण से अच्छा नहीं होने, शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताडित करने के कारण तथा हमारे अभिभाष्यगण को लगातार हैरान व परेशान करने व उनके कहने में नहीं होने के कारण हमारे अभिभाष्यगण ने अपनी स्वअर्जित सम्पत्ति एवं विरासत में मिली सम्पत्ति से उन्हे बेदखल कर दिया है उनके द्वारा किये गये किसी भी लेन देन व संव्यवहार की जिम्मेदारी हमारे अभिभाष्यगण की नहीं होगी। सूचित रहे। (विमल शर्मा) एडवोकेट, मोबाईल : 9829017960

आम-सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य मोहम्मद रफीक पुत्र बशीर खां निवासी मकान नम्बर 34बी, खेतडी हाउस के पीछे, नाहरी का नाका, जयपुर, के दोनों पुत्र मोहम्मद हफीज, मोहम्मद हबीब व उनकी पत्नियां व बच्चों का चाल-चलन/व्यवहार सही नहीं है व यह सब लोग मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है तथा मेरे अभिभाष्य से उसके घर आकर आये दिन लड़ाई-झगडा, मारपीट आदि करते है इसलिए मेरे अभिभाष्य ने उक्त दोनों पुत्रों को उनके परिवार सहित अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है तथा अब मेरे अभिभाष्य का इन लोगों से किसी भी प्रकार का लेना-देना एवं रिश्ता नहीं है, इन लोगों से कोई भी लेन-देन एवं संव्यवहार करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। सूचित रहे। भवदीय जयपुर (अनवर खान) एडवोकेट, दिनांक 4/02/2026 मो. 9829185600

आम-सूचना

मेरी अभिभाष्या शर्मिष्ठा कुमारी पत्नि जयकिरत सिंह पुत्री भवानी सिंह जाति राजपुत निवासी खेड़ा हाउस 89, गंगवाल पार्क, जयपुर जिला जयपुर राजस्थान द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दूदू निवासी शूरवीर सिंह जी पुत्र श्री शंकर सिंह जी खंगारोत निवासी दूदू के द्वारा अपने सुपुत्र योगेन्द्र सिंह के दिनांक 10.02.2026 को होने वाले शुभ विवाह की पत्रिका में योगेन्द्र सिंह को महिपाल सिंह का सुपुत्र होना व महावीर सिंह का सुपौत्र होना जो छपवाया है वह बिल्कुल गलत है जबकि चि० योगेन्द्र सिंह के पिता का नाम शूरवीर सिंह है तथा योगेन्द्र सिंह शंकर सिंह जी के सुपौत्र है इस प्रकार कार्य शूरवीर सिंह के द्वारा नाजायज रूप से सम्पत्ति हड़प किये जाने की योजना के साथ हमारे परिवार की वंशावली को प्रभावित किये जाने कि नियत से किया गया है। शिवराम शर्मा एडवोकेट

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर: DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1290

चूंकि प्रार्थी श्री DEVASHISH SHARMA, 191-A, CHANDRA NAGAR, GOVINDPURA, JHOTWARA, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत पुन्यास इंडियन यूथ गेम्स स्पोर्ट्स फेडरेशन ट्रस्ट, P. NO. 191-C, CHANDRA NAGAR, GOVINDPURA, JHOTWARA, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पुदत्त शक्तियों के पुयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस पुकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त पून्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो पुस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत् निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच मूसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 03-02-2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी 09/04/2026
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर: DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1217

चूंकि प्रार्थी श्री सत्येन चतुर्वेदी, 301 satyam 18 plot no 132 vishyavidhayala nagar yogna jagatpura jaipur 302017 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास राजस्थान वॉलंटरी हेल्थ एसोसिएशन, 301 satyam 18 plot no 132 vishyavidhayala nagar yogna jagatpura jaipur 302017 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत् दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पुदत्त शक्तियों के पुयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस पुकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त पून्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो पुस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत् निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच मूसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 19-01-2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी 03/04/2026
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1960 की धारा 23 के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 09/2026

चूंकि श्री नारायण लाल अग्रवाल ने पंजीकृत प्रन्यास बंगाली बाबा आत्माराम ब्रह्मचारी गणेश मंदिर पुरानी चुंगी रामगढ रोड, दिल्ली बाईपास रोड, जयपुर जिला जयपुर जिसका पंजीयन कर्मांक 1/1988 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1969 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रपत्र-8 प्रस्तुत किया जिसमें उनके द्वारा प्रन्यास के प्रन्यासी श्री माधोलाल अग्रवाल पतंगवाले, श्री गिरवारी लाल तम्बाकू वाले, श्री मदन दीवान, श्री सुरेश दिक्कीवाल, श्री एन के जोशी, श्री द्वारकादास बड़ागांव, श्री पुरुषोत्तम दास अग्रवाल, श्री माधोलाल पतंगवाला का निधन हो जाने के कारण उनके नाम प्रन्यास रिकार्ड से हटाने तथा उनके स्थान पर श्री रामगोपाल अग्रवाल पतंगवाले, श्री राजेश गोयल तम्बाकूवाले, श्री सुनील दीवान, श्री राजेश टिक्कीवाल, श्री सुधांशु जोशी, श्री प्रदीप अग्रवाल बडागाँव, श्री रामअवतार अग्रवाल, नये संरक्षक श्री रघुवीर शरण को मनोनीत कर उनके नाम प्रन्यास रिकार्ड में दर्ज अभिलेख किये जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुए परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 2/2/26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी गया। आइदा तारीख पेशी 9/3/26
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय,
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853
क्रमांक: 378 **आम जाहिर सूचना** दिनांक: 03/02/2026

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा विकसित आवासीय भूखण्ड संख्या-5/MB/58 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर, क्षेत्रफल 128.00 वर्ग मीटर का आवंटन श्री प्रभु पुत्र श्री नाथु को किया गया था। मूल पट्टा अपंजीबद्ध है। तत्पश्चात श्री प्रभु पुत्र श्री नाथु के द्वारा उक्त अपंजीबद्ध पट्टे का मुख्त्यारनामाआम श्री रमेश चन्द शर्मा पुत्र श्री चन्द्र शेखर शर्मा को नियुक्त किया गया। उक्त मुख्त्यारनामाआम अपंजीबद्ध है। तत्पश्चात मुख्त्यारनामाआम धारक श्री रमेश चन्द शर्मा पुत्र श्री चन्द्र शेखर शर्मा के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरीये विक्रय पत्र श्री राजेश पुनिया पुत्र श्री रामजी पुनिया को कर दिया। यह विक्रय पत्र दिनांक 01/09/2009 को पंजीबद्ध है। तत्पश्चात श्री राजेश पुनिया पुत्र श्री रामजी पुनिया के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का मुख्त्यारनामाआम श्री कान्ती लाल सेठ पुत्र श्री माणक चन्द सेठ को नियुक्त कर दिया। उक्त मुख्त्यारनामाआम अपंजीबद्ध है। तत्पश्चात मुख्त्यारनामाआम धारक श्री कान्ती लाल सेठ पुत्र श्री माणक चन्द सेठ के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरीये विक्रय पत्र श्रीमती प्रतिभा मिश्रा पत्नी श्री अनुराग मिश्रा को कर दिया। यह विक्रय पत्र दिनांक 14/07/2010 को पंजीबद्ध है। तत्पश्चात श्रीमती प्रतिभा मिश्रा पत्नी श्री अनुराग मिश्रा के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरीये विक्रय पत्र श्री कमल किशोर साबू पुत्र श्री सत्यनारायण साबू को कर दिया। यह विक्रय पत्र दिनांक 22/07/2011 को पंजीबद्ध है। तत्पश्चात श्री कमल किशोर साबू पुत्र श्री सत्यनारायण साबू के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरीये विक्रय पत्र श्री महेश कुमार मीना पुत्र श्री नानगराम मीना को कर दिया। यह विक्रय पत्र दिनांक 14/02/2013 को पंजीबद्ध है। श्री महेश कुमार मीना पुत्र श्री नानगराम मीना के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का हस्तान्तरण अपने पक्ष में कर नवीन पट्टा अपने पक्ष में जारी करवाने हेतु आवेदन किया गया है। जिसके क्रम में आवेदक के द्वारा प्रस्तुत प्रपत्रों में मुख्त्यारनामाआम की छाया प्रति प्रस्तुत की गयी है। उक्त हस्तान्तरण अथवा मुख्त्यारनामाआम के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री महेश कुमार मीना पुत्र श्री नानगराम मीना का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर उनके पक्ष में उक्त भूखण्ड का नवीन पट्टा जारी करने की कार्यवाही कर दी जायेगी।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत तृतीय, रा.आ.म. जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in,Phone No. 0141-2782772
क्रमांक: DHC-11/1840 **जाहिर आम सूचना** दिनांक :-02/02/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 153/13, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 189.00 वर्ग मीटर का आवंटन श्री गोविन्द राम चड्ढा पुत्र श्री अमरीक सिंह चड्ढा को किया गया था जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2028 दिनांक 23.06.1994 को जारी किया गया था ... श्री विनोद कुमार चड्ढा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त द्वितीय, जयपुर

M/S DEREWALA JEWELLERY MANUFACTURING CO. PVT. LTD.
F-24, G1, 25-26, SEZ-I, SITAPURA INDUSTRIAL AREA IN-JAIPUR, INDIA

BIDDING NO. 2025-26/04/P&M

The Competent Authority invites E-bids for disposal of damaged machine fell down during unloading salvage which had been damaged due to During unloading i.e. (During unloading) affected on 'As is where is basis'.

The interested bidders are advised to visit the **www.justauction.in**. The details of the E-bidding including list of items, approximate quantity available for disposal and its pictures are displayed on website.

Contact Person: Mr. Manish of M/s Derewala Jewellery Manufacturing Co. Pvt. Ltd., Contact No.: 8696039993.

Contact No.: 7011489391 Jyoti (Surveyor office).

Inspection of damaged Jewellery Manufacturing machine during unloading can be done from **05.02.2026** to **09.02.2026** between **9:00 AM** to **06:00 PM.**

E-bidding will be conducted on **10.02.2026** at **03:00** P.M to **04:00** P.M. hours.

To place your bid: For unloading the machine fell down and damaged:
https://url-shortener.me/APLO

No manual offers will be accepted against E-bidding.

M/s Derewala Jewellery Manufacturing Co. Pvt. Ltd.
Director

आम-सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री धिरेन्द्र सिंह राघव पुत्र श्री जगदीश सिंह राघव के स्वामित्व व कब्जाशुदा प्लाट संख्या 72, देव वाटिका, ग्राम गजाधरपुरा कालवाड़ रोड जयपुर राजस्थान में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 138.88 वर्गगज है, जिसे सर्वप्रथम भैरव गृह निर्माण सहकारी समिति लि० द्वारा श्रीमती सन्ती देवी को दिनांक 17/04/1998 को आंवटित किया गया था तत्पश्चात् श्रीमती सन्ती देवी द्वारा उक्त वर्णित सम्पति को मैसर्स रसाल बिल्डर्स एण्ड डवलपर्स को बेचान किया गया जो विक्रय पत्र नियमानुसार उप पंजीयक कार्यालय जयपुर पंचम में दिनांक 01/11/2007 को पंजीबद्ध किया गया तत्पश्चात् मेरे अभिभाष्य ने जरिये पंजीबद्ध विक्रय पत्र के मै० रसाल बिल्डर्स एण्ड डवलपर्स प्रा०लि० से क्रय किया गया था जो विक्रय पत्र नियमानुसार उप पंजीयक कार्यालय जयपुर द्वितीय के दिनांक 03/12/2009 को पंजीबद्ध हुआ था जो असल विक्रय पत्र मेरे अभिभाष्य के पास है। यह कि उक्त वर्णित प्लाट के असल दस्तावेजो में सहकारी समिति द्वारा जारी आवंटन पत्र, रसीद व साईट प्लान, जो कि भैरव गृह निर्माण सहकारी समिति लि० द्वारा श्रीमती सन्ती देवी के हक में जारी किये गये थे, तथा असल विक्रय पत्र जो कि श्रीमती सन्ती देवी द्वारा मै० रसाल बिल्डर्स एण्ड डवलपर्स प्रा०लि० के हक में दिनांक 01/11/2007 को उप पंजीयक कार्यालय जयपुर पंचम में पुस्तक संख्या 01, जिल्द संख्या 149, पृष्ठ संख्या 153, क.स. 2007397010623 पर पंजीबद्ध किया गया था कहीं गुम हो गये है जिन्हे बहुत तलाश किये गये लेकिन नहीं मिले तथा मेरा अभिभाष्य उक्त वर्णित प्लाट के बेचान करना चाहता है अतः उक्त दस्तावेजो के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, या सरकारी व गैर सरकारी बैंक व अन्य संस्था आदि को कोई आपत्ति हो तो (उक्त सम्पत्ति पर किसी अन्य का कोई हित निहित हो या किसी भी न्यायालय या अन्य समकक्ष अधिकारी के समक्ष कोई वाद-विवाद हो तो) मय दस्तावेजात के मेरे कार्यालय मे 07 दिवस में अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है अवधि गुजरने के बाद आपत्तिकर्ता को मेरे अभिभाष्य व क्रेता के विरूद्ध कोई कार्यवाही करने का अधिकार नही होगा
भवदीय
सुभाष चन्द्र सैनी एडवोकेट
आर/2864/2008, मो० 9829535781

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा आमंत्रण सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर कैरिज अजमेर द्वारा खुली ई-निविदा संख्याः कैरिज-10-2026 दिनांक 03.02.2026 आमंत्रित की जाती हैं। कोई भी मैन्युअल टेंडर स्वीकार नहीं किया जायेगा और यदि कोई मैन्युअल टेंडर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। **कार्य का नाम एवं स्थान:** "कैरेज वर्कशॉप अजमेर में हाई प्रेशर वॉटर हाइड्रेंट और सप्लाई सिस्टम (स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार)", **अनुमानित लागत:** रु. 24,15,502.48, **टेण्डर डॉक्यूमेंट कॉस्ट:** रु.00.00, **बयाना राशी:** रु. 48300.00, **ई-टेंडर फॉर्म जमा करने का समय व तारीख:** दिनांक 26.02.2026 समय 15.00 बजे तक, **वेबसाइट का विवरण:** www.ireps.gov.in, **पात्रता मानदंड:** लागु नहीं, **नोट:** टेण्डर डॉक्यूमेंट कॉस्ट एवं बयाना राशी केवल किये जाने IREPS की वेबसाइट पर उपलब्ध पेमेंट गेटवे सुविधा द्वारा ऑनलाइन जमा है।
178-PS/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर
आवश्यक सूचना

आवास संख्या 3/527, एस.डब्ल्यू.बी. योजना अलवर जो कि मूलतः श्री बलराम सोनी पुत्र श्री मुरारीलाल सोनी को जयें आवंटन पत्रांक 5118 दिनांक 13.10.1987 के द्वारा आवंटित किया गया था। इनके वैधान उपरान्त मण्डल द्वारा आवास का नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 142 दिनांक 12.04.2010 को श्री वीर सिंह सोनी पुत्र श्री मुरारीलाल सोनी के पक्ष में जारी कर दिया गया था। श्री वीर सिंह सोनी द्वारा आवास की रजिस्ट्री स्वयं के नाम से दिनांक 18.12.2011 को उपपंजीयक कार्यालय अलवर में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्री वीर सिंह सोनी की मृत्यु दिनांक 26.11.2016 को हो जाने के उपरान्त उनके उत्तराधिकारी पुत्र श्री रविन्द्र सोनी द्वारा प्रस्तुत पंजीकृत रिलीजडीड (हकत्याग पत्र) दिनांक 05.01.2026 व मण्डल नियमानुसार प्रस्तुत शपथपत्रों एवं अन्य प्रपत्रों के आधार पर उक्त आवास का मृत्यु उपरान्त नाम प्रतिस्थापन हस्तांतरण किये जाने हेतु शुल्क जमा करा कर आवेदन किया गया है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 3/527, एस.डब्ल्यू.बी. योजना अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र पुत्री, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एंव आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्री रविन्द्र सोनी पुत्र स्व. श्री वीर सिंह सोनी के पक्ष में आवास का मृत्यु उपरान्त नाम प्रतिस्थापन हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी। उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

कार्यालय नगर परिषद् शाहपुरा, जयपुर (राज.)
पीपली तिराहे के पास, शाहपुरा, जयपुर, Email:- shahpura.jaipur@gmail.com
क्रमांक:- न.प.शा./भूमि/2025-26/512 दिनांक-16.01.2026
आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सैनी विकास सेवा समिति, शाहपुरा जरिये अध्यक्ष मन्ना लाल सैनी, द्वारा निवासी शाहपुरा तहसील शाहपुरा, जयपुर द्वारा छात्रावास निर्माण के लिए परिषद् क्षेत्र के राजस्व शाहपुरा के खसरा संख्या 5880/1741 कुल रकबा 9920.00 वर्ग मीटर में से 1515.00 वर्ग मीटर भूमि आवंटन हेतु कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। किसी को भी इस बाबत् आपत्ति हो तो 15 दिवस में मय सबूत लिखित में अधोहस्ताक्षरकर्ता को पेश करे बाद अवधि आपत्ति पर विचार संभव नही होगा।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	स्थित भवन/ भूमि का मौहल्ला रास्ता	राजस्व ग्राम व खसरा नं.	कुल क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	भूमि आवंटन का उद्देश्य	भूमि आवंटन का उद्देश्य
	सैनी विकास सेवा समिति, शाहपुरा जरिये अध्यक्ष मन्ना लाल सैनी	शाहपुरा, जयपुर	राजस्व ग्राम शाहपुरा 5880/1741 कुल रकबा 9920.00 वर्ग मीटर में से 1515 00 वर्ग मीटर	1515.00 वर्ग मीटर	छात्रावास निर्माण हेतु	छात्रावास के निर्माण हेतु आवंटन बाबत।

आयुक्त
नगर परिषद् शाहपुरा(जयपुर)

कार्यालय नगर पालिका दूदू जिला जयपुर
क्रमांकः- न.पा.दू. / 2025-26/937 **लोक सूचना** दिनांक :-04/02/26

श्री रमेश चन्द गुर्जर पुत्र श्री रामचन्द्र गुर्जर जाति गुर्जर, निवासी चेंलरवालों की ढाणी, दहमीखुर्द, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर (राज०) ने नगर पालिका दूदू में निचे उल्लिखित भूमि का कृषि भूमि से अकृषि प्रयोजन (आवासीय) हेतु पत्रावली दर्ज कराई है जिसके अनुसार विवरण नम्न प्रकार है।

तहसील: दूदू, जिला: जयपुर (राज०)
ग्राम : दूदू,पटवार हल्का दूदूए
खसरा नम्बर: 8808/7482
रकबा: 1.0000 हैक्टेयर (10000 वर्गमीटर)

इसलिए, संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि 90-क के प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृत अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के अन्दर मयाद दस्तावेजों सहित लिखित में आपत्ति कार्य दिवस के दौरान कार्यालय समय मे अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करावे। बाद मयाद गुजरने आपत्ति मान्य नही होगी।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधिन आज दिनांक 4/2/2026 को जारी की गयी।
अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका दूदू

कार्यालय उपायुक्त (विद्याधर जोन) नगर निगम जयपुर
(अम्बाबाड़ी सर्किल, अम्बाबाड़ी जयपुर)
क्रमांक: एफ-55( )वि.जोन/ज.न.नि./2026/3548 दि: 03.02.2026
सार्वजनिक सूचना

सर्वप्रथम तहसील सवाई, जयपुर द्वारा खसरा संख्या 142 (पार्ट) ग्राम-बस्सी, सीतारामपुरा, पुराना पावर हाउस, बनीपार्क जयपुर स्थित 1,60,240 वर्गगज भूमि को जरिये पट्टा दिनांक 04.12.1948 के JAIPUR SPINNING AND WEAVING MILLS LTD- (JSWML) को दी गई थी । उपरोक्त भूमि में से 56,629 वर्गगज भूमि JSWML द्वारा पंजीकृत लीज डीड दिनांक 30.12.1964 व 23.08.1968 के पोद्दार मिल्स लि. को व 999 वर्ष के लिए लीज पर दिया गया था । उपरोक्त भूमि में से 19,975.72 वर्गगज भूमि का औद्योगिक से आवासीय सपरिवर्तन राज्य स्तरीय भू उपयोग समिति की बैठक दिनांक 03.12.2001 में स्वीकृत किया गया तथा इस संपरिवर्तित भूमि का उपविभाजन नगर निगम जयपुर द्वारा 18.11.2002 को स्वीकृत कर भूखण्ड सं. A-1 5334.05 वर्गगज, A-2 7940 वर्गगज व A-3 6460 वर्गगज सृजित किये गये। उपरोक्त उपविभाजित भूखण्ड A-2 क्षेत्रफल 7940 के संबंध में पोद्दार मिल्स लि. द्वारा अपने समस्त लीज होल्ड अधिकारों का हस्तान्तरण पंजीकृत दस्तावेज दिनांक 19.07.2007 व 29.10.2010 के माध्यम से गिरिराज कृपा डवलपर्स प्रा. लि. के पक्ष में कर दिया गया। तत्पश्चात् दिनांक 30.03.2010 को गिरिराज कृपा डवलपर्स प्रा. लि. के द्वारा उपरोक्त A-2 भूखण्ड के कुल क्षेत्रफल 7940 वर्गगज मे से 2000 वर्गगज भूमि के लीज होल्ड राइट्स मैसर्स के. पी. वेन्चर्स के पक्ष में हस्तान्तरित कर दिये गये। दिनांक 08.08.2013 को नगर निगम जयपुर द्वारा उपरोक्त A-2 भूखण्ड उपविभाजन स्वीकार किया जाकर भूखण्ड सं. A-2 क्षेत्रफल 5940 व भूखण्ड सं. A-2-B क्षेत्रफल 2000 वर्गगज सृजित किये गये। JSWML के शासकीय समापन द्वारा माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के निर्देशन में आयोजित लोक नीलामी के माध्यम से JSWML की 56,629 वर्गगज भूमि को "As is Where is Basis पर AZURE TREE PROPERTY VENTURES PVT- LTD- (AZURE) को विक्रय कर दिया गया तथा एक पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 16.04.2021 निष्पादित किया गया। भूखण्ड A-2-B क्षेत्रफल 2000 वर्गगज उपरोक्त प्रकार से AZURE द्वारा क्रय की गई भूमि का भाग है । K.P. Venture द्वारा पंजीकृत दस्तावेज दिनांक 16.05.2023 के माध्यम से भूखण्ड सं. A-2-B में अपने लीज होल्ड अधिकारों का समर्पण AZURE के पक्ष में कर दिया गया। आवेदक AZURE TREE PROPERTY VENTURE PVT LTD जरिये आनंद चौपडा द्वारा दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड सं. A-2-B क्षेत्रफल 2000 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण अपने पक्ष में चाहा गया है। इस बाबत् किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करे। अन्यथा निर्धारित अवधि समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही संपादित कर ली जावेगी ।
उपायुक्त
विद्याधर जोन, नगर निगम जयपुर

खोया पाया

हमारे प्लॉट नं. बी-111, लालचन्दपुरा योजना, जयपुर का मूल अलॉटमेन्ट लैटर सं. F.30()JDA/DC.12/05/D-967 दिनांकित 01.09.2005 जिसका आवंटन जविप्रा द्वारा हमारे अनिल बोहरा एवं महेश बोहरा के नाम जारी है कहीं गुम हो गया है। कृप्या मिलने पर सूचित करें: 8302641846

मेरे प्लाट नं– A-29 शिल्पाचार्य गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना एल एस नगर जयपुर का पंजीकृत जे.डी.ए. पट्टा, साईट प्लान व स्टाम्प पेपर और नाम ट्रांसफर लैटर कही गुम हो गये है सूचित करे– बिदामी देवी मो. –8769170823

मेरे प्लाट नं– E-12A बजाजनगर हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटी लि. की योजना मधुवन कॉलोनी स्कीम नं–3 का मूल जे.डी.ए. पट्टा, साईट प्लान और स्टाम्प पेपर कही गुम हो गये है सूचित करे महेंद्र प्रकाश गौड़ मो. 9829216393

मेरे नागरिक गृह निर्माण सहकारी समिति का भूखंड संख्या 232 लक्ष्मी नगर 2, वाटिका का पट्टा कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें। सुशीला वर्मा 9928266317

मेरे नागरिक गृह निर्माण सहकारी समिति का भूखंड संख्या 176 लक्ष्मी नगर 2, वाटिका का पट्टा कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें। सुमन देवी 7568243029

College of Agriculture, Bhusawar, Bharatpur
(Sri Karan Narendra Agriculture University, Jobner)
Email : dean.coabhusawer@sknau.ac.in
No. :- F.( )/COAB/Civil/2026/912 Date :- 31/01/2026

NOTICE INVITING BID

Bid for open tender regarding Rate Contract for Land Levelling work are invited from interested bidders upto 12.00 PM, 12.02.2026 other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **http://sppp.raj.nic.in & http://eproc.rajasthan.gov.in** of the state; **www.sknau.ac.in** University website.

NIB code SKN2526A0396 and UBN is SKN2526WSRC00432
Raj.Samwad/C/25/19102 DEAN

कार्यालय नगर निगम जयपुर
पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, जयपुर
क्रमांक :– जसअ / 2025 / 477 दिनांक : 04.02.2026

सार्वजनिक सूचना

राजस्थान मृत सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकम्पात्मक नियुक्ति नियम 1996 के अनुसार नगर निगम जयपुर की सेवा में सेवारत रहते हुये मृतक हुये उनके आश्रित को नियुक्ति देने की कार्यवाही की जानी है। विवरण निम्न प्रकार है:–

क्र.स	मृतक कर्मचारी का नाम	मृतक कर्मचारी का पद	मृत्यु दिनांक	आश्रित के रुप में नियुक्ति चहाने वाले का नाम	मृतक से सम्बन्ध (आश्रित)
1.	स्व. श्री जगदीश प्रसाद मीणा	फायरमैन	24.10.2025	श्री मनोज मीणा	पुत्र

इस सार्वजनिक सूचना के जरिये सभी जन सामान्य को सूचित किया जाता है कि मृतक के स्थान पर नियुक्ति चाहने वाले आश्रित नियुक्ति के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर–अन्दर उपायुक्त (कार्मिक) नगर निगम जयपुर, कमरा नं० 106 लालकोठी (मुख्यालय), टोंक रोड, जयपुर (dckarmik.jmc.nnj@gmail.com) को अपनी आपत्ति लिखित में प्रस्तुत कर सकते है।

निर्धारित अवधि में आपति प्राप्त न होने की दशा में नियमानुसार अनुकम्पा नियुक्ति सम्बन्धी कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।
उपायुक्त (कार्मिक)
नगर निगम जयपुर
राज.संवाद / सी / 25 / 19115

5 करोड़ 95 लाख रूपये की डीएमएफटी से विकास कार्यों को स्वीकृति जारी

- डीएमएफटी के माध्यम से मिलने वाले संसाधनों का उपयोग जनहित में किया जाएगा- राव राजेंद्र सिंह

पावटा, (निसं)। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह तथा विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनखड़ की अनुशंसा पर जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के माध्यम से विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों के लिए प्रशासनिक स्वीकृतियां जारी कर दी गई हैं।

जिनमें 1 करोड़ 80 लाख की लागत से सीसी सड़क निर्माण कार्य नगरपालिका पावटा प्रागपुरा क्षेत्र के मुख्य आबादी क्षेत्र भांकरी में 3 किलोमीटर, लाडाकाबास में 50 लाख की लागत से पौधारोपन, पर्यावरण सम्बंधित पार्क एवं अन्य विकास कार्य, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय भांकरी पावटा में 30 लाख की लागत से चार कक्षा कक्ष मय वरामदा निर्माण कार्य, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भांकरी पावटा में 30 लाख की लागत से तीन कक्षा कक्ष (20 24) मय बरामदा निर्माण कार्य, महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय लाडाकाबास पावटा में 20 लाख की लागत से दो कक्षा कक्ष मय बरामदा एवं शौचालय निर्माण कार्य, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कल्याणपुरा पावटा में 15 लाख की लागत से दो कक्षा कक्ष मय बरामदा निर्माण कार्य, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय डाणी थालोड़ की में 18 लाख की लागत से दो कक्षा कक्ष मय बरामदा निर्माण एवं छत मरम्मत कार्य, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा में 10 लाख की लागत से महिला एवं पुरुष शौचालय निर्माण कार्य, आँगनवाड़ी केन्द्र ठीकरिया में 12 लाख की लागत से एक कक्ष मय वरामदा एवं स्टोर निर्माण कार्य, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय छानी की ढाणी वीर तेजाजीनगर में 15 लाख की लागत से दो कक्षा कक्ष मय बरामदा निर्माण कार्य, राजकीय प्राथमिक विद्यालय दौल्यावाली वीर तेजाजीनगर पावटा में दो कक्षा कक्ष मय वरामदा निर्माण कार्य हेतु, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तुलसीपुरा पावटा में 20 लाख की लागत से डोम टीन सेड (6580) लगाने के कार्य, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धोली कोठी चतरपुरा में 15 लाख की लागत से दो कक्षा कक्ष मय बरामदा निर्माण कार्य, महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय खातोलाई में 15 लाख की लागत से दो कक्षा कक्ष मय बरामदा निर्माण कार्य, 15 लाख की लागत से पुस्तकालय भवन मय कम्प्यूटर एवं फर्नीचर निर्माण कैरोडी, 15 लाख की लागत से पुस्तकालय भवन मय कम्प्यूटर एवं फर्नीचर निर्माण रैला, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सोठाना में 10 लाख की लागत से एक कक्षा कक्ष निर्माण कार्य, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मंढा में 10 लाख की लागत से एक कक्षा कक्ष निर्माण कार्य, पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय विराटनगर के खेल मैदान में 50 लाख की लागत से दर्शन दीर्घा मय टीन शेड निर्माण कार्य, हाल निर्माण कार्य, मंच स्थल, बोरिंग मय पानी टंकी, शौचालय एवं ट्रेक निर्माण कार्य, शहीद राजीव सिंह शेखावत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लुहाकना खुर्द में 50 लाख की लागत से खेल मैदान की चारदीवारी निर्माण कार्य, दर्शन दीर्घा मय टीन शेड निर्माण कार्य एवं एक कक्षा-कक्ष निर्माण कार्यों की स्वीकृति जारी की गई है।

सांसद राव राजेंद्र सिंह व विधायक कुलदीप धनखड़ की अनुशंसा पर स्वीकृतियां जारी की गई।

संक्षिप्त

बजट क्वेस्ट 2026 के पोस्टर का विमोचन

अलवर(निसं)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के माय भारत पोर्टल पर बजट क्वेस्ट 2026 कार्यक्रम के पोस्टर विमोचन किया।जिला कलक्टर ने बताया कि युवा कार्यक्रम मंत्रालय की ओर से यह राष्ट्रव्यापी युवा-केंद्रित पहल देश के युवाओं में केंद्रीय बजट की समझ को बढ़ाने, बजटीय प्रावधानों को अधिक सुलभ,प्रासंगिक और नागरिक-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत क्विज एवं निबंध राउंड के बाद क्वालीफाई होने वाले युवाओं को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से सीधे संवाद करने का अवसर प्राप्त होगा। माय भारत केंद्र के जिला युवा अधिकारी श्री पंकज यादव ने बताया कि माय भारत पोर्टल पर आयोजित होने वाला यह इनोवेटिव कार्यक्रम बजट क्व 2026 के संबंध में आम नागरिकों को जागरूक करने की पहल है। बजट क्विज 2026 प्रश्नोत्तरी के माध्यम से युवाओं को राष्ट्रीय मंच पर अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि प्रश्नोत्तरी में भाग लेने के लिए युवाओं को पोर्टल अथवा माय भारत ऐप के माध्यम से रजिस्ट्रेशन करना होगा।

दुकान में देर रात नकदी व डेयरी के लाखों के उपकरण चोरी

पावटा। आतेला-बजरंगपुर रोड पर केरली गांव में देर रात चोरी की वारदात सामने आई है। सामाजिक कार्यकर्ता हवा सिंह गुर्जर ने जानकारी देते हुए बताया कि केरली निवासी फूलचंद गुर्जर की गोपाल जनरल स्टोर एवं लोटस डेयरी उत्पाद की दुकान पर रात करीब 1 बजे के बाद अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि चोर दुकान से नकदी व अन्य लाखों का सामान व उपकरण लेकर फरार हो गए। सुबह जब दुकान मालिक फूलचंद गुर्जर दुकान पर पहुंचे तो चोरी का पता चला, जिसके बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना भाबरु थाना पुलिस को दी गई। ग्रामीणों ने पुलिस से चोरी की घटना का जल्द खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है। वहीं क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर लोगों में भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

मांजूकोट में 55 लाख की लागत से उप स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन

पावटा। उपखंड एवं कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मांजूकोट में विधायक हंसराज पटेल ने 55 लाख रुपये की लागत से निर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र भवन का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच मनोज कुमार वर्मा ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में बीसीएमओं कृष्ण सिंह व जिला पार्षद भोमाराम गुर्जर उपस्थित रहे। जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक पटेल ने कहा, यह उप स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अब ग्रामीणों को प्राथमिक उपचार, मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य जरूरी चिकित्सा सुविधाएं गांव में ही मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का गांव स्तर तक सुदृढ़ होना ही सच्चे विकास की पहचान है। इस दौरान भाजपा नेता गोपाल अग्रवाल, भूरी-भड़ाज सरपंच कैलाश चंद स्वामी, द्वारिकपुरा प्रशासक रोहित बायला, जिला पार्षद तेजपाल, हरिद्वारी लाल स्वामी, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कमल सैनी, डेलीगेट नरेन्द्र गुर्जर, श्रीराम यादव समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, ग्रामीणजन एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एडीएम ने नर्सिंग हॉम पर लगाया 5 हजार का जुर्माना

दौसा। अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं नगर परिषद के प्रशासक अरविन्द्र कुमार शर्मा ने बुधवार को दौसा शहर की सफाई व्यवस्थाओं को निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खण्डेलवाल नर्सिंग होम के आसपास खुले में बेस्ट बायो मेडिकल पाये जाने पर नर्सिंग हॉम संचालक को जमकर लताड पिलाते हुये 5 हजार रुपये जुर्माना किया है, साथ ही भविष्य में इस प्रकार की गडबडी पाये जाने पर जुर्माना के साथ कठोर कार्वाही की चेतावनी दी है। बुधवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं नगर परिषद के प्रशासन अरविन्द्र कुमार शर्मा, नगर परिषद आयुक्त कमलेश मीणा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने दौसा शहर के विभिन्न वार्डो में एवं बाजारो में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया।

गिरदावर सर्किल पर आज ग्राम उत्थान शिविर लगेंगे

दौसा(निसं)। प्रगतिशील किसानों और पशुपालकों की सहभागिता सुनिश्चित कर उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए 5 फरवरी को दौसा सहित 11 गिरदावर सर्किल पर ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन किया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविंद शर्मा ने बताया कि 5 फरवरी को दौसा, अरनिया, गुढ़ा आशिकपुरा, घूमणा, गाजीपुर, बैजूपाड़ा, मण्डावरी, बड़ागांव, निजामपुरा, बनियाना एवं कुण्डल गिरदावर सर्किल पर शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 6 फरवरी को सूरजपुरा, देलाड़ी, बसवा, छोकरवाड़ा, खेड़ला बुजुर्ग, उकरूंद, बिलौना कलां, आलूदा, रजवास एवं काली पहाड़ी भू अभिलेख निरीक्षक मुख्यालय पर शिविर लगेंगे।

'दौसा शहर को साफ-सुथरा रखने के लिए नगर परिषद की नई पहल'

- नगर परिषद आयुक्त कमलेश कुमार मीणा ने बताया कि जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार एवं नगर परिषद के प्रशासक के निर्देशन में नगर परिषद क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 5 फरवरी से शहर में वार्ड वाइज स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा

दौसा(निसं)। नगर परिषद ने शहर को साफ-सुथरा रखने के लिए एक नई पहल की है। इसके तहत वार्डवासियों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक वार्ड की सफाई के लिए एक-एक दिन विशेष तौर से तय किया गया है। इसकी शुरुआत 5 फरवरी से वार्ड संख्या एक से होगी।

नगर परिषद आयुक्त कमलेश कुमार मीणा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार एवं नगर परिषद के प्रशासक अरविंद शर्मा के निर्देशन में प्रशासनिक दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए नगर परिषद क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 5 फरवरी से शहर में वार्ड वाइज स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए सभी जमादारों को वार्ड वाइज सफाई करवाने की जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही 10-10 सफाई कर्मचारियों की प्रत्येक वार्ड की सफाई के लिए ड्यूटी लगाई गई है। पहले दिन वार्ड संख्या एक की सफाई के साथ इस अभियान की शुरुआत होगी।

आयुक्त कमलेश कुमार मीणा ने बताया कि वार्ड के सफाई कार्य के दौरान वार्डवासियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। पूरे दिन संबंधित वार्ड में सफाई कार्य किया जाएगा। इस दौरान वार्डवासियों के बताए अनुसार स्थानों को भी साफ किया जाएगा।

उन्होंने वार्डवासियों से आग्रह किया है कि वह नियत दिवस को अपने वार्ड की साफ-सफाई में सहयोग कर सामुदायिकता की भावना का परिचय दें और सफाई की जरूरत वाले विशेष स्थानों के बारे में जमादार को अवगत कराएं, ताकि हम सब मिलकर वार्ड को स्वच्छ बना सकें।

तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

टोंक(निसं)। निवाई उपखण्ड के राजकीय कन्या कॉलेज दत्तवास में कार्यरत विद्या संबल सहायक आचार्यो ने नायब तहसीलदार छित्तरलाल मीना को ज्ञापन सौंपकर बताया कि उन्होंने पांच सत्रों की सेवा के बाद हटाए जाने का विरोध करते हुए रोजगार गारंटी और सेवा की सुनिश्चितता की मांग की है। सहायक आचार्यों ने ज्ञापन में बताया कि वे प्रदेश के राजकीय कॉलेजों में पिछले पांच सत्रों से विद्या संबल योजना के तहत कार्यरत हैं। अब सरकार उन्हें हटाकर पांच वर्ष के लिए अस्थाई संविदा भर्ती कर रही है, आचार्यों का कहना है कि उन्होंने अपने युवा जीवन के पांच साल निष्ठापूर्वक सेवा की है। उन्होंने यह भी बताया कि माननीय न्यायालय ने विभिन्न निर्णयों में स्पष्ट किया है कि एक संविदा कार्मिक को हटाकर उसके स्थान पर दूसरे संविदा कार्मिक को नियुक्त नहीं किया जा सकता, इसके बावजूद सरकार ऐसा कर रही है।

राजसेस महाविद्यालयों में संविदा नियुक्तियों से बैक डोर एंट्री का खेल रोकने की मांग

- सोडाणी समिति की सिफारिशें सार्वजनिक कर लागू करने की मांग
- अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की श्री राधा गोविंद महाविद्यालय इकाई पदाधिकारियों ने मंगलवार को काली पट्टी बांधकर तथा प्ले कार्ड्स पर अपनी मांगें प्रदर्शित कर कॉलेज के मुख्य द्वार पर शान्तिपूर्ण प्रदर्शन किया

जयपुर (कासं)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की श्री राधा गोविंद महाविद्यालय इकाई पदाधिकारियों ने मंगलवार को काली पट्टी बांधकर तथा प्ले कार्ड्स पर अपनी मांगें प्रदर्शित कर कॉलेज के मुख्य द्वार पर शान्तिपूर्ण प्रदर्शन किया। इनकी प्रमुख मांग है कि सोडाणी समिति की सिफारिशें सार्वजनिक कर लागू की जाएं, नियुक्तियों में बैक डोर एंट्री का खेल खत्म हो।

मां राजसेस योजना में संचालित महाविद्यालयों का वर्तमान स्वरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की मूल भावना के विपरीत है। इन महाविद्यालयों में स्थायी अकादमिक ढांचे का अभाव, अपर्याप्त अधोसंरचना एवं संसाधन, शोध एवं नवाचार की संभावनाओं का न होना तथा संविदा एवं अस्थायी नियुक्तियों पर आधारित अध्यापन व्यवस्था राज्य की उच्च शिक्षा को गुणवता, बहुविषयकता एवं अकादमिक निरंतरता से दूर ले जा रही है। महासंघ ने अवगत कराया कि सत्र 2020-21 से 2022-23 के मध्य राजसेस योजना में 303 नवीन महाविद्यालय खोले गए तथा वर्तमान सरकार के कार्यकाल में सत्र 2023-24 एवं 2024-25 में 71 अतिरिक्त महाविद्यालय खोले जा चुके हैं, जिससे इनकी कुल संख्या 374 हो गई है। इनमें से लगभग 260 में आज तक एक भी स्थायी संकाय सदस्य कार्यरत नहीं है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है।

प्रदर्शन के उपरांत संगठन के प्रतिनिधिमंडल द्वारा उपखंड अधिकारी/जिला कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम पृथक-पृथक ज्ञापन प्रस्तुत कर शीघ्र समाधान की माँग की गई। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि विधानसभा चुनाव-2023 के पश्चात गठित राज्य सरकार द्वारा-महाविद्यालयों एवं विषयों के संचालन के संबंध में गठित सोडाणी समिति की सिफारिशें अब तक न तो सार्वजनिक की गई हैं और न ही लागू की गई है।

महासंघ ने यह भी गंभीर आपति दर्ज कराई कि भर्ती परीक्षा कैलेंडर 2026 के माध्यम से - नियम-2023 में परिवर्तन कर पाँच वर्षों के लिए 28500 रुपये के नियत वेतन पर संविदा टीचिंग एसोसिएट एवं अशैक्षिणक पदों की चयन प्रक्रिया प्रारंभ करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके लिए अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड को अभ्यर्चना भेजी जा चुकी है। महासंघ के अनुसार यह व्यवस्था अस्थायी, असुरक्षित एवं नीति-विरोधी है तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के विपरीत है।

साईबर क्राईम, आपदा पीड़ित प्रबंधन के बारे में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

- साईबर ठगों के द्वारा डिजिटल अरेस्ट सिनियर सिटीजन के साथ, सरकारी सर्विसेज के बुजुर्गों के साथ धोखाधड़ी होने पर साईबर हेल्पलाइन नंबर 1093 पर सूचित करना है

शाहपुरा(निसं)। दक्ष पब्लिक सीनियर सैकंडरी स्कूल चिमनपुरा शाहपुरा जयपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष भँवरलाल बुगालिया एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने पर्यावरण संरक्षण एवं नालसा जाग्रति योजना के अंतर्गत साईबर क्राईम, नशा मुक्त भारत संविधान प्रदत्त शिक्षा के अधिकार, आपदा पीड़ित प्रबंधन के बारे में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य रामसिंह चौधरी द्वारा अध्यक्षता की गई। उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि भारत सरकार के डिजिटल इण्डिया विजन में सभी कार्य-प्रणाली आनलाईन हो रही है। इसके लिए शिक्षा अनिवार्य है। महिला उत्पीड़न समिति की अध्यक्ष शुकुन्तला ने महिलाओं पर कार्यस्थल पर हिंसात्मक गतिविधियों से बचने के लिए पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, गरिमा पुलिस हेल्पलाइन नंबर 1090, पर सूचित करने के लिए प्रेरित किया। अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि आज का युग आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस के द्वारा शिक्षा का प्रचार-प्रसार बढ़ गया है। हमें साइबर ठगों से स्वयं को बचाये रखना है। इसके लिए स्वयं को अपनी शिक्षा को समय की मांग आधारित बनाने के लिए सतर्कता के साथ साईबर ठगों के द्वारा डिजिटल अरेस्ट सिनियर सिटीजन के साथ, सरकारी सर्विसेज के बुजुर्गों के साथ धोखाधड़ी होने पर साईबर हेल्पलाइन नंबर 1093 पर सूचित करना है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने घरों में स्वयं के जन्मदिन पर एक फलदार " पौधा माँ के नाम " अवश्य लगावे। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना,बैंक में जन-धन खाते योजनाओं के अंतर्गत खाता खुलवाये। इस शिविर में विद्यालय के अध्यापक स्टाफ में श्रीराम यादव, राजेन्द्र श्योराण, फूलचंद स्वामी, मोहन लाल यादव इत्यादि उपस्थित रहे। लाभार्थियों की संख्या 146 रही।

आंगनबाड़ी कार्मिकों की समस्याओं की जानकारी देकर मानदेय बढ़ाने की मांग

- आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने निदेशक से की मुलाकात,
- वासुदेव मालावत से मुलाकात कर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की समस्याओं की जानकारी देते हुए मानदेय में वृद्धि करने की मांग की

भरतपुर (निस)। नारी शक्ति आंगनवाडी कर्मचारी संघ की प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी यादव के नेतृत्व में पदाधिकारियों का एक प्रतिनिधि मण्डल महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशक वासुदेव मालावत से मुलाकात कर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की समस्याओं की जानकारी देते हुए मानदेय में वृद्धि करने की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी यादव ने निदेशक को अवगत कराया कि कुम्हेर परियोजना की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का लंबित मानदेय का बजट शीघ्र दिया जावे, संघ ने मांग रखी कि मानदेय भुगतान को समयबद्ध और नियमित बनाया जाए। जिस पर निदेशक ने विश्वास दिलाया कि आंगनवाडी कार्यकर्ताओं की समस्या का शीघ्र निराकरण किया जायेगा इसके साथ ही, बताया गया कि एसआईआर में जिन आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सेवाएं ली गई थीं, परंतु उन्हें इसके अनुरूप कोई प्रोत्साहन या पारितोषिक राशि शीघ्र प्रदान की जायेगी। संघ ने मांग की कि इस अतिरिक्त कार्य हेतु कार्मिकों को बोनस अथवा विशेष प्रोत्साहन राशि अवश्य दी जाए। ज्ञापन के माध्यम से आंगनवाड़ी कार्मिकों के मानदेय में वृद्धि की मांग भी प्रमुख रूप से रखी गई। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी आग्रह किया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से केवल उसी विभाग से संबंधित कार्य लिया जाए, जिससे उन्हें मानदेय प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के अतिरिक्त कार्यभार के कारण महिला एवं बाल विकास विभाग की मूल सेवाएं प्रभावित होती हैं। प्रतिनिधियों ने महिला पर्यवेक्षक (सुपरवाइज़र) भर्ती शीघ्र निकालने तथा लंबे समय से कार्यरत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को अनुभव के आधार पर सुपरवाइज़र पद पर समायोजित करने की भी मांग उठाई। आगामी बजट को ध्यान में रखते हुए संघ ने कार्मिकों के सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा हेतु पेंशन के रूप में पाँच लाख रुपये के पैकेज की व्यवस्था करने का सुझाव रखा, ताकि सेवा निवृत्ति के बाद उन्हें सम्मानजनक सुरक्षा मिल सके। चर्चा के बाद प्रतिनिधि मण्डल स्वास्थ्य विभाग पहुँचा, जहाँ उन्होंने आशा सहयोगिनियों की समस्याओं एवं उनके कार्यक्षेत्र से जुड़े मुद्दों को अधिकारियों के समक्ष रखा और उनके समाधान की मांग की।

निदेशक वासुदेव मालावत से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

गौवंश को तीन दिन बाद मृत बाहर निकाला

पावटा(निसं)। उपखंड क्षेत्र पावटा के ग्राम भांकरी में मानवता और गौ सेवा की मिसाल पेश करते हुए गौ रक्षकों ने तीन दिन से करीब 150 फीट गहरे कुएं में गिरे गौवंश को बाहर निकाला। लेकिन जब तक गौ वंश की मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय गौ रक्षक टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। जानकारी के अनुसार गौवंश अचानक फिसलकर गहरे कुएं में गिर गया था, जिसके बाद ग्रामीणों ने उसे बाहर निकालने का काफी प्रयास किया, लेकिन कुएं की अधिक गहराई और संकरी संरचना के कारण सफलता नहीं मिल सकी। इसके बाद गौ रक्षकों को सूचना दी गई। जिस पर बजरंग दल प्रखंड सयोजक पवन शर्मा पावटा, नितेश शर्मा, सुभाष सिंह राजनोता, सचिन सिंह, अजय सिंह, गुड्डु, दिनेश, करतार, जिपी सहित गौ रक्षक टीम ने रस्सियों और अन्य सुरक्षा उपकरणों की मदद से लगातार प्रयास किए। कठिन परिस्थितियों और जोखिम भरे हालात के बावजूद टीम ने धैर्य और साहस का परिचय देते हुए गौवंश को बाहर निकाल लिया।

सार-समाचार

स्वच्छता को लेकर विद्यार्थियों ने निकाली जागरुकता रैली

दौसा। राजस्थान नगरीय आधारभूत परियोजना (आरयूआईडीपी) की ओर से बुधवार को एफएसटीपी के बारे में नागरिकों को जागरूक करने और सुरक्षित स्वच्छता के महत्व को समझाने के लिए आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने जागरूकता रैली निकाली। विद्यार्थियों ने रैली के माध्यम से खुले में मल विसर्जन और अनियोजित मल अपशिष्ट निपटान से होने वाली बीमारियों के बारे में लोगों को जागरूक किया। विद्यार्थियों ने एफएसटीपी के माध्यम से गंदे पानी के सही उपचार के संदेश वाले पोस्टर और बैनर प्रदर्शित किए। नागरिकों को बताया गया कि कैसे घरों में सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए केवल अधिकृत डी स्लेजिंग टैंकरों का उपयोग किया जाना चाहिए। इस अवसर पर आरयूआईडीपी के सहायक सामाजिक विकास अधिकारी कमलेश कुमार शर्मा ने कहा कि एक स्वस्थ शहर के लिए सुरक्षित मल प्रबंधन आवश्यक है और एफएसटीपी तकनीक इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने बताया कि आपके घर का सेप्टिक टैंक खाली करवाना है तो टोल फ्री नंबर 1800 3137 342 पर फोन कर करवा सकते हैं। इसके लिए आपको नगर परिषद की सफाई शाखा में 800 रुपये की रसीद कटवानी होगी। रैली के सफल आयोजन करवाने में उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर स्कूल के प्रधानाचार्य गिरिराज प्रसाद गुर्जर का सहयोग रहा।

जौंला में रात्रि चौपाल के दौरान जन समस्याओं का हुआ निस्तारण

टोंक। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को तहसील पीपलू की ग्राम पंचायत जौंला में रात्रि चौपाल आयोजित हुआ, जिसमें जिला कलेक्टर ने परिवादियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान जिला कलेक्टर के समक्ष ग्रामीणों ने गांव में बंदरों द्वारा लोगों को काटने एवं सुअरों से फसलों को नुकसान होने से बचाने के लिए इन्हें पकड़कर दूर छुड़वाने का प्रार्थना पत्र दिया। जिला कलेक्टर ने सहायक विकास अधिकारी को समस्या का निदान कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। जिला कलेक्टर ने पेंशन सत्यापन की पेंडेंसी ज्यादा होने पर गंभीरता से लिया और इस कार्य को शत प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए। स्कूल के स्टॉफ ने विद्यालय में 5 कक्षा कक्षों के निर्माण कराने का प्रार्थना पत्र दिया। जिला कलेक्टर ने ग्रामीणों को पीएम सूर्य घर योजना का अधिकाधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को योजना का बेहतर ढंग से प्रचार-प्रसार करने एवं लोगों को इस योजना का लाभ बताने के निर्देश दिए। उन्होंने तहसीलदार को निर्देशित किया कि पटवारी गिरदावरी का कार्य काश्तकार के मोबाईल से ही करें, ताकि वह इस कार्य को भलीभांति सीख सकें। जिला कलेक्टर ने उपखंड अधिकारी को निर्देशित किया कि चौपाल में उनके आने से पूर्व ही ग्रामीणों को विभिन्न विभागों द्वारा सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया जायें। साथ ही ग्राम पंचायत की विद्युत, पेयजल संबंधी समस्याओं का पूर्व में ही निदान कर दिया जायें।

विमुक्त घुमन्तु एवं अद्धर्घुमन्तु समुदाय सहायता शिविर 15 फरवरी तक लगेंगे

दौसा। विमुक्त घुमन्तु एवं अद्धर्घुमन्तु समुदाय के पात्र व्यक्तियों को राज्य सरकार व केन्द्र सरकार की योजनाओं से जोड़ने के लिए सहायता शिविरों में पूर्णता लाने के लिए शिविरों की अवधि 15 फरवरी तक की गई है। जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा विमुक्त घुमन्तु एवं अद्धर्घुमन्तु समुदाय के व्यक्तियों को केन्द्र, राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओ का लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से शिविरों का आयोजन 13 जनवरी से 31 जनवरी तक शिविर आयोजित किये गए थे। सहायता शिविरों में पूर्णता लाने के लिए शिविरों की अवधि 15 फरवरी तक बढ़ा दी गई है। सहायता शिविरों के माध्यम से विमुक्त घुमन्तु समुदाय के पात्र व्यक्तियों के मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों हेतु आवेदन किये जाएगें।

विराटनगर में एसडीओ का औचक निरीक्षण

पावटा। विराटनगर उपखण्ड अधिकारी विराटनगर कपिल कुमार उपाध्याय ने मंगलवार को उपखण्ड क्षेत्र में विभिन्न सरकारी संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुर्वेद चिकित्सा केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ग्राम पंचायत भवन, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुहाडा, महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पापड़ा तथा जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के सहायक अभियंता कार्यालय का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान दोपहर करीब 2:30 बजे ग्राम पंचायत भवन कुहाडा बंद मिला। वहीं कार्यालय परिसर में साफ-सफाई का अभाव तथा सड़क पर गंदा पानी जमा पाया गया। इस पर उपखण्ड अधिकारी ने नाराजगी जताते हुए पंचायत समिति विराटनगर के विकास अधिकारी को ग्राम पंचायत भवन बंद मिलने और साफ-सफाई नहीं होने के मामले में संबंधित कार्मिक के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी ने विद्यालयों का भी निरीक्षण कर बच्चों से बातचीत की और उनकी पढ़ाई एवं सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुहाडा परिसर में भी साफ-सफाई का अभाव पाया गया। इस पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विराटनगर को आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उपखण्ड अधिकारी ने अधिकारियों को सरकारी संस्थानों में नियमित उपस्थिति, स्वच्छता व्यवस्था और आमजन को बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सांभर स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव के लिए आंदोलन करने की मजबूरी

सांभरझील, (निसं)। सांभर झील रेलवे स्टेशन पर जरूरी ट्रेनों के ठहराव के लिए करीब दो दशक से उठ रही मांग को आज तक दरकिनार किया जाता रहा है। तत्कालीन व वर्तमान सांसदों व विधायकों की अनदेखी इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि उनकी ओर से कोई ठोस प्रयास ही नहीं किए गए। दैनिक रेल यात्री संघ व सत्ता पक्ष से जुड़े नेताओं ने भी अपनी आवाज को कुछ हद तक बुलंद तो किया लेकिन परिणाम शून्य ही रहा। सांसद की अनदेखी व ठोस प्रयासों के अभाव के कारण सांभर रेलवे स्टेशन पर महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव की मांग का सपना साल से अधूरा ही पड़ा है। भाजपा के.अनेक कर्मठ कार्यकर्ताओ, अनेक पदाधिकारीयों ने भी सांसद, रेल मंत्री, रेल प्रशासन को वाजिब मांग के आधार पर बाड़मेर-मथुरा एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 20489/20490, बाडमेर-देहली एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 20487/20488, जयपुर - जोधपुर हाईकोर्ट एक्सप्रेस को सैकड़ो अप डाउन करने वाले लोगों व क्षेत्र की जनता की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए सांभर रेलवे स्टेशन पर इन ट्रेनों का ठहराव कराए जाने के लिए अनुरोध कर चुके हैं, लेकिन इन ट्रेनों का ठहराव तो दूर सांसद व रेल मंत्री की ओर से कोई आश्वासन आज तक नहीं मिला, यदि मिला तो आश्वासन पूरा नहीं हुआ।

हजरत दिलावर शाह बाबा का 2 दिवसीय वार्षिक उर्स शुरू

मनोहरपूर (निसं)। चौमू के रावण गेट व जामा मस्ज़िद के पास में स्तिथ हिन्दू मुस्लिम एकता के प्रतीक हजरत दिलावर शाह बाबा रहमतुल्लाह आलेह का 2 दिवसीय वार्षिक उर्स चिराग रोशन के साथ मे हुआ जो कि 5 फरवरी गुरुवार को कूल की रस्म के साथ मे विधिवत सम्पन होगा शहजाद खान लोहानी व रिय्याज खान लोहानी ने बताया कि 4 फरवरी बुद्धवार को सुबह चिराग रोशन कर झंडा फहराया गया इसी के साथ मे रंग बिरंगे परिधानों में सज संवर कर जायरीनों का आना शुरू होगया शाम को जामा मस्जिद मोहल्ले से गाजे बाजे के साथ मे चद्दर का जुलूस निकाला गया शाम 6 बजे बाद दरगाह के खादिमो के द्वारा बाबा के चद्दर पेश की गई।

व्यावसायिक कौशल विकास प्रशिक्षण सम्पन्न

दौसा। आरकेसीएल एवं उन्नयन समिति के तत्वावधान में आयोजित व्यावसायिक कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन बुधवार को हुआ, एक महिने तक आयोजित प्रशिक्षण शिविर में 38 बालिकाओं को ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण दिया गया।

पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित होने पर मैं भारत सरकार का तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूं। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण क्षण है। – रोहित शर्मा

पूर्व भारतीय कप्तान, पद्मश्री पुरस्कार की घोषणा के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

सचिन तेंदुलकर

क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर ने आज मुंबई रणजी टीम से बात की और उन्हें आने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल की तैयारी के लिए मोटिवेट किया, जो बीकेसी के एमसीए ग्राउंड पर होगा। सचिन ने मुंबई टीम के ड्रेसिंग रूम में बाकायदा खिलाड़ियों से बात की और उन्हें बताया कि उन्हें मैदान पर क्या करना चाहिए। मुंबई की टीम रणजी ग्रुप डी में सात मैच में चार जीत और तीन ड्रा के साथ 33 अंक लेकर क्वार्टरफाइनल में पहुंच चुकी है जहां उसका मुकाबला कर्नाटक से मुंबई में होगा। शार्दुल ठाकुर और यशस्वी जायसवाल को कर्नाटक के खिलाफ छह फरवरी से शुरु होने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के लिए 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया।

क्या आप जानते हैं ?... क्लब और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त रूप से 930 से अधिकगोलके साथ, क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब तक के सर्वोच्च गोल स्कोरर हैं।

इंडिया बनाम पाक मैच जरूर होना चाहिए : ब्रेट ली

दुबई, 4 फरवरी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा है कि भारत और

पाकिस्तान के बीच विश्व कप मैच होना चाहिए क्योंकि दुनिया भर में फैंस इस मैच का बेसब्री से इन्तजार कर रहे हैं। क्रिकेट के लीजेंड ब्रेट ली ने मिडिल ईस्ट में क्रिकेट स्टोरीटेलिंग के एक नए दौर की शुरुआत की, मिस्टर क्रिकेट यूएई पॉडकास्ट के पहले एपिसोड में उन्होंने बोल्ड बयान, बेखौफ भविष्यवाणियां और एक्सपर्ट इनसाइट दीं, साथ ही मिस्टर क्रिकेट यूएई के फ़ाउंडर अनीस साजन भी थे। इस एपिसोड ने मीडिया ग्रुप के लिए पॉडकास्ट स्टूडियो का ऑफिशियल उद्घाटन भी किया। शो के सबसे दमदार पलों में से एक तब आया जब ब्रेट ली ने क्रिकेट की सबसे मशहूर दुश्मनी के बारे में कहा, मुझे सच में उम्मीद है कि इंडिया बनाम पाकिस्तान मैच होगा। मुझे उम्मीद है कि उन्हें मौका मिलेगा। दुनिया भर के अरबों फ़ैन्स इस मैच का इंतज़ार करते हैं।

आध्यात्म की गेंदबाजी तथा अर्णव के आल राउण्ड प्रदर्शन से शास्त्री एकेडमी की आसान जीत

जयपुर, 4 फरवरी। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित प्रथम श्रीमती मुमताज खान स्मृति अण्डर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज हुकम सिंह क्रिकेट ग्राउण्ड हातोज में खेले गये लीग के अन्तिम मुकाबले में शास्त्री क्रिकेट एकेडमी ने आध्यात्मक शर्मा 25 रन पर तीन विकेट की शानदार गेंदबाजी अर्णव 14 रन पर 2 विकेट तथा 22 रन आलराउण्ड प्रदर्शन के बदौलत राजीव गांधी क्रिकेट एकडमी को 3 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित कर लिए। टॉस जीतकर राजीव गांधी क्रकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया उनकी और जयसिंह 43 रन, अभिनव शर्मा 20 रन, तथा देव 20 रन को छोडकर कोई भीर बल्लेबाज आध्यात्म शर्मा 25 रन पर तीन विकेट अर्णव शर्मा 14 रन पर दो विकेट वैभव सिंह 22 रन पर 2 विकेट तथा सक्षम सक्सेना, शिवा सिंह व हेमन्द्र पारीक प्रत्येक 1-1 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष नहीं टीक सके व पूरी टीम 31.1 ओवर में राजीव गांधी की पूरी टीम 130 रन पर सिमट गई। जवाबी पारी में शास्त्री एकेडमी की ओर से गर्व 38 रन, पार्थ 36 रन, अर्णव शर्मा 22 रन ने मिलकर विजय लक्ष्य 131 रन 7 विकेट खोकर 29.4 ओवर में हासिल कर अपनी टीम को 3 विकेट से जीत दिला दी। राजीव गांधी एकेडमी की ओर से धनु कटारिया 26 रन पर 3 विकेट तथा वैभव सैनी अगस्त चौधरी, राजवंश राठौड व प्रिस चौधरी प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच अध्यात्म शर्मा शास्त्री क्रिकेट एकेडमी रहे।

नवीन यूथ क्लबों का पंजीयन 250 रू. में : नीरज पवन

जयपुर, 4 फ़रवरी। शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग तथा अध्यक्ष-राजस्थान युवा बोर्ड डा. नीरज के. पवन ने बताया कि राज्य सरकार ने बहुत बड़ा कदम उठाते हुए नवीन युवा क्लबों (ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र) के गठन का पंजीयन शुल्क 250/- रू. कर दिया है। जबकि पहले यह पंजीयन दस हज़ार रू. में होता था। सभी नवीन युवा क्लबों का पंजीयन राजस्थान संस्था रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1958 के तहत होगा। उन्होंने बताया कि राजस्थान देश में पहला राज्य होगा, जहाँ यूथ क्लबों का पंजीयन होगा और वह भी 250/- रू. में। इससे प्रदेश के ज़्यादा से ज़्यादा युवा खेलों से भी जुड़ेंगे और अपनी प्रतिभा को निखार सकेंगे।

अंडर-23 महिला शिविर के लिए खिलाड़ियों का चयन

जयपुर, 4 फरवरी। खिलाड़ी को 8 फरवरी, 2026 से जयपुर में आयोजित होने वाले अंडर-23 महिला शिविर के लिए चुना गया है:यू-23 एक दिवसीय शिविर की संभावनाएँ: दीक्षा सैनी, अक्षिता शारदा,वंशिका यादव, पार्वती,सीजे भाटी,शानू सेन,कृतिका कंवर राजावत,तनिका शर्मा,याना वर्मा,सिद्धि शर्मा,श्रेया जोशी,अर्चना योगी,अंजलि जाट ,हैप्पी कुमारी,कंचन हुडा, धृति माथुर,मैना सयोल,एंजल चौधरी,अनाया गर्ग,उषा पेरेरिया,माही सेठ,ख़ुशी जैन,यशस्वी कट्टा,नंदिनी पालीवाल,डिम्पल कंवर,नव्या.एन,भाविनी भार्गव, अनुष्का शर्मा,रिज़ा शेख, ऋतु लोढ़ा।

भारतीय पुरुषों और महिलाओं ने क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की

किंगदाओ (चीन), 4 फरवरी। भारतीय पुरुषों ने सिंगापुर की कड़ी चुनौती को पार किया, जबकि महिलाओं ने बुधवार को चीन के किंगदाओ में खेली जा रही बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के अपने शुरुआती ग्रुप स्टेज मुकाबलों में म्यांमार पर दबदबा बनाया और क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की की। भारत और सिंगापुर के बीच पुरुषों के ग्रुप सी का मुकाबला रोमांचक रहा, जिसमें पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 किदांबी श्रीकांत ने तीसरे पुरुष सिंगल्स में जिया वेई जोएल कोह के खिलाफ 21-15, 21-16 से शानदार प्रदर्शन किया, जिससे भारतीय पुरुष टीम ने अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की और अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 30 रनों से हराया

नवीं मुम्बई, 4 फरवरी। इशान किशन (54), तिलक वर्मा (45), कप्तान सूर्यकुमार यादव (30) अक्षर पटेल (नाबाद 35) की तूफानी पारियों के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत पर भारत ने टी-20 विश्वकप से पहले बुधवार को खेले गये अभ्यास मैच में दक्षिण अफ्रीका को 30 रनों से शिकस्त दी।

241 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत खबरा रही और उसने पहले ही ओवर में जॉर्ज लिंडे (शून्य) का विकेट गंवा दिया। उन्हें अर्शदीप सिंह ने आउट किया। इसके बाद रायन रिकलटन ने कप्तान एडन मारक्रम के साथ दूसरे विकेट के लिए 65 रन जोड़े। छठें ओवर में मारक्रम के रिटायर आउट होने पर यह साझेदारी टूटी। मारक्रम ने 19 ओवर में दो चौके और चार छक्के लगाते हुए 38 रन बनाये। आठवें ओवर में शिवम दुबे ने डेवाल्ड ब्रेविस (दो) को आउट किया। 10वें ओवर में वरूण चक्रवर्ती ने रिकलटन को विकेट के पीछे इशान किशन के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया।

रिकलटन ने 21 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाये। अगले ओवर में डेविड मिलर (13) को अक्षर पटेल ने आउट किया। 15वें ओवर में अभिषेक शर्मा ने जेसन स्मिथ का शिकार किया। जेसन स्मिथ ने 23 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 35 रन बनाये। 19वें ओवर में अभिषेक शर्मा ने मार्को यानसन को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। यानसन ने 16 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए 31 रन बनाये। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 210 रन ही बना सकी और मुकाबला 30 रनों से हार गई। ट्रिस्टन स्टब्स ने 21 गेंदों में चार छक्के और एक चौका लगाते हुए नाबाद 45 रन बनाये। इससे पहले आज यहां भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। इशान किशन और अभिषेक शर्मा ने तूफानी बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट के लिए 80 रन जोड़े। छठें ओवर में इशान किशन रिटायर आउट हुये। इशान किशन ने 20 गेंदों में दो चौके और सात छक्के उड़ाते हुए 53 रन बनाये। इसके बाद आठवें ओवर में अभिषेक शर्मा भी 24 रन पर रिटायर आउट हो गये। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया। भारत का तीसरा विकेट 10वें ओवर में तिलक वर्मा के रूप में गिरा। तिलक वर्मा को मार्को यानसन ने बोल्ड आउट किया। तिलक वर्मा ने 19 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 45 रन बनाये। सूर्यकुमार यादव ने 16 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए 30 रन बनाये। रिंकू सिंह 16 रन बनाकर आउट हुये। हार्दिक पंड्या ने 10 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के लगाते हुए 30 रनों की पारी खेली।

ऐरन जॉर्ज का शतक, अफगानिस्तान को हराकर भारत अंडर-19 विश्वकप के फाइनल में

हरारे, 4 फरवरी। सलामी बल्लेबाज ऐरन जॉर्ज (115) की शतकीय, वैभव सूर्यवंशी (68) और कप्तान आयुष म्हात्रे (62) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने बुधवार को अंडर-19 विश्वकप के दूसरे सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को 53 गेंदें शेष रहते सात विकेट से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल मे प्रवेश किया।

311 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए वैभव सूर्यवंशी और ऐरन जॉर्ज की सलामी जोड़ी ने विस्फोटक शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 92 रन जोड़े। 10वें ओवर में नूरीसतानी ओमरजई ने वैभव सूर्यवंशी को आउटकर अफगानिस्तान को पहली सफलता दिलाई। वैभव सूर्यवंशी ने 33 गेंदों में नौ चौके और चार छक्के उड़ाते हुए 68 रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान आयुष म्हात्रे ने ऐरन जॉर्ज के साथ दूसरे विकेट के लिए 114 रनों की साझेदारी की। 27वें ओवर में नूरीसतानी ओमरजई ने आयुष म्हात्रे को आउट किया। आयुष म्हात्रे ने 59 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए 62 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये विहान मल्होत्रा ने जॉर्ज के साथ 96 रन जोड़कर भारत की जीत पक्की कर दी। इसी दौरान जॉर्ज ने अपना शतक पूरा किया। 40वें ओवर में वाहिदउल्लाह जदरान ने जॉर्ज को आउटकर दिया। जॉर्ज ने 104 गेंदों में 15 चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 115 रनों की शानदार पारी खेली। भारत ने 41.1 ओवर में तीन विकेट पर 311 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम किया। विहान मल्होत्रा 38 रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले आज यहां फैसल शिनोजादा (110) और उजैरुल्लाह नियाजई (नाबाद 101) की शानदार शतकीय पारियों के दम पर अफगानिस्तान ने भारत के खिलाफ चार विकेट पर

310 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी उस्मान सादत और खालिद अहमदजई की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 53 रन जोड़े। 13वें ओवर में दीपेश देवेंद्रन ने खालिद अहमदजई को आउटकर भारत को पहली सफलता दिलाई। अहमदजई ने 39 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 31 रन बनाये।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये फैसल शिनोजादा ने उस्मान सादत के साथ पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी की। 25वें ओवर में कनिष्क चौहान ने उस्मान सादत को आउटकर पवेलियन भेज दिया। उस्मान सादत ने 70 गेंदों में तीन चौके लगाते हुए 39 रन बनाये। फैसल शिनोजादा और उजैरुल्लाह नियाजई के बीच तीसरे विकेट के लिए 148 रनों की साझेदारी हुई।

मौजूदा भारतीय टीम टी-20 में दुनिया की सबसे खतरनाक टीम: धोनी

नयी दिल्ली, 4 फरवरी। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का मानना है कि मौजूदा समय में भारतीय टीम टी-20 में दुनिया की सबसे खतरनाक टीम है और शनिवार से शुरु हो रहे टी-20 विश्वकप 2026 में वह सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरेगी।

धोनी ने एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा, एक अच्छी टीम के लिए जो कुछ भी चाहिए, सब कुछ इसमें मौजूद है। विशेष रूप से इस प्रारूप में इनके पास अनुभव की कोई कमी नहीं है। उन्होंने दबाव में खेला है। टीम में जो भी खिलाड़ी जिस भी भूमिका में है, वह उस भूमिका को काफी समय से निभाता आ रहा है।

धोनी के इस भरोसे की आंकड़े भी गवाही देते हैं। पूर्व चैंपियन भारतीय टीम ने अक्तूबर 2023 से अब तक खेले गए टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 51 बार जीत का स्वाद चखा है, जबकि आठ मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा। टीम की ताकक उसकी विस्फोटक बल्लेबाजी है, जहां बड़े-बड़े सिक्सर

जड़ने वाले खिलाड़ी मौजूद हैं। गेंदबाजी में भी भारत का पलड़ा भारी है। भारत के पास जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती जैसे दो सबसे अच्छे गेंदबाज मौजूद हैं। उन्होंने कहा, जो चीज मुझे परेशान करती है, वह है ओस। मुझे ओस बिल्कुल पसंद नहीं है। ओस बहुत कुछ बदल देती है। जब मैं स्वयं खेलता था, तब भी ओस से सबसे अधिक डर लगता था, क्योंकि वहां टॉस बेहद अहम हो जाता है और कई चीजें उसी पर निर्भर हो जाती हैं। उन्होंने कहा, अगर हम बेहतरीन टीमों के खिलाफ दस मैच खेलें और हालात बराबर हों, तो ज़्यादातर मौकों पर हम ही विजेता बनकर निकलेंगे। समस्या तब आती है, जब आपकी टीम के कुछ खिलाड़ियों का दिन खराब होता है और सामने वाली टीम का कोई खिलाड़ी शानदार दिन बिता देता है।

कपिल ने पाकिस्तान के बॉयकॉट पर कहा: लंबे समय में, कोई भी उन्हें मिस नहीं करेगा...

नयी दिल्ली, 4 फरवरी। भारत के पूर्व वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव ने आने वाले वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट करने के पाकिस्तान के फैसले की आलोचना की है। इससे पहले, देश की सरकार ने टीम को टूर्नामेंट खेलने के लिए कहा था; हालांकि, उसने भारत के खिलाफ नहीं खेलने के लिए कहा। कपिल देव ने कहा कि अगर यह फैसला खिलाड़ियों की तरफ से आता, तो इस पर विचार किया जा सकता था, लेकिन जैसा कि यह बोर्ड की तरफ से आ रहा था, उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों की पीढ़ी खत्म हो जाएगी और यह भी कहा कि लोग उनसे आगे बढ़ जाएंगे।

कपिल देव ने एक समाचार चैनल पर कहा, "अगर फैसला खिलाड़ियों ने लिया है, तो वे सामने आकर कह सकते हैं। लेकिन,

अगर बोर्ड कहता है कि आप नहीं खेलेंगे, तो देश की रेप्युटेशन कम होती है। पाकिस्तान के लिए यह अच्छा नहीं लग रहा है। आप पीढ़ी को खत्म कर रहे हैं। पाकिस्तान ने हमें इतने सालों में शानदार टैलेंट दिया है। लेकिन अगर आप इन लड़कों को वर्ल्ड कप में खेलने नहीं देंगे, तो आप पीढ़ी को खत्म कर रहे हैं और खेल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। आप अपने ही खिलाड़ियों के साथ नाइंसाफी कर रहे हैं।"

कपिल देव ने कहा कि अगर वे समय रहते भारत के खिलाफ मैचों का बॉयकॉट करते हैं, तो वे फैंस खो देंगे, और लोग उनसे आगे बढ़ जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, "भावनाओं और दर्शकों पर असर पड़ेगा। लेकिन, लंबे समय में, कोई भी उन्हें मिस नहीं करेगा। लोग इसके बारे में लंबे समय तक नहीं सोचेंगे, और वे आखिरकार आगे बढ़ जाएंगे।"

दूसरी ओर, आईसीसी ने चेतावनी दी है कि इस तरह के फैसले का पाकिस्तान के क्रिकेट भविष्य पर असर पड़ेगा। आईसीसी की एक प्रेस रिलीज में लिखा है, "आईसीसी को उम्मीद है कि पीसीबी अपने देश में क्रिकेट पर इसके बड़े और लंबे समय तक चलने वाले असर पर विचार करेगा, क्योंकि इससे ग्लोबल क्रिकेट इकोसिस्टम पर असर पड़ने की संभावना है, जिसका वह खुद सदस्य और फ़ायदा उठाने वाला है।"

इंग्लैंड ने श्रीलंका को 12 रनों से हराकर और सीरीज भी जीती

पल्लेकेले (श्रीलंका), 4 फरवरी। सैम करन (58) की अर्धशतकीय पारी के बाद जैकब बेथल (चार विकेट) और विल जैक्स (तीन विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने तीसरे टी-20 मुकाबले में श्रीलंका को 12 रनों से शिकस्त दी। इसी साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज भी 3-0 से अपने नाम कर ली।

जैकब बेथेल ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 11 रन देकर चार विकेट झटके। उन्होंने 20वें ओवर की तीसरी गेंद पर महीश तीक्षणा (दो) को आउटकर 116 के स्कोर पर श्रीलंका की पारी का अंत कर दिया। श्रीलंका के लिए कुसल मेंडिस ने सर्वाधिक 26 रन बनाये। पुथुम निसंका (23), जनित लियानगे (17), कामिंडु मेंडिस (14) और पवन रत्नायके 13 रन बनाकर आउट हुये।

291 एथलीट्स, पैरा एथलीट्स एवं पैरा पॉवरलिफ्टिंग का आज होगा स्किल टेस्ट

जयपुर, 4 फ़रवरी। बुधवार को राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद द्वारा सवाई मानसिंह स्टेडियम में आठ दिवसीय विभिन्न खेल अकादमियों में प्रवेश के लिए चयन स्पर्धा के दूसरे दिन बालक एथलेटिक्स अकादमी-श्रीगंगानगर (42), अजमेर (79), चूरू (35) तथा बालिका एथलेटिक्स अकादमी-जयपुर व बालिका खेल संस्थान-एथलेटिक्स, जयपुर (81),

बालिका एथलेटिक्स अकादमी-चूरू (11), बालिका खेल संस्थान-एथलेटिक्स,भरतपुर (14), बालिका खेल संस्थान-एथलेटिक्स, उदयपुर (12)। पैरा खेल अकादमी, एथलेटिक्स व पॉवरलिफ्टिंग (बालक)-जयपुर (17) में कुल 291 खिलाड़ियों ने भाग लिया। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की सचिव श्रीमती नीतू बारूपाल ने बताया कि गुरुवार को 291 एथलीट्स, पैरा एथलीट्स एवं पैरा पॉवरलिफ्टिंग के खिलाड़ियों का स्किल टेस्ट होगा।

गुरुवार को ही बालक तीरंदाजी अकादमी उदयपुर व डूंगरपुर और बालिका तीरंदाजी अकादमी-जयपुर व खेल संस्थान उदयपुर-बालिका के लिए ट्रायल में भाग लेने आने वाले तीरंदाज़ों का रजिस्ट्रेशन और मेडिकल करवाने के बाद बैटरी टेस्ट लिया गया। बैटरी टेस्ट में कुल आठ एक्टिविटी है।

उन्होंने बताया कि बुधवार को बालक हैंडबॉल अकादमी-जैसलमेर, बालिका हैंडबॉल अकादमी-जयपुर, बालक साइक्लिंग अकादमी-बीकानेर, बालक कुश्ती अकादमी-भरतपुर एवं बालिका खेल संस्थान-कुश्ती, भरतपुर के लिए स्किल टेस्ट लिए गए।

नेमार वर्ल्ड कप टीम में वापसी के करीब

रियो डी जेनेरो, 4 फरवरी। सैंटोस के फॉरवर्ड नेमार चोट से वापसी के करीब हैं, क्योंकि वह ब्राज़ील की 2026 फीफा वर्ल्ड कप टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं। 33 साल के नेमार ने दिसंबर में अपने बाएं घुटने की आर्थोस्कोपिक सर्जरी के बाद से कोई मैच नहीं खेला है, लेकिन इस हफ़्ते पूरी ट्रेनिंग पर लौट आए हैं। बुधवार को साओ पाउलो के खिलाफ सैंटोस के घरेलू ब्राज़ीलियन सीरी ए मैच में उनके खेलने की उम्मीद कम है, हालांकि मैनेजर जुआन पाब्लो वोज्वोडा ने कहा कि वह बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व स्टार को जल्दबाज़ी में वापस नहीं लाएंगे।

ईशा ने स्वर्ण और सम्राट ने जीता कांस्य पदक

नयी दिल्ली, 4 फरवरी। ओलंपियन ईशा सिंह ने बुधवार को एशियन निशानेबाजी चैंपियनशिप 2026 में महिलाओं के 10मी एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि पुरुष वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन सम्राट राणा को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। आज यहां भारत ने डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में महिलाओं की 10मी एयर पिस्टल में टीम स्वर्ण पदक और पुरुषों की स्पर्धा में रजत पदक भी जीता।

मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं, जल्द ही खेल के मैदान पर वापस आऊंगा : ऋषभ पंत

मुंबई, 4 फरवरी। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने मंगलवार को वर्ल्ड पिकलबॉल लीग के मौके पर कहा कि उनकी चोट से रिकवरी लगातार हो रही है और उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में वापसी करेंगे, जहां वह मुंबई पिकल पावर के को-ओनर के तौर पर मौजूद थे।

पंत को टीम की ग्रासरूट आउटरीच पहल के तहत युवा फैंस से बात करते देखा गया, जिसमें 150 से ज़्यादा बच्चे शामिल थे। पंत बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैबिलिटेशन जारी रखे हुए हैं।

पंत ने कहा, "मेरी फिटनेस दिन-ब-दिन बेहतर हो रही है। मैं बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कड़ी मेहनत कर रहा हूं, और मुझे लगता है कि मैं जल्द ही खेल के मैदान पर वापस आऊंगा।"

27 साल के पंत ने चोट के लंबे समय तक खेल से जुड़े रहने की अहमियत पर बात की। उन्होंने क्रिकेट के लिए अपने पैशन और रिकवरी फेज में मदद करने के लिए अपने आस-पास के सपोर्ट सिस्टम की तारीफ की। उन्होंने कहा, "जब मैं चोटिल होता हूं, तो एक चीज जो मुझे हमेशा खेल के करीब रखती है, वह है खेल के लिए प्यार और आपके आस-पास के लोगों का सपोर्ट।"

पंत ने इस बात पर भी जोर दिया कि चोटों ने एक प्रोफेशनल क्रिकेटर के तौर पर लगातार सुधार की जरूरत को दोहराया है। उन्होंने कहा, "एक क्रिकेटर के तौर पर, आपको हमेशा अपने खेल में सुधार करते रहना होता है। मुझे अपने ओवरऑल गेमप्ले के हर पहलू में बेहतर होने की कोशिश करते रहना होगा।"

अपने करियर में कई बार वापसी करने के बारे में बताते हुए, पंत ने कहा कि मैदान से दूर रहने से क्रिकेट और जिंदगी दोनों के प्रति उनका नजरिया बेहतर हुआ है। हालांकि, उन्होंने माना कि टॉप-लेवल कॉम्पिटिशन की कमी साइडलाइन होने का सबसे मुश्किल हिस्सा बनी हुई है। उन्होंने कहा, "हर वापसी ने मुझे ज़िंदगी के बारे में कुछ न कुछ सिखाया है। इसने मुझे और ज़्यादा शुक्रगुज़ार होना सिखाया है, आप अपने आस-पास की चीज़ों को कैसे देखते हैं, और किसी ऐसी चीज के लिए कमिटेड रहना चाहते हैं जो आपको सच में खुश करे।" उन्होंने कहा, "जब मैं घायल होता हूँ, तो जिस चीज़ की मुझे सबसे ज़्यादा कमी महसूस होती है, वह है खेल का सच में मज़ा लेना।

मैकमुलेन के 95 रन बेकार गए, नामीबिया ने स्कॉटलैंड को हराया

बेंगलुरु, 4 फरवरी। बेंगलुरु में बीसीसीआई सीओई ग्राउंड 2 पर एक हाई-स्कोरिंग थ्रिलर में, नामीबिया ने बुधवार को ब्रैंडन मैकमुलेन के शानदार 95 रन के बावजूद स्कॉटलैंड को सिर्फ़ छह रन के अंतर से हरा दिया।

पहले बैटिंग करने का फ़ैसला करने के बाद, नामीबिया की ओपनिंग जोड़ी जान फ्रीलिंक (88) और लॉरेन स्टीनकैंप (51) ने जबरदस्त शुरुआत की। पावरप्ले में 79 रन बनाए। उनकी 137 रन की पार्टनरशिप आखिरकार 11वें ओवर में खत्म हुई जब लेगी क्रिस ग्रीव्स ने फ्राइलिंक को आउट किया, लेकिन कप्तान गेरहार्ड इरास्मस के नाबाद 33 रन और रूबेन ट्रम्पेलमैन के तेज 25 रन की मदद से नामीबिया ने 4 विकेट पर 226 रन का बड़ा स्कोर बनाया। स्कॉटलैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए माइकल जोन्स को जल्दी खो दिया, लेकिन मैकमुलेन खतरनाक मूड में थे, उन्होंने अपनी 39 गेंदों की पारी में छह चौके और आठ छक्के मारे। मार्क वॉट (33) और कप्तान रिची बेरिंगटन (46) ने तेज गति से सपोर्ट रोल निभाया और ऐसा लग रहा था कि स्कॉटलैंड आखिरी ओवर में 12 रन की ज़रूरत होने पर इसे जीत लेगा। हालांकि, जेजे स्मिट ने आखिरी ओवर में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

अखिल भारतीय सबजूनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता

वयम लाम्बा व श्रेयांष चौधरी फाइनल में, मनन शर्मा भी युगल में खिताबी दावेदार

जयपुर 4 फरवरी। वयम लाम्बा और श्रेयांष चौधरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में चल रही योनेक्स-सनराईज अखिल भारतीय सबजूनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अंडर-15 बालक युगल के सेमीफाइनल में राजस्थान के वयम लाम्बा व श्रेयांष चौधरी ने राजस्थान के मनन शर्मा व आंध्रप्रदेष के साई सोहन कोटा को तीन गेमों के संघर्ष में 10-21, 21-19, 21-18 से हराया। इससे पूर्व अंडर-15 मिश्रित युगल में शीर्ष वरियता प्राप्त राजस्थान के मनन शर्मा व पंजाब की इनायत गुलाटी ने सेमीफाइनल में कर्नाटक के विषाल उथप्पा बी.बी. व हंषिका राकेष 21-8, 21-9 से हरा खिताबी दावेदारी पेष की।

अंडर-15 मिश्रित युगल में सात्विक अग्रवाल व लक्षिता भारद्वाज ने राजस्थान की ही जोड़ी श्रेयांष चौधरी व पदमजा सिंह को 21-7, 21-11 से परास्त कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। लेकिन सेमीफाइनल में दूसरी वरियता प्राप्त तमिलनाडु की जोडी जे. निधि गिंटी व टी.एम.एफ. से 21-14, 21-19 से हार कांस्य पदक पर संतोष करना पड़ा। इसी आयु वर्ग के युगल में श्रेयांष चौधरी व वयम लाम्बा ने कर्नाटक के गौतम एस. नायर व सिद्धार्थ एस. नायर को 21-14, 21-13 से हराया। खिताब की तगडी दावेदार राजस्थान की अन्वी राठौड सेमीफाइनल में उलटफेर की षिकार हुई, पष्चिम बंगाल की पांचवी वरियता प्राप्त आर्यमा चक्रवर्ती से तीन गेमों में 25-23, 22-20, 21-19 से हार गई। अन्वी को दूसरी वरियता प्राप्त थी। अंडर-17 बालिका एकल के क्वार्टरफाइनल में महाराष्ट्र की छठी वरियता प्राप्त घटा सुर्यवंषी ने अन्वी राठौड को 21-11, 21-7 से हराया।

इससे पूर्व एडवोकेट जनरल और जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के चीफ पैटर्न गिरधारी सिंह बाफना व जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष अनिल मेहता ने खिलाडियों से परिचय प्राप्त किया। भारतीय हैंडबॉल संघ के सचिव तेजराज सिंह, राजस्थान बैडमिंटन संघ के संयुक्त सचिव मोहम्मद जाकिर हुसैन, कोषाध्यक्ष चूनसिंह भाटी, उपाध्यक्ष मनोज दासोत ने खिलाड़ियों को पदक पहनाए।

टीम जयपुर लीला और जिंदल बेदला ने जीते मैच

जयपुर, 4 फरवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत द लीला महाराजा सवाई मान सिंह पोलो कप (08) गोल्स के लिए बुधवार को दो मुकाबले हुए। पहला मैच पीपीसी ग्राउंड पर टीम सुहाना ऑल स्टार्स पोलो और टीम जयपुर लीला के बीच खेला गया। वहीं, दूसरा मुकाबला आरपीसी ग्राउंड पर टीम ट्रोजन्स और टीम जिंदल बेदला के बीच हुआ।

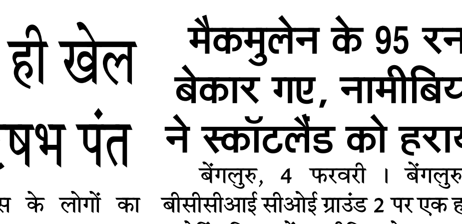

पहले मुकाबले में टीम लीला 7-4.5 के स्कोर से टीम सुहाना ऑल स्टार्स पोलो को हराकर विजेता बनी। विजेता टीम जयपुर लीला से लांस वाटसन ने 4 गोल और हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 2 गोल किए। टीम के लिए भवानी सिंह काल्वी ने 1 गोल किया। टीम से मिर्जा मोहम्मद बेग भी खेले। वहीं, सुहाना ऑल स्टार्स पोलो से साविर मेहराज गोदारा और माटियास वायल ने 2-2 गोल किए। टीम में शिवांगी जय सिंह और डीनो धनखड़ भी शामिल रहे। यहां टीम सुहाना ऑल स्टार्स पोलो को आधे गोल का एजवांटेज भी मिला।

इसी प्रकार, आरपीसी ग्राउंड पर हुए मुकाबले में टीम जिंदल बेदला विजेता रही। जिंदल बेदला ने 11-3 के स्कोर से टीम ट्रोजन्स को शिकस्त दी। विजेता टीम जिंदल बेदला से सिद्धांत शर्मा और सिमरन शेरगिल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 5-5 गोल हासिल किए। विश्वरूपे बजाज ने 1 गोल किया। टीम की ओर से वैंकटेश जिंदल भी खेले। दूसरी ओर, टीम ट्रोजन्स से नवीन सिंह ने 2 गोल और एलेजो अरामबुरु ने 1 गोल किया। टीम से रोहन सुंदेशा और आरके धनंजय सिंह भी खेले।

जोधपुर-पाली-मारवाड़ कंकाणी को प्रायोरिटी सेमीकंडक्टर कॉरिडोर घोषित करेंगे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत परियोजनाओं को आकर्षक प्रोत्साहन प्रदान किए जाएंगे

जयपुर, 4 फरवरी। जैसे-जैसे देश डिजिटलाइजेशन और ऑटोमेशन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री आर्थिक सुरक्षा और रणनीतिक स्वतंत्रता के लिए बड़ी आवश्यकता के रूप में उभरी है। इसको और मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी की बड़ी पहल की है। राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी प्रदेश को सेमीकंडक्टर विनिर्माण, डिजाइन, पैकेजिंग तथा संबद्ध इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में देश का प्रमुख गंतव्य बनाएगी। इस नीति के अन्तर्गत राज्य सरकार जोधपुर-पाली-मारवाड़ और कंकाणी सहित अन्य उपयुक्त औद्योगिक क्षेत्रों को प्रायोरिटी सेमीकंडक्टर कॉरिडोर्स घोषित करेगी। इन क्षेत्रों में निवेशकों के लिए फास्ट-ट्रेक लैण्ड अलॉटमेंट, यूटिलिटी कॉर्डिनेशन और सिंगल विण्डो रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित किया जाएगी। इस नीति के अंतर्गत इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत परियोजनाओं को आकर्षक प्रोत्साहन प्रदान दिए जाएंगे। यह नीति सेमीकंडक्टर क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन को बढ़ ावा देगी और उच्च तकनीक आधारित रोजगार के नए अवसर सृजित भी करेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सेमीकंडक्टर पॉलिसी की क्रियान्विति के लिए स्टेट लेवल सैंक्शनिंग कमेटी तथा स्टेट एम्पावर्ड कमेटी का गठन किया जाएगा। उद्योग एवं वाणिज्यिक विभाग, नोडल विभाग होंगे।

प्रदेश में निवेशकों को सेमीकंडक्टर यूनिट्स की स्थापना के लिए राजनिवेश पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा। राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी की क्रियान्विति के लिए दो समितियों-स्टेट लेवल सेंक्शनिंग कमेटी (एसएलएफसी) और स्टेट एम्पॉवर्ड कमेटी का गठन किया जाएगा। वहीं, उद्योग एवं वाणिज्यिक विभाग नोडल विभाग के रूप में कार्य करेगा।

संसद में भारी हंगामा, प्रमंत्री भाषण नहीं दे सके

नई दिल्ली, 04 फरवरी। सदन में विपक्ष के हंगामे के बाद लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज होने वाला भाषण भी टल गया है। प्रधानमंत्री मोदी को आज शाम 5 बजे धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देना था। इससे पहले सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला, जिसके बाद लोकसभा को गुरुवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को सदन की कार्यवाही 12 बजे, फिर 2 बजे, और इसके बाद शाम पांच बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

राहुल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक गद्दार जा रहा है। इसका चेहरा देखो।'' इसके बाद उन्होंने बिट्टू से हाथ मिलाने की कोशिश करते हुए कहा, ''हैलो भाई, मेरे गद्दार दोस्त। चिंता मत करो, तुम वापस (कांग्रेस में) आ जाओगे।''

मंत्री ने गांधी से हाथ मिलाने से इनकार करते हुए कहा, ''देश के दुश्मन।'' यह बातचीत उनके उस बयान के बाद हुई जिसमें उन्होंने (बिट्टू) प्रदर्शनकारी सांसदों के बारे में कहा था कि '' वे ऐसे बैठे हैं जैसे उन्होंने कोई जंग जीत ली हो।''

ममता बनर्जी ने सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसका चुनाव पर महत्वपूर्ण असर पड सकता है।

बनर्जी और उनकी पार्टी ने बंगाल में फर्जी मतदान करने की कला में महारत हासिल कर ली थी और उन्होंने मतदाता सूचियों की खामियों का फायदा उठाकर कई सीटों पर जीत हासिल की थी। टीएमसी को मतदाता सूचियों में मौजूद फर्जी नामों की पूरी जानकारी रहती थी और वह नियमित रूप से अपने समर्थकों को फर्जी मतदान के लिए भेजती थी।

कम से कम 56 लाख नाम ऐसे पहचाने गए हैं जो फर्जी थे। इसके अलावा बड़ी संख्या में ऐसे नाम भी हटाए गए, जिनके नाम पर दर्ज लोग बहुत पहले मर चुके थे। इसके साथ-साथ बांग्लादेश से सीमा पार कर आए अवैध प्रवासी भी बंगाल के चुनावों में नियमित रूप से मतदान करते रहे थे।

इन सभी समूहों को मिलाकर देखा जाए तो मतदाता सूची का सही और ईमानदार संशोधन बड़ी संख्या में फर्जी और अवैध मतदाताओं को हटाने का कारण बन सकता है, जिन्हें वोट देने का अधिकार नहीं था। ममता बनर्जी को ऐसे फर्जी वोटों से फायदा मिलता रहा है और अब उन्हें इसमें समस्या दिखाई दे रही है। इसलिए वह इस प्रक्रिया को बदनाम करने और खत्म करने की कोशिश कर रही हैं।

■ पर, यह महसूस करते हुए कि अगर, संशोधित वोटर लिस्ट प्रकाशित हो गई तो तृणमूल कांग्रेस को भारी नुकसान हो सकता है, ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में ''ड्रामा'' करने का निर्णय लिया। अगर, सुप्रीम कोर्ट इस ''ड्रामे'' से प्रभावित होकर, एसआईआर प्रक्रिया को स्थगित कर देता है तो प्रजातंत्र के लिए काला दिन होगा।

दुर्भाग्य से, सर्वोच्च न्यायालय इस चुनौती का सामना नहीं कर पाया और ऐसा लगता है कि वह उनके राजनीतिक दबाव के आगे झुक गया। अगर सुप्रीम कोर्ट ममता बनर्जी के राजनीतिक दांव का सामना नहीं कर पाता और मतदाता सूची का सही संशोधन खतरे में पड जाता है, तो यह लोकतंत्र और मतदान के लिए दुखद दिन होगा।

अदालत में उनके राजनीतिक भाषण को रोकने के बजाय, जज उनके दबाव वाले तरीके के सामने झुक गए और उन्हें लगभग पंद्रह मिनट तक बोलने दिया। अदालत ने मुख्य चुनाव आयुक्त को निर्देश दिया कि वह उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों, जैसे विशेष गहन संशोधन प्रक्रिया में अपनाई जा रही पद्धितयों, पर ध्यान दें।

अदालत तृणमूल कांग्रेस द्वारा दायर याचिका पर आगे सुनवाई करेगी, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त पर अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है। ममता बनर्जी ने कहा कि विशेष गहन संशोधन प्रक्रिया में नामों में छोटे-मोटे अंतर के आधार पर लोगों के नाम मतदाता सूची से मनमाने तरीके से हटाए जा रहे हैं।

बनर्जी ने नाम और उपनाम लिखने के अलग-अलग तरीकों की ओर ध्यान दिलाया, जो वर्तमान व्यवस्था का हिस्सा हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे किसी भी अंतर के कारण मतदाता सूची से नाम हटाए जा रहे हैं।

चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैंच ने निर्वाचन आयोग को आदेश दिया कि एसआईआर के तहत नोटिस सावधानी से भेजे जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ''ईसीआई को, कृपया नोटिस सावधानी से भेजें। आप प्रतिष्ठित लेखकों आदि को नोटिस नहीं भेज सकते।''

ये टिप्पणियां उस घटना के कुछ हफ्तों बाद आई हैं, जब चुनाव आयोग ने पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल अरुण प्रकाश (सेवानिवृत्त), नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन और भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी सहित कई सार्वजनिक हस्तियों को एसआईआर के तहत नोटिस भेजे थे।

ममता बनर्जी ने एसआईआर प्रक्रिया में विसंगतियों का आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ महिलाओं के नाम केवल इसलिए हटा दिए गए क्योंकि उन्होंने शादी के बाद अपना सरनेम बदल लिया। उन्होंने कहा, ''मान लीजिए बेटी शादी के बाद ससुराल चली जाती है, वह पति का सरनेम इस्तेमाल कर रही है, इसे भी मिसमैच माना गया, कुछ बेटियां ससुराल चली गईं, उनके नाम भी हटा दिए गए।''

युमनाम खेमचंद सिंह ने मणिपुर के मु.मंत्री पद की शपथ ली

इंफाल, 04 फरवरी। हिंसाग्रस्त मणिपुर को लंबे राष्ट्रपति शासन के बाद अपना नया मुख्यमंत्री मिल गया है। मार्शल आर्ट के धुरंधर मैतेई समुदाय के युमनाम खेमचंद सिंह ने राज्य के नए मुख्यमंत्री के तौर पर आज शपथ ली। इससे पहले आज उन्होंने मणिपुर के राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया।

■ कुकी समुदाय के भाजपा विधायक नेमचा किपगेन को उपमुख्यमंत्री बनाया गया

वहीं, भाजपा विधायक नेमचा किपगेन ने मणिपुर के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। किपगेन कुकी समुदाय से हैं। इसके अलावा, नागा पीपुल्स फ्रंट के विधायक एल डिखो ने भी उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। भाजपा के गोविंदास कोंथौजम और एनपीपी केके लोकेन सिंह ने मंत्री पद की शपथ ली। नेमचा किपगेन ने नई दिल्ली स्थित मणिपुर भवन से डिजिटल माध्यम से शपथ ली। विधायक दल की मंगलवार को बैठक हुई, जिसमें खेमचंद (62 वर्षीय)को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया था। राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी मुख्यालय में भाजपा विधायक दल की डेढ़ घंटे बैठक चली, जिसमें खेमचंद के नाम पर सहमति बनी थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, पर्यवेक्षक तरुण चुघ की उपस्थिति में भाजपा मुख्यालय में विस्तार से हुई विधायक दल की बैठक में कई नामों पर विचार हुआ था।

चर्चा थीकि कुकी बनाम मैतेई समुदाय के बीच संतुलन साधने के लिए नई सरकार में कुकी समुदाय को उपमुख्यमंत्री की कुर्सी मिलेगी। हालांकि, मुख्यमंत्री के मामले में लिए गए निर्णय से साफ थाकि पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की पसंद को तवज्जो नहीं मिली। बीरेन सात बार के विधायक मैतेई समुदाय के ही गोविंद दास को मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे।

भूमिगत ''चिकन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिलीगुड़ी कॉरिडोर की इस पट्टी की संवेदनशीलता को रेखांकित किया था। उनका कहना था कि इस हिस्से में किसी भी प्रकार का व्यवधान सैन्य आपूर्ति लाइनों को काट सकता है और सैनिकों की आवाजाही में बाधा डाल सकता है, साथ ही पूर्वोत्तर राज्यों को भी अलग-थलग कर सकता है। एनएफआर अधिकारियों के अनुसार, भूमिगत रेल ट्रैक आपात स्थितियों में भी निर्बाध सैन्य आवागमन सुनिश्चित करेगा। हाल के महीनों में बांग्लादेश का चीन की ओर झुकाव साफ़ तौर पर दिखाई दिया है। हाल ही में बांग्लादेश वायुसेना ने चीन के साथ ड्रोन निर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए एक समझौता किया है। रिपोर्टों के अनुसार, इन ड्रोनों में चीनी निगरानी तकनीक लगी होगी, जिसका उपयोग भारत-बांग्लादेश सीमा के 4,000 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र की निगरानी के लिए किया जा सकता है।

शरद पवार ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पलटवार किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अजित पवार ने एनसीपी(एसपी) के साथ विलय की कोई पहल नहीं की थी।

शरद पवार ने कहा कि फडणवीस एनसीपी के दोनों गुटों के बीच हुई विलय संबंधी चर्चाओं का हिस्सा नहीं थे, इसलिए उन्हें इस पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है।

लोकसभाध्यक्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिलचस्प बात यह है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित कई वरिष्ठ मंत्री कह रहे हैं कि ऐसी कोई किताब मौजूद नहीं है, जबकि राहुल गांधी ने किताब की प्रति दिखा दी है। क्या यह वरिष्ठ मंत्रियों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का मामला बन सकता है? स्थिति अब काफी कटु और खराब हो गई है और सत्तारूढ़ दल और राहुल गांधी के बीच बढ़ते तनाव के कारण इस सत्र को सामान्य बनाना मुश्किल लग रहा है।

बोत्सवाना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की सफल बसाहट के बाद अब असम का जंगली भैंसा भी मध्यप्रदेश के जंगलों में स्वच्छंद विचरण करता नजर आएगा।

प.बंगाल चुनावों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्य के दौरों के बाद सांसदों के साथ की जा रही ये वन-टू-वन बैठकें पार्टी की चुनावी रणनीति को और धार देने के लिए बेहद अहम मानी जा रही हैं।

चुनावों से पहले इस बैठक को भाजपा की डिनर डिप्लोमैसी के हिस्से के रूप में भी देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य पार्टी के भीतर समन्वय को मज़बूत करना और पश्चिम बंगाल में अपने राजनीतिक नैरेटिव को और तेज़ करना है।

सुप्रीम कोर्ट ने नीट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उठाए गए हैं, जिसके माध्यम से स्नातकोत्तर चिकित्सा प्रवेश के लिए कट-ऑफ पर्सेंटाइल को उस स्तर तक कम कर दिया गया था, जिसे याचिकाकर्ताओं ने असामान्य रूप से बहुत कम बताया है। इसमें कट-अफ पर्सेन्टाइल को शून्य और नकारात्मक तक कर दिया गया है।

याचिकाकर्ताओं के अनुसार, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा के लिए योग्यता मानकों को कम करना मनमाना है और संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन है।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

राजस्थान में आयोजित
भारत की सबसे बड़ी अन्तर्राष्ट्रीय
पत्थर उद्योग प्रदर्शनी

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

मुख्य अतिथि
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

13th INDIA STONEMART2026
Stone for Sustainability
5 - 8 February, 2026
JECC, SITAPURA, JAIPUR, RAJASTHAN, INDIA

JAIPUR ARCHITECTURE FESTIVAL
6th-7th February 2026
JECC, SITAPURA, JAIPUR, RAJASTHAN, INDIA

5 फरवरी, 2026 | प्रातः 9:30 बजे
मुधा कन्वेंशन हॉल, जेईसीसी, सीतापुरा, जयपुर

इंडिया स्टोनमार्ट 2026 में पहली बार
26+ अन्तर्राष्ट्रीय भाषाओं में इंडिया स्टोनमार्ट की वेबसाइट
स्टोनमार्ट का स्मार्ट डिजिटल मोबाइल ऐप
अब तक का सबसे विशाल प्रदर्शनी क्षेत्र
विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताएँ
पत्थर उद्योग और आध्यात्मिक संस्थानों के बीच सहयोग
'एक जिला - एक उत्पाद' (ODOP) पवेलियन
एमएसएमई (MSME) केन्द्रित प्रमोशन और स्टॉल इंटीग्रेशन

आप सादर आमंत्रित हैं

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: www.stonemart-india.in info@stonemart-india.in

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908